शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 16 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-15

विस्तारवाद नहीं, विकासवाद में यकीन...

पीएम मोदी ने दुनिया को बताई समंदर में भारत की ताकत, चीन को भी साफ संदेश

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि तीन अत्याधुनिक और प्रमुख प्लेटफार्म का एक ही दिन नौसेना के बेड़े में शामिल किया जाना मजबूत तथा आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण तथा नौसेना को 21वीं सदी के अनुरूप सशक्त बनाने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं, भारत विकासवाद की भावना काम करता है। श्री मोदी ने बुधवार को यहां नौसेना डॉकयार्ड में तीन प्रमुख नौसैनिक युद्धपोतों - आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर को नौसेना के बेड़े में शामिल किये जाने के मौके पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की नौसेना को सशक्त बनाने की तरफ हम एक बड़ा कदम उठा रहे हैं और आज का भारत दुनिया की एक बड़ी समुद्री शक्ति बन रहा है।

दरअसल यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में नजर गड़ाए और लगातार शरारत कर रहे चीन को सीधा संदेश है।

उन्होंने कहा कि यह पहली बार हो रहा है जब एक डिस्ट्रायर, एक फ्रिगेट और एक सबमरीन को एक साथ कमीशन किया जा रहा है और सबसे गर्व की बात है कि ये तीनों ही प्रमुख प्लेटफार्म मेड इन इंडिया हैं। आज का भारत दुनिया की एक बड़ी समुद्री शक्ति बन रहा है।

उन्होंने कहा कि आज भारत पूरे विश्व और विशेषकर ग्लोबल साउथ में एक भरोसमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की भावना से काम करता है।

▶10पर

अग्रिम मोर्चे के नौसैनिकों का शामिल होना हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत का प्रमाण : राजनाथ

मुंबई , 15 जनवरी (एजेंसियां)। तीन अग्रणी नौसैनिक लड़ाकू जहाजों का शामिल होना हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत का प्रमाण है, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को मुंबई शहर में एक पनडुब्बी और दो नौसेना जहाजों को शामिल करने के दौरान कहा।राजनाथ सिंह ने आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर के कमीशन को ऐतिहासिक बताया और कहा कि यह न केवल भारतीय नौसेना की, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में पूरे देश की बढ़ती ताकत का प्रमाण है। उन्होंने भू-रणनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से हिंद महासागर के महत्व और आज के तेजी से बदलते परिवेश में इसकी बढ़ती प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला । सिंह ने कहा, दुनिया के व्यापार और वाणिज्य का एक बड़ा हिस्सा आईओआर

▶10पर

2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत: पीयूष गोयल

चेन्नइ, 15 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 2027 तक जापान और जर्मनी से आगे निकलकर भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

गोयल ने मंगलवार को यहां तमिल पत्रिका 'तुगलक' की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी ने 10 साल में क्या किया? वह भारत को 11वें सबसे बड़े जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) से पांचवें सबसे बड़े जीडीपी पर ले गए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने 2014 में अनुमान लगाया था कि 30 वर्ष में भारत तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी वाला देश बन जाएगा।

गोयल ने कहा, मोदी ने क्या किया? उन्होंने कहा था कि 'मैं इसे आधे से भी कम समय में कर दूंगा और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं मित्रों, 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा...जापान और जर्मनी से आगे...केवल 13 वर्षों में न कि 30 वर्षों में... यह प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता तथा दृढ़ विश्वास है...।

साथ ही उन्होंने कहा कि 19 देशों ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है।

इनमें से आठ मुस्लिम बहुल, 10 ईसाई बहुल और एक बौद्ध बहुल देश है। उन्होने कहा कुछ लोग जो भारत और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, उसका इससे बेहतर जवाब कोई नहीं हो सकता।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, वह सच्ची धर्मनिरपेक्षता वाले सबसे समावेशी नेता हैं, जो तुष्टिकरण की राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं, वह सबका साथ, सबका विकास में विश्वास करते हैं।

पीएम मोदी ने नवी मुंबई में किया इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन, कहा

भारत की चेतना होगी समृद्ध

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को मुंबई दौरे पर हैं। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने नवी मुंबई में एक नए इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन किया। यह मंदिर लगभग 9 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें से 2.5 एकड़ क्षेत्र में भव्य मंदिर बनाया गया है। यह एशिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्कॉन मंदिर है। नए इस्कॉन मंदिर के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, आज ज्ञान और भक्ति की इस महान धरती पर इस्कॉन के प्रयासों से श्री श्री राधा मदनमोहन जी मंदिर का उद्घाटन हो रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे ऐसे अलौकिक अनुष्ठान में अपनी भूमिका निभाने का पुण्य प्राप्त हुआ है। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट चुनाव सुधार को लेकर नए नियमों का परीक्षण करने को तैयार

चुनाव आयोग और केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव संचालन नियमों में संशोधन को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता जयराम रमेश की याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट चुनाव सुधार को लेकर नए नियमों का परीक्षण करने को तैयार हो गया है। जयराम रमेश की याचिका पर उच्चतम न्यायालय 17 मार्च से शुरू हो रहे सप्ताह में सुनवाई करेगा ▶10पर

कुंभमेला जा रहे तेलंगाना के श्रद्धालुओं की बस को लगी आग, एक जिंदा जल गया

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में जारी कुंभमेला में भाग लेने जा रहे तेलंगाना श्रद्धालुओं की बस को आग लग गई। इस आग में एक व्यक्ति जिंदा जल गया। आदिलाबाद जिले के भैंसा से 50 श्रद्धालु कुंभमेला में भाग लेने के लिए जा रहे थे।

हालाँकि, अचानक बस में आग लग गई। इस आग में एक व्यक्ति जिंदा जल गया, जबकि शेष 49 श्रद्धालु सुरक्षित बस से बाहर आ गए। उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने उन्हें अपने घर लौटने में मदद करने के लिए कदम उठाए है। निजामाबाद जिले के कुभीर मंडल के पलसी निवासी शीलम ध्रुपत नामक व्यक्ति को जिंदा जल गया। ▶10पर

छत्तीसगढ़ : 2000 करोड़ के शराब घोटाले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा गिरफ्तार

रायपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 2000 करोड़ रुपये से अधिक के शराब घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को एक बार फिर पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को पूछताछ के लिए बुलाया। इस दौरान उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) को भी उपस्थित होने के लिए कहा गया था, लेकिन सीए की अनुपस्थिति के कारण कवासी लखमा अकेले ही लगभग सुबह 11 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे।

पूछताछ के बाद ईडी ने कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले, 9 जनवरी को भी ईडी ने कवासी लखमा से करीब आठ घंटे तक पूछताछ की थी। 28 दिसंबर को ईडी ने रायपुर में उनके ठिकानों पर छापा मारा था, जिसमें नगद लेन-देन और वित्तीय अनियमितताओं के कई साक्ष्य मिले थे।

करीब चार घंटे तक चली पूछताछ के बाद ईडी ने दोनों को गिरफ्तार किया। ▶10पर

32 लाख के 4 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

'निया पुलिस निया नार' अभियान ने किया असर

नारायणपुर/रायपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में बुधवार को तीन दर्जन से अधिक घटनाओं में 32 लाख रुपये के चार इनामी नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने मीडिया को बताया कि ▶10पर

जूते बांटने का मामला

बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के खिलाफ पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है. रिटर्निंग ऑफिसर ने मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन प्रभारी को वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए पत्र लिखा था। इसके आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। दरअसल, शिकायत उस घटना से जुड़ी है जिसमें वर्मा को वाल्मीकि मंदिर परिसर में मतदाताओं को जूते बांटते हुए देखा गया था। रिटर्निंग ऑफिसर ओपी पांडे ने अधिवक्ता रजनीश भास्कर के एक व्हाट्सएप संदेश के आधार पर शिकायत दर्ज की, जिसमें वर्मा को महिला मतदाताओं को जूते बांटते हुए कथित तौर पर दिखाए जाने वाले दो वीडियो थे। ▶10पर

तटरक्षक बल ने लक्षद्वीप द्वीप से 54 यात्रियों को बचाया

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के जहाज ने केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में लापता नाव से 22 महिलाओं और 23 बच्चों सहित 54 यात्रियों को बचाया। नाव कवारत्ती से सुहेलीपार द्वीप की ओर जा रही थी। लक्षद्वीप से लापता नाव के बारे में संकटपूर्ण कॉल मिलने के बाद आईसीजी ने तेजी से अभियान शुरू किया, जिसमें 54 लोग सवार थे। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 18^0

पाकिस्तान ने 150 जासूस छितराए हुए हैं काबुल में

आईएसआई की गहरी साजिश के सुराग का पर्दाफाश

काबुल, 15 जनवरी (एजेंसियां)। काबुल में पाकिस्तानी जासूसों के मंडराने के सुराग अफगानिस्तान के पूर्व उप राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह के निकट के लोगों ने दिए हैं। उनका दावा है कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी आईएसआई के लगभग 150 जासूस अफगानिस्तान के भीतर जासूसी कर रहे हैं, हवाई मार्गों पर खासतौर से नजर रखी जा रही है।

जिन्ना के देश वाले अपनी ना-पाक हरकतों से बाज नहीं आ सकते। अफगानिस्तान में बंदूकधारी लड़ाकों की सरकार बनाने वाली पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई अब तालिबान के कान घुमाकर पकड़ना चाह रही है। पता चला है कि पाकिस्तान ने राजधानी काबुल में उथलपुथल मचाने के लिए अपने एजेंट छोड़ रखे हैं जो टीटीपी के विरुद्ध एक दूसरे जिहादी गुट को उकसा रहा है। कारण यह कि तालिबान और टीटीपी जिन्ना के देश की नाक में दम कर रहे हैं और फौजियों को कत्ल कर रहे हैं।

तालिबान की बढ़ती उग्रता का दंश झेल रहा पाकिस्तान बेचैन हो चला है कि कैसे भी काबुल की लड़ाकाओं की सत्ता को अपने शिकंजे में कसे। लेकिन वहां अब उसका ऐसा प्रतिरोध हो रहा है कि न आईएसआई की चल रही है, न पिंडी की। खुफिया एजेंसी आईएसआई ने लगभग के 150 एजेंट काबुल में छोड़े हुए हैं जो तालिबानी मंत्रियों, बड़े लड़ाका नेताओं के घरों के सुराग पकड़ रहे हैं। ▶10पर

अमेरिकी अधिकारियों की जानकारी पर भारत सरकार की जांच समिति ने सौंपी रिपोर्ट

आपराधिक समूहों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की सिफारिश

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त जांच समिति ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों के सुरक्षा हितों को कमजोर करने वाले व्यक्तियों, संगठित आपराधिक समूहों और आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की गई है। कुछ संगठित आपराधिक समूहों, आतंकवादी संगठनों, ड्रग तस्करों आदि की गतिविधियों के संबंध में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर नवंबर 2023 में पैनल का गठन किया गया था। गृह विभाग ने अपनी नवीनतम प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पैनल को पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। अमेरिकी अधिकारी और उन्होंने अपनी जांच करते समय उनके मार्गदर्शन का पालन किया।

इसमें लिखा है, जांच समिति ने अपनी जांच की, और अमेरिकी पक्ष द्वारा प्रदान किए गए सुरागों का भी पालन किया। इसे अमेरिकी अधिकारियों से पूरा सहयोग मिला और दोनों पक्षों ने यात्राओं का आदान-प्रदान भी किया। समिति ने विभिन्न एजेंसियों के कई अधिकारियों से भी पूछताछ की। इस संबंध में प्रासंगिक दस्तावेजों की जांच की गई। बयान में कहा गया किलंबी जांच के बाद, समिति ने सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी है और एक व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की ▶10पर

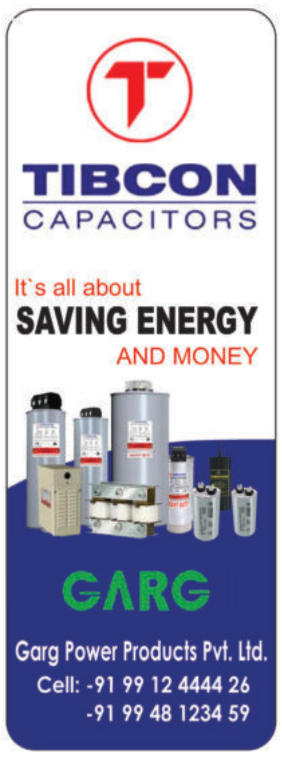

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल से ढाई घंटे तक हुई पूछताछ, बयान देने से इनकार

सियोल, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) के अधिकारियों ने सुबह हिरासत में लिये गए राष्ट्रपति यून सुक येओल से पूछताछ शुरू कर दी। येओल को राष्ट्रपति आवास से हिरासत में लेने के बाद ग्योंगगी प्रांत के ग्वाचेओन स्थित सीआईओ मुख्यालय ले जाया गया। यहां ढाई घंटे तक उनसे पूछताछ की गई।

सीआईओ के डिप्टी प्रमुख ली जे-सेउंग के नेतृत्व में अधिकारियों ने सुबह करीब 11 बजे यून सुक येओल से पूछताछ शुरू की। इस दौरान येओल के वकील भी मौजूद रहे।

येओल से पूछताछ मुख्यत: उनकी मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा पर केंद्रित है। यह घोषणा येओल ने तीन दिसंबर की रात की थी। इस बीच विपक्ष के तेवर देख यह घोषणा वापस ले ली गई। विपक्ष ने मोर्चाबंदी कर नेशनल असेंबली की पूर्ण बैठक आहूत कर येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया। इस पर मतदान हुआ। मतदान में राष्ट्रपति को तगड़ा झटका लगा और महाभियोग प्रस्ताव पास हो गया। इसके बाद इसे संवैधानिक अदालत भेजा गया। संवैधानिक अदालत में मंगलवार को इस पर सुनवाई शुरू हो चुकी है।

यून सुक येओल हिरासत में लिये जाने वाले पहले मौजूदा कोरियाई राष्ट्रपति हैं। जांच अधिकारियों को 48 घंटों के भीतर यह निर्णय लेना होगा कि हिरासत में पूछताछ जारी रखने के लिए औपचारिक गिरफ्तारी वारंट दायर किया जाए या उन्हें रिहा कर दिया जाए। सीआईओ ने सुबह 10:33 बजे हिरासत वारंट निष्पादित किया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में चार आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के सामान्य क्षेत्र स्पिनवाम में चार आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने इसकी पुष्टि की। आईएसपीआर ने कहा कि सुरक्षाबलों को यह कामयाबी 14/15 जनवरी की रात खुफिया आधारित अभियान में मिली। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकाने को घेरकर ताबड़तोड़ गोलीबारी की। इस दौरान चार आतंकवादी मारे गए। आतंकियों के ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इससे पहले मंगलवार को सुरक्षा बलों ने प्रांत के टैंक और खैबर जिलों में दो खुफिया आधारित अभियानों में आठ आतंकवादियों को मार गिराया था।

काठमांडू से चीन के नागरिक का अपहरण करने वाले महाराष्ट्र के चार युवक नेपाल पुलिस की हिरासत में

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के सबसे व्यस्ततम पर्यटकीय क्षेत्र ठमेल से चीन के एक नागरिक का अपहरण कर भारत के तरफ ले जाने का प्रयास करते हुए चार भारतीय युवकों को नेपाल पुलिस ने भारतीय सीमा से 90 किलोमीटर पहले ही दबोच लिया। काठमांडू घूमने आए महाराष्ट्र के चार युवक पिछले तीन दिन से ठमेल के एक होटल में ठहरे हुए थे। इस दौरान एक चीनी नागरिक के साथ किसी बात पर अनबन होने के बाद इन युवकों ने मंगलवार देररात उसे अगवा कर अपनी कार से ले जाने की कोशिश की। काठमांडू क्राइम ब्रांच के एसएसपी सानू थापा ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10 बजे ठमेल एरिया से यह जानकारी मिली। इसके बाद काठमांडू पुलिस सक्रिय हुई और सीसीटीवी के जरिए उस भारतीय नंबर प्लेट की गाड़ी (स्कॉर्पियो) के बारे में पता लगाया जिसमें चीनी नागरिक को जबरन बैठाया गया था। पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए भारतीय सीमा से करीब 90 किलोमीटर पहले हेटौडा के पास रहे भीमफेदी के जंगल में इस गाड़ी (एमएच16डीजी 4904) को घेर लिया। पुलिस ने चीनी नागरिक और चारों आरोपितों को दबोच लिया। नेपाल पुलिस के अनुसार आरोपित युवकों की पहचान सातारा जिला निवासी 32 वर्षीय आशुतोष दत्तात्रेय, अहमदनगर के 30 वर्षीय अमोल करमाटे, 33 वर्षीय अमोल श्रीसत और गाड़ी चालक 40 वर्षीय अफसर शेख के रूप में की गई है। पुलिस ने अपहृत किए गए चीनी नागरिक के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है।

बाइडेन ने अमेरिका में एआई बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर एक महत्वपूर्ण आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके जरिए अमेरिका में उन्नत (एडवांस्ड) एआई के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे, जैसे बड़े पैमाने पर डाटा केंद्र और नई स्वच्छ उर्जा सुविधाएं, का निर्माण सुनिश्चित करना है। इस कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि रक्षा और उर्जा विभाग उन स्थानों की पहचान करेंगें, जहां निजी कंपनियां एआई डाटा केंद्र बना सकें। इसके अलावा, इन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि वे अपने डाटा केंद्र के लिए पर्याप्त स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करें।

एक बयान में, बिडेन ने कहा कि एआई का राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ेगा और अगर जिम्मेदारी से इसका उपयोग किया जाए तो अमेरिकियों के जीवन में सुधार करने की भारी क्षमता होगी। इससे बीमारियों का इलाज करने से लेकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम कर समुदायों को सुरक्षित रखने तक का काम किया जा सकेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि %एआई के मुद्दे पर हम अपनी बढ़त को हल्के में नहीं ले सकते। जब भविष्य को परिभाषित करने वाली प्रौद्योगिकी की बात आती है तो हम अमेरिका को कमजोर नहीं होने देंगे। न ही हमें महत्वपूर्ण पर्यावरण मानकों और स्वच्छ हवा और स्वच्छ पानी की रक्षा के लिए हमारे साझा प्रयासों का त्याग करना चाहिए।

नए नियमों के तहत, रक्षा और ऊर्जा विभाग प्रत्येक कम से कम तीन साइटों की पहचान करेंगे जहां निजी क्षेत्र एआई डेटा केंद्र बना सकते हैं। वरिष्ठ प्रशासन अधिकारियों ने कहा कि एजेंसियां उन संघीय साइटों पर एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए निजी कंपनियों से प्रतिस्पर्धी अनुरोध चलाएंगी।

वियतनाम और रूस ने परमाणु ऊर्जा पर सहयोग बढ़ाने के समझौते पर किए हस्ताक्षर

हनोई

रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन की दो दिवसीय हनोई यात्रा के दौरान परमाणु ऊर्जा पर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को वियतनाम और रूस ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। बढ़ती लागत और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2016 में दो परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण बंद करने के बाद दक्षिण पूर्व एशियाई देश अपनी परमाणु ऊर्जा योजनाओं को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है। उम्मीद है कि इससे वर्ष 2050 तक उसे ऊर्जा-पर्याप्त बनने और अतिरिक्त ग्रीन हाउस उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस समझौते पर रूस की सरकारी स्वामित्व वाली परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम और वियतनाम की सरकारी स्वामित्व वाली बिजली उपयोगिता ईवीएन के बीच हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मिशुस्टिन ने अपने समकक्ष फाम मिन्ह चिन्ह के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की और वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख टू लैम और वियतनाम की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ट्रान थान मान से मुलाकात की। मिशुस्टिन ने कहा, वियतनाम दक्षिण पूर्व एशिया में रूस का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। हम आपके साथ रूस और वियतनाम के बीच सहयोग की एक व्यापक योजना पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं, जो 2030 तक चलेगी। अगले दिन बुधवार को वो राष्ट्रपति लुओंग कुओंग से भी मुलाकात करेंगे।

नेपाल-भारत जेटीटी और जेडब्ल्यूजी की बैठक 21-22 जनवरी को नई दिल्ली में

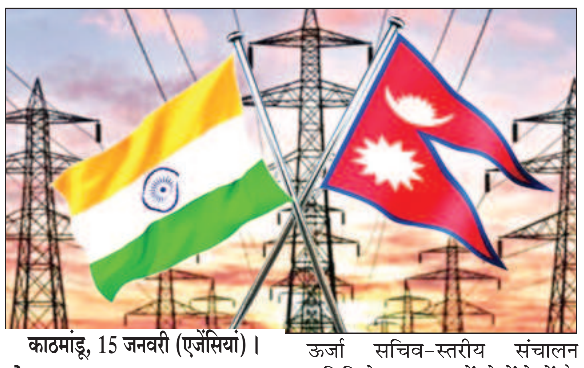

काठमांडू, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल-भारत संयुक्त तकनीकी समिति (जेटीटी) और संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की ऊर्जा क्षेत्र पर बैठक 21 और 22 जनवरी को नई दिल्ली में होगी। हर 6 महीने के अंतराल पर होने वाली बैठक इस बार एक वर्ष के बाद होने जा रही है। इससे पहले सह सचिव के नेतृत्व वाली जेडब्ल्यूजी की बैठक पिछले साल 2 जनवरी और सचिव के नेतृत्व में संयुक्त निदेशक समिति (जेएससी) की बैठक 3 जनवरी, 2024 को हुई थी।

ऊर्जा मंत्रालय के वरिष्ठ ऊर्जा विशेषज्ञ प्रबल अधिकारी ने बताया कि मौजूदा बैठक में नेपाल और भारत के बीच बनने वाली दो हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण और निवेश प्रारूप को अंतिम रूप देने पर चर्चा की जाएगी और संभव हुआ तो इस पर समझौते पर हस्ताक्षर की भी उम्मीद है।

पिछले साल 21 दिसंबर को चितवन (नेपाल) में और भारत की ऊर्जा सचिव-स्तरीय संचालन समिति ने 2027/28 में दोनों देशों के बीच तीसरी सबसे बड़ी इनरुवा-पूर्णिया 400 केवी अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन को पूरा करने पर सहमति व्यक्त की थी।

इसी प्रकार समान क्षमता की एक और अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन, लमकी (डोडोधारा) - बरेली ट्रांसमिशन लाइन को 2028/29 में पूरा करने पर भी सहमति हो चुकी है। हालांकि, उस बैठक में इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण प्रारूप और निवेश प्रारूप पर कोई सहमति नहीं बन पाई थी।

बैठक में नेपाल ने इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण बुटवल-गोरखपुर 400 केवी अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन के समान तरीके से करने का प्रस्ताव रखा। नेपाल की ओर ट्रांसमिशन लाइन का हिस्सा नेपाल द्वारा स्वयं बनाया जा रहा है, जबकि भारत की ओर वाला हिस्सा नेपाल विद्युत प्राधिकरण और एक कंपनी द्वारा बनाया जा रहा है जिसके पास भारत की ट्रांसमिशन ग्रिड कंपनी के आधे शेयर हैं। नेपाल की तरफ से यह प्रस्ताव रखा गया है कि 25 साल के कार्यान्वयन और ट्रांसमिशन सेवा समझौते (आईटीएसए) के तहत बिजली प्राधिकरण इस ट्रांसमिशन लाइन के पूरे उपयोग और किराये (व्हीलिंग चार्ज) का भुगतान करेगा। इस बात पर अभी सहमति नहीं बन पाई है।

बमबारी

गाजा में इजरायली बमबारी के कारण ध्वस्त हुए टेंटों के पास खड़े हुए फिलिस्तीनी लोग।

प्रचण्ड ने कहा-अब ओली सरकार की आयु अधिक नहीं

काठमांडू, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल के विपक्षी दलों की संयुक्त बैठक के बाद नेताओं ने प्रधानमंत्री केपी ओली और उनकी सरकार की आलोचना की है। प्रमुख विपक्षी नेता पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने कहा कि अब ओली सरकार की आयु अधिक नहीं है।

माओवादी संसदीय दल के कार्यालय में पार्टी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड की अध्यक्षता में विपक्षी दलों की बैठक हुई। बैठक में माओवादी के अलावा एकीकृत समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, नेपाल समाजवादी पार्टी और आम जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रही। बैठक में ओली सरकार द्वारा संसद की बैठक नहीं बुलाने और अध्यादेश के माध्यम से शासन करने का आरोप लगाया गया। साथ ही सरकार के 6 महीना पूरा होने पर भी कोई बड़ी उपलब्धि नहीं होने का आरोप भी लगाया गया। प्रचण्ड ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली के रवैये से सत्तारूढ़ दलों में असंतुष्टि चरम पर पहुंच गई है। नेपाली कांग्रेस के बड़े नेताओं का सरकार के विरोध में सार्वजनिक बयान आ रहा है। उसको देखते हुए सत्तारूढ़ गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं होने का स्पष्ट संकेत मिल रहा है। प्रचंड ने पत्रकारों को कहा कि ओली सरकार की आयु अब अधिक दिनों की नहीं बची है। ओली सरकार को अपदस्थ करने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रचंड ने कहा कि किसी भी समय नेपाली कांग्रेस ओली सरकार से समर्थन वापस ले सकती है। प्रचण्ड ने कहा कि नए सत्ता गठबंधन के लिए विपक्षी दलों के तरफ से नेपाली कांग्रेस को सरकार के नेतृत्व का खुला ऑफर दे दिया गया है। जिस दिन कांग्रेस पार्टी ओली सरकार से समर्थन वापस ले लेगी उसी दिन नया गठबंधन अस्तित्व में आ जाएगा। उन्होंने साफ किया कि ओली के साथ फिर से हाथ मिलने का सवाल ही खड़ा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि जो गलती वो पहले दो बार कर चुके हैं वो इस बार नहीं करने वाले हैं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया भ्रष्टाचार केस में बरी

ढाका, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और इछ्झ नेता खालिदा जिया की भ्रष्टाचार केस में बरी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए खालिदा की 10 साल सजा को खारिज कर दिया। उन्हें पिछले साल अगस्त में जेल से रिहा किया गया था।79 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। चीफ जस्टिस डॉ. सैयद रैफात की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने फैसले के पीछे खालिदा और बाकी लोगों पर बदले की मंशा से कार्रवाई करने का हवाला दिया।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक खालिदा जिया के अलावा, इछ्झ के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान और बाकी लोगों को भी रिहा कर दिया गया है। इन सभी को जिया अनाथालय ट्रस्ट घोटाले से जुड़े मामले में दोषी बनाया गया था।2018 में 10 साल की सजा मिली

खालिदा जिया को 8 फरवरी 2018 को ढाका की स्पेशल कोर्ट ने जिया अनाथालय ट्रस्ट के नाम पर सरकारी पैसे का गबन करने के आरोप में 5 सुनाई गई थी। खालिदा के बेटे तारिक और अन्य 5 आरोपियों को भी 10 साल कठोर कारावास की सजा दी गई थी।इन पर 2.1 करोड़ बांग्लादेशी टका का जुर्माना भी लगा था। तारिक और अन्य 2 आरोपी फरार हो गए थे। जिया ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। इस पर कोर्ट ने 30 अक्टूबर 2018 को सुनवाई करते हुए सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था।इसके बाद खालिदा ने सजा के खिलाफ लीव-टू-अपील यानी सीधे सर्वोच्च अदालत में चुनौती देने की अपील की थी। 5 साल तक कानूनी प्रक्रियाओं के चलते इसमें देरी होती रही।खालिदा लंबे समय से बीमार चल रही हैं। इस महीने की शुरुआत में 7 जनवरी को वे इलाज के लिए लंदन गई हैं। उन्हें कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने एयर एम्बुलेंस उपलब्ध कराई थी। हसीना को लिवर सिरोसिस, हार्ट डिजीज और किडनी की बीमारी है।खालिदा जिया दो बार 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रह चुकी हैं।

शेख हसीना के पिता अब बांग्लादेश के राष्ट्रपिता नहीं:नई स्कूली किताबों में खालिदा जिया के पति जियाउर रहमान को आजादी का क्रेडिट दिया

बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने शेख हसीना के पिता और पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान की विरासत को मिटाना शुरू कर दिया है। मौजूदा सरकार ने बांग्लादेश की पाठ्य पुस्तकों में बदलाव करने का फैसला किया है। डेली स्टार के मुताबिक अब से किताब में बताया जाएगा कि साल 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने दिलाई थी।

कड़ाके की सर्दी में बिजली की आंख मिचौली

हाउसबोट में रह रहे पर्यटकों का मजा किरकिरा

जम्मू, 15 जनवरी (ब्यूरो)। कड़ाके की ठंड के बीच प्रसिद्ध डल झील में बार-बार बिजली गुल होने से पर्यटकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सर्दियों के दौरान प्रतिष्ठित हाउसबोट में रहने का आकर्षण धूमिल हो रहा है। यही कारण है कि अपनी वैश्विक प्रतिष्ठा के बावजूद अविश्वसनीय बिजली आपूर्ति पर्यटकों और हाउसबोट मालिकों दोनों को निराश कर रही है।

हाउसबोट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मंजूर पख्तून कहते हैं कि हाड़ कंपा देने वाली ठंड में, पर्यटकों के आराम के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति आवश्यक है। वे बार बार जोर कहते थे कि बार-बार बिजली गुल होने से न केवल टूरिस्टों के लिए मुश्किलें बढ़ रही हैं, बल्कि पर्यटन उद्योग पर निर्भर लोगों की आजीविका भी प्रभावित हो रही है। बिजली कटौती से हीटिंग और लाइटिंग जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं बाधित होती हैं, जिससे पर्यटकों को डल झील के अनूठे और शांत अनुभव का आनंद लेने में संघर्ष करना पड़ता है। पख्तून कहते हैं कि कई पर्यटक बेहतरीन अनुभव की उम्मीद लेकर आते हैं, लेकिन बिजली गुल होने से वे निराश हो जाते हैं, जिससे गंतव्य की प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। उन्होंने सरकार से बिजली संकट को तत्काल दूर करने का आग्रह किया है, जिसमें कहा गया है कि पर्यटकों के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लगातार बिजली की आपूर्ति महत्वपूर्ण है। एसोसिएशन के अन्य नेता कहते हैं कि बेहतर बिजली आपूर्ति जम्मू कश्मीर सरकार के पर्यटन संवर्धन अभियान का हिस्सा होनी चाहिए। पदाधिकारी कहते थे कि हम डल झील में सभी हाउसबोट में स्मार्ट मीटर लगाने के लिए तैयार हैं।

हाउसबोट मालिक तारिक अहमद भी कहते हैं कि भले ही उनके पास उचित बैकअप है, लेकिन बिजली के अपने फायदे और मनोवैज्ञानिक प्रभाव हैं। उनका कहना था कि हर हाउसबोट मालिक बिजली कटौती के दौरान अंदरूनी हिस्सों को गर्म रखने के लिए जनरेटर या अन्य हीटिंग गैजेट नहीं खरीद सकता। कई बार, जनरेटर के लिए केरोसिन और पेट्रोल भी आसानी से उपलब्ध नहीं होता है। हाउसबोट मालिकों के मुताबिक, इससे कठोर सर्दियों के दौरान पर्यटकों के लिए आरामदायक प्रवास प्रदान करना बेहद मुश्किल हो जाता है। कश्मीर में कठोर सर्दी के बीच, हाउसबोट मालिक बिजली कटौती की समस्या को हल करने के लिए त्वरित कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डल झील देश और विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनी रहे। हालांकि, पख्तून यह भी कहते हैं कि ऊंचे हवाई किराए ने कश्मीर में पर्यटकों की आमद पर असर डाला है। उनका कहना था कि हम वर्तमान में 25 प्रतिशत बुकिंग देख रहे हैं, जो कम है। भले ही कश्मीर में बर्फबारी हुई हो, लेकिन हवाई किराए में बढ़ोतरी के कारण पर्यटकों की संख्या में थोड़ी कमी आई है। उन्हें आगामी महीनों में पर्यटन में भारी वृद्धि की उम्मीद है।

सोनमर्ग सुरंग के उद्घाटन में सांसद की अनुपस्थिति चर्चा में

सीएम उमर और सांसद रूहुल्लाह के बीच सब ठीक नहीं

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 15 जनवरी। सांसद रूहुल्लाह और उमर अब्दुल्ला के बीच मनमुटाव अब खुलकर सामने आने लगे हैं। सोनमर्ग सुरंग के हाई-प्रोफाइल उद्घाटन में श्रीनगर से नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद सैयद रूहुल्लाह मेहदी की अनुपस्थिति ने इसे स्पष्ट कर दिया है।

कल मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के भरोसेमंद सहयोगी और सलाहकार नासिर असलम वानी को श्रीनगर में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मेहदी की अनुपस्थिति के बारे में पत्रकारों के सवालों का सामना भी करना पड़ा था। वानी ने स्थिति को कमतर आंकने का प्रयास करते हुए कहा था कि कृपया बहुत अधिक अर्थ न निकालें। दक्षिण भारत में उनके पहले से ही कार्यक्रम थे। वह कोच्चि में हैं और इसलिए वह समारोह में शामिल नहीं हो सके। हालांकि, पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मेहदी की अनुपस्थिति परिस्थितिजन्य से अधिक प्रतीकात्मक थी।

नेकां के एक नेता का कहना था कि क्या कोच्चि में कार्यक्रम प्रधानमंत्री की खुद की मौजूदगी वाले कार्यक्रम से अधिक महत्व-पूर्ण था? विशेषकर तब जब एक ऑनलाइन साक्षात्कार में उनकी हालिया आलोचनात्मक टिप्पणियों के बाद मेहदी और पार्टी के बीच मतभेद बढ़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। याद रहे कुछ दिन पहले मेहदी ने दावा किया था कि कश्मीरी उमर अब्दुल्ला द्वारा जम्मू और कश्मीर के लोगों और नेकां के जनादेश से खुद को दूर करने से चिंतित हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अब्दुल्ला को कश्मीर में दिल्ली के प्रतिनिधि के रूप में देखे जाने का जोखिम है। दरअसल 23 दिसंबर, 2024 से तनाव बढ़ रहा है, जब मेहदी ने उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर एक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिसमें एक विवादास्पद आरक्षण नीति का विरोध किया गया, जो ओपन मेरिट छात्रों के लिए नौकरी के अवसरों को कमजोर करती है। विरोध में विपक्षी समूह और छात्र प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि बाद में उमर ने छात्रों से मुलाकात की और उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया, लेकिन एक्स पर उनकी प्रतिक्रिया में मेहदी पर एक सूक्ष्म कटाक्ष था, मैंने उनसे कुछ अनुरोध किए हैं और उन्हें कई आश्वासन दिए हैं। उन्होंने पोस्ट किया था कि संचार का यह चैनल बिना किसी बिचौलिए या पिछलग्गू के खुला रहेगा।

फिर उसके एक दिन बाद, हजरतबल से नेकां विधायक सलमान अली सागर ने विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक विरोधियों का मंच बताया और आरोप लगाया कि मेहदी की भागीदारी ने प्रतिद्वंद्वियों को स्थिति का फायदा उठाने का मौका दिया। जैसे-जैसे नेकां के भीतर तनाव बढ़ रहा है, सवाल बना हुआ है कि क्या दरार खुले संघर्ष में बदल जाएगी या पार्टी के भीतर शांति कायम होगी। फिलहाल, नेकां को कई मोर्चों पर एक कठिन लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें इसका नेतृत्व आंतरिक असंतोष और बाहरी चुनौतियों से जूझ रहा है।

बढ़ते साइबर अपराध को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा किया है। अदालत ने कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन सर्विस (सीएनपी) को लागू करने के लिए ट्राई (टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया) को निर्देश देने की याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने इस मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा कि हम जानते हैं कि साइबर अपराध बड़ा मुद्दा है।

बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर याचिका बेंगलुरु निवासी गौरीशंकर एस ने दाखिल की है। याचिका में साइबर अपराध के बढ़ते खतरे और अनचाहे कॉल की समस्या का जिक्र किया गया है। सीजेआई संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि हम समझते हैं कि समस्या है। केंद्र को जवाब देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम नेटवर्क ऑपरेटरों को सीएनएपी (कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन सर्विस) को लागू करने के निर्देश देने के लिए जनहित याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में भारत में साइबर अपराध धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे और नागरिकों, कानून प्रवर्तन अधिकारियों और अन्य एजेंसियों जैसे आरबीआई, वाणिज्यिक बैंकों आदि पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को बताया गया है।

कहा गया है कि भारत में साइबर अपराध खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जिससे लोगों को भारी वित्तीय नुकसान और परेशानी हो रही है। बताया गया है कि नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग प्रबंधन प्रणाली के अनुसार, साइबर अपराध प्रति माह 488.64 करोड़ रुपये है, जो प्रतिदिन 20 करोड़ से अधिक है।

शिकायतों में वृद्धि, 2023 में प्रतिदिन औसतन 3,100 से बढ़कर जनवरी-2024 में लगभग 7,000 हो गया है। इस मुद्दे की व्यापक प्रकृति को दर्शाता है। ये डेटा बिंदु देश के नागरिकों की सुरक्षा और प्रवर्तन एजेंसियों पर बोझ को कम करने के लिए प्रभावी निवारक उपायों की सख्त आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। जनहित याचिका में कहा गया है कि कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन सेवा या सीएनएपी को (डीओटी) और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा साइबर अपराध के खतरों को रोकने के लिए एक सक्रिय उपाय के रूप में पहचाना गया है। लेकिन ढाई साल से इसे लागू नहीं किया गया है।

कश्मीर का पांचवां खेलो इंडिया विंटर गेम्स

देशभर से 1,000 से अधिक एथलीट शामिल होंगे

जम्मू, 15 जनवरी (ब्यूरो)। कश्मीर में पांचवें खेलो इंडिया विंटर गेम्स की तैयारियां जोरों पर हैं और देशभर से 1,000 से अधिक एथलीटों के इसमें भाग लेने की उम्मीद है। शीतकालीन खेलों और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में 22 से 25 फरवरी तक गुलमर्ग में बर्फ पर आधारित प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि 23 से 27 जनवरी तक लद्दाख में बर्फ पर आधारित प्रतियोगिताएं होंगी।

आयोजन में जुटे अधिकारियों के बकौल, इस आयोजन में अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और स्की माउंटेनियरिंग की प्रतियोगिताएं होंगी, जिसमें भारत भर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीट शामिल होंगे। याद रहे कि 2024 में होने वाले चौथे संस्करण में भी ऐसा ही उत्साह देखा गया था, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में 20 राज्यों ने भाग लिया था, जिससे इस क्षेत्र की इतने बड़े पैमाने पर खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया था।

आगामी कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए, गुलमर्ग के विधायक फारूक अहमद शाह ने व्यवस्थाओं पर भरोसा जताते हुए कहा है कि गुलमर्ग जल्द ही गतिविधियों से गुलजार हो जाएगा, क्योंकि हम देश भर से 1,000 से अधिक एथलीटों का स्वागत करेंगे। यह न केवल खेलों के लिए एक भव्य आयोजन है, बल्कि इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। वे कहते हैं कि तैयारियां पटरी पर हैं और अधिकारी इस आयोजन को सभी के लिए यादगार अनुभव के साथ एक शानदार सफलता बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आलोचकों को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपने नेता पर भरोसा है और जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के दौरान उमर साहब के भाषण की व्यापक रूप से सराहना की गई है। वह सभी के लिए मुख्यमंत्री हैं, जिन्हें लोगों ने चुना है।

विधायक ने जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली की भी उम्मीद जताई, जो इस क्षेत्र के कई लोगों की भावना है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलमर्ग को देश की शीतकालीन खेल की राजधानी घोषित किया, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर इसके बढ़ते महत्व पर जोर देता है।

डल्लेवाल के स्वास्थ्य सुधार दावे पर पंजाब सरकार से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने करीब 50 दिनों से अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के स्वास्थ्य मापदंडों में 'सुधार' के पंजाब सरकार दावे पर बुधवार को नाराजगी जताई और एम्स से राय लेने के लिए उनकी (डल्लेवाल) स्वास्थ्य रिपोर्ट की एक प्रति पेश करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार के दावे पर आश्चर्य जताया कि करीब 50 दिनों से अनशन कर रहे व्यक्ति के स्वास्थ्य मापदंडों में कैसे सुधार हुआ।

पीठ ने पंजाब सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा,ऐसा कैसे हो सकता है...और एक तरफ आप कह रहे हैं कि आपके डॉक्टर वहां (धरना स्थल पर) मौजूद हैं... हम जानना चाहते हैं कि मापदंडों (स्वास्थ्य) में कैसे सुधार हो रहा है।

पीठ की ओर से यह कहने पर कि 'वह (डल्लेवाला) 49 दिनों से अनशन कर रहे हैं, उनके स्वास्थ्य मापदंडों में कैसे सुधार हो रहा है', श्री सिब्बल ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य संबंधी मापदंड स्थिर हैं और उनमें सुधार नहीं हो रहा है। पीठ ने उनसे कहा,पिछली बार जब आपने हमें चार्ट दिया था तो आपका दावा था कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। पीठ को बताया गया कि पंजाब सरकार ने डल्लेवाल की व्यापक चिकित्सा जांच के लिए एक मेडिकल बोर्ड का गठन किया है।

पीठ ने श्री सिब्बल से आगे पूछा,तो, आपके अनुसार, 24 दिसंबर, 2024 को प्लेटलेट्स (जो 2,22,000 थे), अब सुधर कर 2,54,000 हो गए हैं।

पीठ ने किसान नेता की स्वास्थ्य रिपोर्ट का पूरा सेट मांगा। पीठ ने पंजाब सरकार के मुख्य सचिव को डल्लेवाल की जांच रिपोर्ट शीर्ष अदालत की रजिस्ट्रार के पास जमा कराने का निर्देश दिया।

पीठ ने शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार को निर्देश दिया कि वे मेडिकल बोर्ड से डल्लेवाल की जांच रिपोर्ट पर राय लेने के लिए एम्स निदेशक को रिपोर्ट भेजें।

शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2024 और जनवरी 2025 में तीन तारीखों पर लिए गए डल्लेवाल के खून के नमूनों के आधार पर जांच के तुलनात्मक चार्ट का हवाला दिया। पीठ ने अपने आदेश में मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि इन रिपोर्टों का पूरा सेट सौंपने ताकि, एम्स (दिल्ली) को मेडिकल बोर्ड से डल्लेवाल की चिकित्सा/स्वास्थ्य स्थिति पर राय लेने के लिए कहा जा सके।

श्री सिब्बल ने तर्क दिया कि डल्लेवाल को एक अस्थायी अस्पताल में स्थानांतरित करने के संबंध में कुछ प्रगति हुई है, जिसे अब विरोध स्थल से 10 मीटर की दूरी पर स्थापित किया गया है। उन्होंने पीठ को यह भी बताया कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि भी प्रदर्शनकारी किसानों से मिल रहे हैं।

इस पर पीठ ने कहा कि श्री सिब्बल ने कहा है कि कुछ सक्रिय कदम उठाए गए हैं और मामले में प्रगति हुई है।

इसके बाद पीठ ने मामले की आगे की सुनवाई के लिए 22 जनवरी की तारीख मुकर्रर कर दी। गौरतलब है कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) (गैर-राजनीतिक) के संयोजक डल्लेवाल 26 नवंबर, 2024 से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा दी जाने वाली चिकित्सा सहायता से इनकार कर दिया। इसके बाद उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। एसकेएम और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान 13 फरवरी, 2024 से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

आंदोलनकारी किसान अपनी कृषि उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठे हुए हैं।न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी के अलावा, किसानों ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन, कृषि ऋण माफी, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 की बहाली और पिछले आंदोलन के दौरान (वर्ष 2020-21) मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

सात हवाई अड्डों पर फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम का उद्घाटन

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल अहमदाबाद से मुंबई, चेन्नै, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोचीन और अहमदाबाद हवाई अड्डों पर फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम'(एफटीआई- टीटीपी) का उद्घाटन करेंगे।

गृह मंत्री ने पिछले वर्ष 22 जून को यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल-3 से 'फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम की शुरूआत की थी।

फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम विकसित भारत 2047 विजन के तहत एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य यात्रियों को विश्व स्तरीय अप्रवासन सुविधाएं प्रदान कर अंतरराष्ट्रीय यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाना है। शुरु में यह सुविधा भारतीय नागरिकों और ओसीआई कार्डधारकों के लिए नि:शुल्क आरंभ की गई है।

'फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' को देश के 21 प्रमुख हवाईअड्डों पर शुरू किया जाएगा। पहले चरण में इस सुविधा को दिल्ली के अलावा देश के 7 अन्य प्रमुख हवाईअड्डों - मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोच्चि और अहमदाबाद पर शुरू किया जा रहा है।

त्रिपुरा में सीएम, मंत्री और विधायकों की बल्ले-बल्ले

100 फीसदी बढ़ेगा वेतन विधानसभा में प्रस्ताव पारित

अगरतला, 15 जनवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा में मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायकों की बल्ले बल्ले हो गई है। वेतन बढ़ोत्तरी से जुड़ा बिल त्रिपुरा विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित हो गया। इस बिल में मुख्यमंत्री, मंत्रियों, सदन के अध्यक्ष और विधायकों के वेतन, भत्तों और पेंशन में लगभग 100 फीसदी की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव है। विधेयक में मुख्यमंत्री को 97,000 रुपए का मासिक वेतन और 13,000 रुपए का सत्कार भत्ता, जबकि मंत्रियों और विपक्ष के नेता को 12,000 रुपए प्रति माह के भत्ते के साथ 95,000 रुपए वेतन तथा विधायकों को 12,000 रुपए प्रति माह के भत्ते के साथ 93,000 रुपए वेतन देने का प्रावधान किया गया है। राज्य में पहले मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों को 50,000 से 48,000 रुपए तक वेतन मिलता था। संसदीय कार्य मंत्री रतन लाल नाथ ने विधानसभा में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, मुख्य सचेतक और विधायकों के वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभ संशोधन विधेयक 2024 पेश किया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जितेंद्र चौधरी ने विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि विधायकों के वेतन और पेंशन में लगभग 100 फीसदी की बढ़ोतरी शत प्रतिशत उचित नहीं थी। उन्होंने कहा, सांसदों के वेतन और पेंशन में नियमित अंतराल पर बढ़ोतरी करना सामान्य बात है, लेकिन यह प्रक्रिया उचित तरीके से की जानी चाहिए। हालांकि, मैं सांसदों को मिलने वाले वेतन-भत्तों व अन्य सुविधाओं में बढ़ोतरी के खिलाफ नहीं हूं।

कांग्रेस के सीनियर विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल में खामियों की ओर इशारा किया और सुधार के लिए सांसदों के चिकित्सा बिल पर ऊपरी सीमा लागू करने की मांग की। बर्मन ने कहा, बताया जा रहा है कि कुछ विधायक चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल के रूप में हर महीने 25,000 रुपए से 30,000 रुपए हासिल कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि हमारे पास बीमार विधायक हैं। विधायकों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल के संबंध में एक ऊपरी सीमा लागू होनी चाहिए। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री ने विधेयक का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि बढ़ोतरी के बावजूद राज्य के मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों को सबसे कम वेतन और भत्ते मिलेंगे।

उन्होंने कहा, हमने छह साल के अंतराल के बाद अपने विधायकों के लिए संशोधित वेतन, पेंशन और अन्य लाभों का प्रस्ताव रखा है। हमारे मंत्री और विधायक राज्य के विकास में योगदान दे रहे हैं। उन्हें सरकार से समर्थन की जरूरत है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए वेतन और पेंशन में बढ़ोतरी की गई है।

सुपरस्टार अशोक कुमार को देखने के लिए अपनी शादी में राजकपूर की पत्नी ने उठा लिया था घूंघट

नाराज हो गए थे शो मैन, जिंदगी भर नहीं की बात

अशोक कुमार यानी दादामुनी बॉलीवुड के शुरूआती दशक के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक थे। अशोक कुमार ने बतौर हीरो इंडस्ट्री में डेब्यू किया था और लंबे समय तक उन्होंने फिल्मों में काम किया। उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। एक समय में वह बॉलीवुड के सुपरस्टार थे। कहा जाता है कि उस दौर में उनका स्टारडम कुछ ऐसा था कि हर आयु वर्ग के लोग उनके दीवाने थे। आज के समय में जिस तरह लड़कियां शाहरुख- सलमान की दीवानी है, वैसे ही उस दौर में लड़कियां अशोक कुमार की दीवानी हुआ करती थी।

अशोक कुमार का स्टारडम कुछ ऐसा था कि जिसे देख कर राज कपूर भी नाराज हो गए थे। यह किस्सा उनकी शादी का है, जब अशोक कुमार के स्टारडम को देख कर राजकपूर ने इसे अपनी बेइज्जती समझी। अपनी ही शादी में उनकी बेइज्जती करने पर अशोक कुमार को आजीवन उन्होंने माफ नहीं। अपने समय के लोकप्रिय अभिनेता अशोक कुमार को फैंस हिंदी सिनेमा के अब तक के सबसे महान अभिनेताओं में से एक मानते हैं। उन्हें भारतीय सिनेमा के पहले सुपरस्टार और पहले लीड एक्टर के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने एंटी-हीरो की भूमिका निभाने का साहस दिखाया।

अशोक कुमार ने देव आनंद, प्राण, मधुबाला, लता मंगेशकर और कई अन्य सितारों को भी ब्रेक दिया था। वह फिल्मों में हीरो से लेकर, भाई -दोस्त और बाद में पिता के रोल में नजर आए।अशोक कुमार अपने सभी साथी कलाकारों को प्यार करते थे। उन्होंने अपने शानदार करियर में शायद ही कोई फ्लॉप फिल्में दी हों।

इंटरव्यू में अशोक कुमार की बेटी भारती जाफ़री ने बताया था कि असल में राज कपूर और कृष्णा मल्होत्रा की शादी में कुछ ऐसा हुआ था, जिसने राज कपूर को नाराज कर दिया था। जब उनके पिता अशोक कुमार राज और कृष्णा को उनकी खुशहाल शादीशुदा जिंदगी की बधाई देने के लिए स्टेज पर गए थे। भारती ने खुलासा किया था कि जैसे ही उनके पिता राज और कृष्णा के सामने खड़े हुए, खूबसूरत दुल्हन ने अपना घूंघट उठाया और अशोक कुमार को अपने सामने देखकर खुश हो गई। यह कृष्णा के लिए एक अद्भुत क्षण था। इस घटना ने राज कपूर को परेशान कर दिया।

भारती ने कहा था, निश्चित रूप से पापा वहां थे। और जब वह जोड़े को बधाई देने के लिए स्टेज पर गए, तो दुल्हन कृष्णा जी ने खुशी के मारे अपना घूंघट उठा दिया, और बोली।। 'ओह, यह अशोक कुमार हैं। मैं बहुत खुश हूं।' यह राज कपूर को अपना अपमान लगा और अपनी ही शादी में उन्हें अपमानित करने के लिए राज कपूर ने उन्हें कभी माफ नहीं किया।।''अशोक कुमार ने 1935 में शोभा देवी से शादी की थी। यह एक अरेंज मैरिज की थी, जिसे उनके परिवारों ने तय किया था। उनके चार बच्चे हुए, एक बेटा, अरूप गांगुली और तीन बेटियां, भारती पटेल, रूपा वर्मा, प्रीति गांगुली।आपको बता दें कि 10 दिसंबर, 2001 को इस महान अभिनेता का 90 वर्ष की आयु में हार्ट अटैक से निधन हो गया।

रवीना की बेटी राशा ने कलाई में बांधे 11 काले धागे

टोटका या कुछ और? स्टारकिड ने एक-एक का बताया महत्व

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी जल्द अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। राशा की पहली फिल्म 'आजाद' है जो 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में राशा के साथ अजय देवगन के भांजे अमन देवगन लीड रोल में होंगे। राशा इन दिनों जोरों-शोरों से अपने फिल्म के प्रमोशन में जुटी हैं। कुछ दिनों पहले ही उनका गाना 'उई अम्मा' रिलीज हुआ था, जो काफी चर्चा में है। इस गाने को अब तक 34 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। राशा की अपकमिंग फिल्म के साथ ही उनका स्पिरिचुअल साइड भी चर्चा में है। अपने फिल्म प्रमोशन के दौरान राशा अलग-अलग लुक में दिखीं, लेकिन एक चीज हमेशा कॉमन रही और वो थी उनके हाथ में बंधे काले धागे।

राशा थडानी ने हाथ में क्यों बांध रखे हैं काले धागे?

राशा 'आजाद' के प्रमोशन के दौरान सभी जगह हाथ में ढेर सारे काले धागे पहने दिखाई दीं, जिसे कई लोगों ने नोटिस किया। ऐसे में जहां कुछ का कहना था कि स्टारकिड ने नजर से बचने के लिए ये धागे पहने हैं तो किसी ने इसे उनकी अपकमिंग फिल्म से जोड़कर देखा। लेकिन, अब खुद राशा थडानी ने बता दिया है कि उन्होंने हाथ में इतने सारे काले धागे क्यों पहन रखे हैं और इन धागों का क्या महत्व है।

राशा थडानी ने हाथ में बांध रखे हैं इतने धागे

राशा ने फिल्मी ज्ञान के साथ बातचीत के दौरान अपने हाथ में बंधे धागों के बारे में बताया और साथ ही साथ इनकी गिनती भी कर डाली। राशा थडानी ने बताया कि उन्होंने फिलहाल हाथ में 11 धागे बांध रखे हैं, जो 12 ज्योतिर्लिंगों को दर्शाता है। राशा ने कहा- 'मैं अब तक जहां गई हूं, मैंने हर जगह का एक धागा बांधा हुआ है। केदारनाथ, सोमनाथ, रामेश्वरम... इसमें से एक धागा बद्रीनाथ धाम का भी है, हालांकि, वो ज्योतिर्लिंग नहीं है। मैं आखिरी बार काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए गई थी।'

आजाद के ट्रेलर पर कैसा था रवीना टंडन का रिएक्शन?

राशा आगे कहती हैं- 'मैं अब तक 11 ज्योतिर्लिंग जा चुकी हूं। अब बस नागेश्वर जाना बाकि है। मैं उम्मीद करती हूं कि इस साल मैं जरूर वहां जाऊंगी। मैं शिवजी की बहुत बड़ी भक्त हूं।' इसके बाद राशा ने आजाद के ट्रेलर पर मां रवीना टंडन के रिएक्शन का भी खुलासा किया। राशा ने बताया कि उनकी मां यानी रवीना टंडन 'आजाद' को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। वह हमेशा उनके साथ रहती हैं, लेकिन कभी उन्हें कॉम्पलीमेंट नहीं दिया और ना ही कहा कि वह उन पर प्राउड फील करती हैं। बता दें, आजाद 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो राशा थडानी और अमन देवगन की डेब्यू फिल्म है।

गेम चेंजर पर भारी पड़ी डाकू महाराज ?

विलेन बन बॉबी ने उड़ाया गर्दा

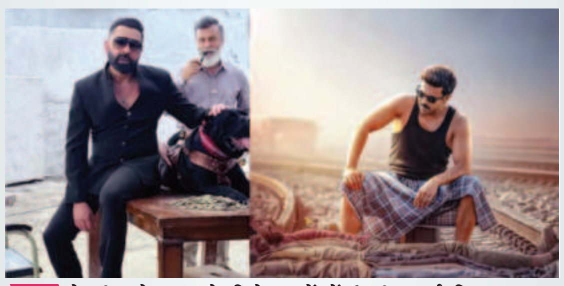

बीते तीन रोज पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'डाकू महाराज' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। 64 साल के हीरो 'नंदामुरी बालकृष्ण' की ये फिल्म रामचरण तेजा की फिल्म 'गेम चेंजर' पर भारी पड़ रही है। डाकू महाराज ने 3 दिनों में 50 करोड़ रुपयों से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म में बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल भी विलेन बनकर गर्दा उड़ा रहे हैं। बॉबी देओल का भले ही इस फिल्म में छोटा किरदार है लेकिन धमाकेदार है। बॉबी देओल को भी लोगों ने इस फिल्म में खूब पसंद किया है।

बता दें कि रामचरण तेजा की फिल्म गेम चेंजर भी 10 जनवरी को रिलीज हुई थी। फिल्म ने 5 दिनों में 106 करोड़ रुपयों की कमाई कर ली है। सेकनिल्क वेबसाइट के मुताबिक गेम चेंजर ने पहले दिन 51 करोड़ रुपयों की ओपनिंग की थी। इसके बाद अगले दिन 21 करोड़ कमाए और दिन पर दिन इसका कलेक्शन घटता गया है। अब तक फिल्म ने 5 दिनों में 106 करोड़ रुपयों का कलेक्शन कर लिया है। हालांकि इस फिल्म की कमाई की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक काफी कम रही है। राम चरण तेजा साउथ सिनेमा के सुपरस्टार हैं और उनकी फिल्म से बड़ी उम्मीदें थीं। ये फिल्म एक बड़े बजट में बनी थी और काफी उम्मीदें भी दर्शकों को थीं। हालांकि इस फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कोई खास असर नहीं छोड़ा है।

बता दें कि 64 साल के हीरो 'नंदामुरी बालकृष्ण' की फिल्म डाकू महाराज ने 3 दिनों में 50 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कमाई कर ली है। फिल्म में नंदामुरी की एक्टिंग की भी जमकर तारीफ की जा रही है। फिल्म में बॉबी देओल भी अहम किरदार निभाते नजर आ रहे है। बॉबी देओल को भी इस किरदार के लिए खूब तारीफें मिल रही हैं। इस फिल्म के कलेक्शन ने अब तक लोगों को प्रभावित किया है।

इन 5 सितारों ने भी बॉलीवुड छोड़ पकड़ी संन्यास की राह

बॉलीवुड में करियर बनाने का सपना लेकर हर रोज जाने कितने ही कलाकार मुंबई पहुंचते हैं, लेकिन इस इंडस्ट्री में पहचान बनाने में कुछ को ही कामयाबी मिलती है। एक तरफ कुछ ऐसे स्टार हैं जो स्टारडम के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, इनमें से कुछ सफल होते हैं तो कुछ बस एड़िया रगड़ते रह जाते हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल पाती। दूसरी तरफ मनोरंजन जगत में कुछ ऐसे भी सितारे हैं, जिन्होंने जबरदस्त सफलता हासिल करने के बाद ऐसा फैसला लिया, जिसने सबको चौंका दिया। इन सितारों ने सफलता की बुलंदियों पर पहुंचने के बाद एक्टिंग से दूरी बना ली और संन्यास की राह पकड़ ली।

ओशो की शरण में पहुंच गए थे विनोद खन्ना

विनोद खन्ना 70 के दशक के सबसे सफल और हैंडसम अभिनेताओं में से थे, उन्होंने अपने करियर में कई सपरहिट फिल्में दीं। एक समय था जब उन्हें अमिताभ बच्चन के लिए बड़ी चुनौती माना जाने लगा था। उनकी फैन फॉलोइंग दिन पर दिन बढ़ती जा ही थी, इसी बीच विनोद खन्ना ने सबसे हैरानी भरा फैसला लिया। अपने करियर के पीक पर एक्टिंग छोड़ उन्होंने संन्यास ले लिया। अपने करियर की बुलंदियों पर होते हुए वह ओशो की शरण में जा पहुंचे और उनके इस फैसले ने उनके फैंस को तगड़ा झटका दिया था।

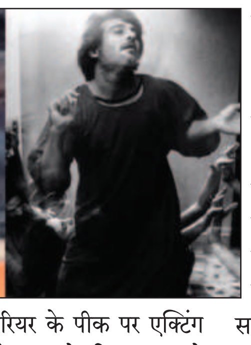

अनघा भोसले को रास आई कृष्ण भक्ति

रुपाली गांगुली के 'अनुपमा' में नंदिनी के रोल से घर-घर में मशहूर हुई अनघा भोसले ने मात्र 23 साल की उम्र में एक्टिंग छोड़कर भक्ति की राह पकड़ ली। अनघा ने बीच में ही सीरियल छोड़ दिया और अपने संन्यासिन बनने का ऐलान करके सबको हैरानी में डाल दिया।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और बताया कि अब वह अपने धर्म के रास्ते पर चलना चाहती हैं और उनके लिए कर्म ही सबसे बड़ी पूजा है। इसी के साथ उनका कहना था कि वह अब ऐसी जगह काम नहीं करना चाहतीं, जहां ऐसी प्रतिस्पर्धा हो जो उनकी मान्यताओं को हर घड़ी आघात लगती है।

नुपुर अलंकार भी भक्ति में हुईं लीन

'दीया और बाती हम' फेम नुपुर अलंकार भी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो ग्लैमर की चमचमाती दुनिया से दूरी बना चुकी हैं। उन्होंने अपने 27 साल के एक्टिंग करियर को छोड़ आध्यात्म का रुख किया और संन्यासिन बन गईं। उन्होंने साल 2023 में एक सोशल मीडिया पोस्ट के साथ अपने संन्यास लेने का ऐलान किया था।

छोड़ा ग्लैमर इंडस्ट्री का मोह, अब साध्वी बन ऐसी जिंदगी गुजार रही ब्यूटी क्वीन इशिका तनेजा

इन दिनों कई सितारे बॉलीवुड की चमक-दमक से दूरी बना ले रहे हैं। ये सितारे अपनी अलग राह चुन रहे हैं। इन्हें फिल्मी दुनिया का ग्लैमर रास नहीं आ रहा और ये भगवान की भक्ति में डूबने का फैसला कर रहे हैं। आज हम ऐसी ही एक एक्ट्रेस के बारे में बताएंगे, जो अपनी खूबसूरती के चलते चर्चा में आईं। कई ब्यूटी पेजेंट अपने नाम किए, बॉलीवुड फिल्मों में भी अदाएं दिखाईं, लेकिन अब नेम-फेम छोड़ जिंदगी को नई दिशा दे दी है। ये एक्ट्रेस पूरी तरह से अब संन्यासी बन गई हैं और रंगीन जिंदगी छोड़ सादगी से जीवन गुजार रही हैं। अब ये एक्ट्रेस कौन हैं, चलिए आपको बताते हैं।

अब बनीं साध्वी -पूर्व मिस वर्ल्ड टूरिज्म और एक्ट्रेस इशिका तनेजा ने शोबिज की चमक-दमक को पीछे छोड़ दिया है। मोह-माया की दुनिया से आगे बढ़कर उन्होंने त्याग और तप को अपना लिया है। आध्यात्मिक मार्ग पर अब इशिका तनेजा चल पड़ी हैं। बीते हफ्ते ही उन्होंने मध्य प्रदेश के जबलपुर में शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज के मार्गदर्शन में गुरु दीक्षा ली है। अपने फैसले पर उन्होंने कहा कि आज के युवाओं की धर्म की राह पर चलना चाहिए। इस रास्ते को खुद चुनने के बाद वो युवाओं से भी ऐसा ही करने का आग्रह कर रही हैं। ग्लैमरस तस्वीरों से भरा उनका सोशल मीडिया अब धार्मिक दृष्टिकोण स्थापित कर रहा है।

जीते ये खिताब- इशिका तनेजा साल 2017 में मिस वर्ल्ड टूरिज्म का खिताब अपने नाम की थी। मलेशिया के मेलाका में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान बिजनेस वूमन ऑफ द वर्ल्ड खिताब भी उन्होंने जीता। भारत की 100 सफल महिलाओं में से एक के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार भी इशिका हासिल कर चुकी हैं। इन सफलताओं के बावजूद उन्होंने आध्यात्म की ओर बढ़ने का फैसला किया। सुंदरता और ग्लैमर की दुनिया छोड़ अब वो पूरी तरह से भगवान को समर्पित हो गई हैं। रंगीन कपड़ों में नजर आने वाली इशिका अब भगवा कपड़े ही पहनती हैं।

ऐश्वर्या-सुष्मिता को टक्कर देने वाली अक्षय की हीरोइन बरखा मदान

चली धर्म के राह पर

बनी भिक्षुणी मुंडवाया सिर

बॉलीवुड में कई एक्ट्रेस आईं और चली गईं। इनमें से कुछ ही एक्ट्रेस का करियर बन पाया। फिल्म इंडस्ट्री में वैसे भी एक्ट्रेस का करियर ज्यादा लंबा नहीं होता है। साल दर साल कई नई-नई एक्ट्रेस आती हैं और फ्लॉप होकर घर बैठ जाती हैं। दर्शकों को लुभाने के लिए अधेड़ उम्र के एक्टर के सामने उसकी आधी से भी कम उम्र की एक्ट्रेस को हीरोइन बनाया जाता रहा है। करियर खास ना होने की वजह से कई एक्ट्रेस ने शोबिज ही छोड़ दिया है और शादी कर घर बसा लिया है। इनमें से कुछ एक्ट्रेस ऐसी भी हैं, जो साध्वी बन गई हैं। बात करेंगे एक पूर्व एक्ट्रेस की जो अब साध्वी बन चुकी है। यह पूर्व एक्ट्रेस ब्यूटी पेजेंट मिस इंडिया में भाग ले चुकी हैं।

कौन है ये एक्ट्रेस?

हम बात कर रहे हैं पूर्व एक्ट्रेस बरखा मदान की, जो ऐश्वर्या राय और सुष्मिता सेन की तरह ब्यूटी पेजेंट में भाग ले चुकी हैं। बता दें, बरखा मदान मिस टूरिज्म इंडिया का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। साथ ही बरखा ने मलेशिया में हुईं मिस टूरिज्म इंटरनेशनल प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया था। यहां, बरखा थर्ड रनर अप बनी थी। बता दें, बरखा मदान ने साल 1996 में अक्षय कुमार स्टारर फिल्म खिलाड़ियों का खिलाड़ी से बॉलीवुड डेब्यू किया था। अक्षय कुमार की यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। वहीं, बरखा ने बॉलीवुड में खास प्रोजेक्ट को हाथ ही लगाया। बरखा साल 2003 में सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म भूत में नजर आई थीं।

साध्वी क्यों बनी एक्ट्रेस?

वहीं, जब बरखा की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फेल साबित हुईं, तो एक्ट्रेस का फिल्मों से लगाव कम होने लगा। सुर्खाब और सोच लो जैसी फिल्में फ्लॉप होने के बाद एक्ट्रेस ने साल 2012 में शोबिज छोड़ने का फैसला लिया। वह अब एक मोंक बन गईं और ग्यालटेन समटेन का नाम अपना लिया है। आज बरखा मदान 14वें दलाई लामा तेनजिन गोस्टो की अनुयायी हैं। इसी के साथ बरखा सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव हैं। बरखा सोशल मीडिया पर अपनी साध्वी लाइफ को शेयर कर रहती हैं।

माघ मास आरंभ

- 12 फरवरी तक रहेगा पुण्य देने वाला माघ मास
- स्नान-दान से मिलता है कई यज्ञ करने जितना पुण्य

हिंदी पंचांग का 11वां महीना माघ 14 जनवरी से शुरु हो रहा है और 12 फरवरी तक रहेगा। ये महीना धर्म-कर्म के नजरिए से बहुत खास है। इस महीने में किए गए पूजन, तीर्थ दर्शन और नदी स्नान से धर्म लाभ के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। इस महीने में तिल-गुड़ का सेवन खासतौर पर करना चाहिए। माघ मास में प्रयाग राज में स्नान करने का महत्व काफी अधिक है। जो लोग इस माह में प्रयाग में स्नान करते हैं, उन्हें अश्वमेघ यज्ञ के समान पुण्य फल मिलता है। इस शुभ काम से भगवान विष्णु की भी विशेष कृपा मिलती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि माघ मास में नदी स्नान करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। इस महीने में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने और नदी में नहाने का महत्व बताया गया है। इस पवित्र महीने के दौरान नदियों में नहाने से ही पुण्य मिल जाता है। क्योंकि पुराणों में कहा गया है कि माघ महीने के दौरान गंगाजल में भगवान विष्णु का कुछ अंश रहता है। वैसे तो पूरे साल में किसी भी दिन गंगा स्नान करना शुभ ही होता है, लेकिन माघ महीने में इसका महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है। इस पवित्र महीने में गंगा का नाम लेकर नहाने से गंगा स्नान का फल मिलता है। इस महीने में प्रयाग, काशी, नैमिषारण्य, कुरुक्षेत्र, हरिद्वार या अन्य पवित्र तीर्थों और नदियों में स्नान का बहुत महत्व है।यह महीना पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य और सेहत सुधारने का समय है। इन दिनों में जीवन शैली में किए गए बदलाव से सकारात्मक फल मिलते हैं। माघ मास में तीर्थ दर्शन के साथ ही नदियों में स्नान करने की परंपरा है। अगर नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो अपने घर पर ही पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। ऐसा करने से भी नदी स्नान के समान पुण्य मिल सकता है।

घर पर गंगाजल से स्नान करने के बाद सूर्य को अर्घ्य जरूर चढ़ाएं। ध्यान रखें अर्घ्य देने के लिए ऐसी जगह का चयन करें, जहां सूर्य को चढ़ाया हुआ जल पर किसी के पैर न लगे। इसके बाद घर के मंदिर में अपने इष्टदेव की पूजा करें, मंत्र जप करें।

माघ माह व्रत-त्यौहार

✻ 17 जनवरी 2025-17 जनवरी को सकट चौथ और लंबोदर संकष्टी चतुर्थी है। महिलाएं इस दिन संतान की लंबी आयु और खुशहाल जीवन के लिए निर्जला व्रत रखती हैं और गणेशजी की पूजा करती है।

✻ 21 जनवरी 2025-21 जनवरी को कालाष्टमी है। यह दिन भैरव बाबा की पूजा-आराधना के लिए समर्पित माना जाता है।

✻ 25 जनवरी 2025-25 जनवरी को माघ महीने की कृष्ण पक्ष की एकादशी है। इस दिन षटतिला एकादशी व्रत रखा जाता है और विष्णुजी की पूजा-अर्चना की जाती है।

✻ 27 जनवरी 2025- जनवरी माह का दूसरा प्रदोष 27 जनवरी 2025 दिन सोमवार को रखा जाएगा। इसलिए इसे प्रदोष व्रत कहा जाएगा।

✻ 29 जनवरी 2025- माघ महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 29 जनवरी 2025 को है। माघ महीने की अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाता है।

✻ 30 जनवरी 2025- 30 जनवरी से माघ महीने की गुप्त नवरात्रि की शुरुआत होगी।

✻ 01 फरवरी 2025-01 फरवरी को विनायक चतुर्थी व्रत रखा जाएगा। यह दिन गणेशजी की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित माना जाता है।

✻ 02 फरवरी 2025-02 फरवरी को बसंत पंचमी है। बसंत पंचमी का दिन मां सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए शुभ माना जाता है।

✻ 08 फरवरी 2025-08 फरवरी 2025 को जया एकादशी व्रत है। इस दिन विष्णुजी की पूजा-आराधना की जाती है। मान्यता है कि एकादशी व्रत रखने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियों का वास होता है।

✻ 09 फरवरी 2025-09 फरवरी 2025 दिन रविवार के दिन प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इस दिन भगवान भोलेनाथ की पूजा की जाती है। रविवार पड़ने के कारण इसे रवि प्रदोष व्रत कहा जाएगा।

✻ 12 फरवरी 2025-12 फरवरी को माघ महीने की पूर्णिमा तिथि है। इस दिन स्नान-दान और माघी पूर्णिमा का व्रत रखा जाता है।

करें शुभ काम

माघ महीने में श्रीमद् भगवद् गीता और रामायण का पाठ करना चाहिए। इस माह में रोज सुबह स्नान के बाद घर के मंदिर में धूप-दीप जलाएं, पूजा करें। ग्रंथों का पाठ करें। मंत्र जप करें। माघ माह में प्रयाग में स्नान करने नहीं जा पा रहे हैं तो अपने शहर में या शहर के आसपास किसी नदी में स्नान कर सकते हैं। इस महीने में प्रयागराज के साथ ही हरिद्वार, काशी, मथुरा, उज्जैन जैसे धार्मिक शहरों में काफी भक्त पहुंचते हैं। इस माह में तीर्थ दर्शन करने की भी परंपरा है। किसी ज्योतिर्लिंग, शक्तिपीठ, चारधाम या किसी अन्य प्राचीन मंदिर में दर्शन किए जा सकते हैं। पूजा-पाठ के साथ ही इस महीने में जरूरतमंद लोगों को धन और अनाज का दान जरूर करें। अभी ठंड का समय है तो इन दिनों में कंबल, तिल-गुड़ का दान जरूर करें। किसी गौशाला में पैसों के साथ ही हरी घास भी दान करनी चाहिए। इस माह में रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। भगवान गणेश, विष्णु जी, श्रीकृष्ण, शिवजी, देवी मां की पूजा करें।

पुराणों में महत्व

पद्म, स्कंद और ब्रह्मवैवर्त पुराण में बताया गया है कि माघ महीने में जब सूर्य मकर राशि में होता है तब सुबह जल्दी उठकर पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। महाभारत और अन्य ग्रंथों में भी इस हिंदी महीने का महत्व बताया गया है। महाभारत के अनुशासन पर्व में कहा गया है कि जो माघ महीने में नियम से एक समय भोजन करता है, वो धनवान कुल में जन्म लेकर अपने कुटुम्बीजनों में महत्व को प्राप्त होता है। इसी अध्याय में कहा गया है कि माघ महीने की द्वादशी तिथि को दिन-रात उपवास करके भगवान माधव की पूजा करने से उपासक को राजसूय यज्ञ का फल मिलता है और वो अपने कुल का उद्धार करता है।

सुख-सौभाग्य और मोक्ष देने वाला महीना

माघ मास में हर दिन प्रयाग संगम पर नहाने से सुख, सौभाग्य, धन और संतान प्राप्ति होती है और मृत्यु के बाद मोक्ष भी मिल जाता है। भगवान विष्णु का धाम मिलता है। पूरे माघ महीने में प्रयागराज के संगम में नहाने से कई यज्ञों को करने जितना पुण्य भी मिलता है। साथ ही सोना, भूमि और गौदान करने का पुण्य भी माघ मास में तीर्थ स्नान करने से मिलता है। सूर्योदय से पहले गंगा में स्नान करने के बाद पूजा और सूर्यदेव को अर्घ्य देना चाहिए। अगर गंगा स्नान के लिए जाना संभव न हो तो घर में नहाने के पानी में गंगाजल की कुछ बूंदें मिलाकर भी कर सकते हैं। इसके बाद पूजा-पाठ करके साधु-संतों और जरूरमंतों को दान देना चाहिए। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुए पापों से मुक्ति मिलती है। इससे हमारे भाग्य के द्वार खुलते हैं।

श्रीकृष्ण पूजा

धर्म ग्रंथों के मुताबिक, इस महीने में भगवान कृष्ण की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। माघ में श्रीकृष्ण की पूजा से पहले सुबह तिल, जल, फूल और कुश लेकर पूजा का संकल्प लेना चाहिए। फिर श्रीकृष्ण की प्रार्थना और पूजा करें। घर में शुद्धता से बने पकवानों का भोग लगाएं। उसमें तुलसी के पत्ते जरूर डालें। माना जाता है इस तरह पूरे महीने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से हर तरह की परेशानियां दूर होती हैं और घर में सुख-समृद्धि रहती है।

व्रत और पूजा

माघ महीने में भगवान विष्णु के वासुदेव रूप की पूजा की जाती है। साथ ही उगते हुए सूरज को अर्घ्य देना चाहिए। इस महीने सूर्य के त्वष्टा रूप की पूजा करनी चाहिए। पुराणों में बताया गया है कि इस महीने में भगवान कृष्ण और शिवजी की पूजा भी करनी चाहिए। शिव पूजा में तिल के तेल का दीपक लगाने से शारीरिक परेशानियां नहीं होती। धर्म ग्रंथों में कहा गया है कि माघ महीने के दौरान मंगल और गुरुवार का व्रत करने का विशेष फल मिलता है।

स्नान-दान

महाभारत और अन्य पुराणों में कहा गया है कि इस महीने में सूर्योदय से पहले उठकर गंगा या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। लेकिन महामारी के दौर को देखते हुए विद्वानों का कहना है कि ऐसा न हो पाए तो घर पर ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदे डालकर नहाने से तीर्थ स्नान का पुण्य मिल जाता है। साथ ही पानी में तिल डालकर नहाना चाहिए। इससे कई जन्मों के पाप खत्म होते हैं। इस महीने तांबे के बर्तन में तिल भरकर दान करना चाहिए।

महाभारत में माघ का महत्व

महाभारत और अन्य ग्रंथों में माघ मास के महत्व के बारे में बताया गया है। महाभारत के अनुशासन पर्व के अनुसार जो माघ मास में नियम से एक वक्त खाना खाता है, वो धनवान कुल में जन्म लेकर अपने परिवार में महत्वपूर्ण होता है। इसी अध्याय में कहा गया है कि माघ मास की द्वादशी तिथि को दिन-रात उपवास करके भगवान माधव की पूजा करने से उपासक को राजसूय यज्ञ का फल प्राप्त होता है और वह अपने कुल का उद्धार करता है।

माघ मास की कथा

प्राचीन काल में नर्मदा किनारे सुव्रत नाम का ब्राह्मण रहता था। वो वेद, धर्मशास्त्रों और पुराणों के जानकार थे। कई देशों की भाषाएं और लिपियां भी जानते थे। इतने विद्वान होते उन्होंने अपने ज्ञान का उपयोग धर्म के कामों में नहीं किया। पूरा जीवन केवल धन कमाने में ही गवां दिया। जब वो बूढ़े हुए तो याद आया कि मैंने धन तो बहुत कमाया, लेकिन परलोक सुधारने वाला कोई काम नहीं किया। ये सोचकर दुखी होने लगे। उसी रात चोरों ने उनका धन चुरा लिया, लेकिन सुव्रत को इसका दु:ख नहीं हुआ क्योंकि वो तो परमात्मा को पाने का उपाय सोच रहे थे। तभी सुव्रत को एक श्लोक याद आया-

माघे निमग्ना: सलिले सुशीते विमुक्तपापास्त्रिदिवं प्रयान्ति।

उनको अपने उद्धार का मूल मंत्र मिल गया। फिर उन्होंने माघ स्नान का संकल्प लिया और नौ दिनों तक सुबह जल्दी नर्मदा के पानी में स्नान किया। दसवें दिन नहाने के बाद उन्होंने अपना शरीर त्याग दिया। सुव्रत ने जीवन भर कोई अच्छा काम नहीं किया था, लेकिन माघ में स्नान के बाद उनका मन निर्मल हो चुका था। जब उन्होंने प्राण त्यागे तो उन्हें लेने दिव्य विमान आया। उस पर बैठकर वो स्वर्ग चले गए।

माघ महीने के नियम

इस माह में आपको प्रत्येक दिन स्नान करना चाहिए। स्नान के पानी में आप काला तिल मिलाकर कर स्नान करें।

इस पूरे माह में आप एक समय ही भोजन करें। सात्विक भोजन करें।

माघ माह में तिल का उबटन, तिल मिश्रित जल से स्नान, तिलों से पितृ तर्पण, तिल का हवन, तिल का दान और तिल से बनी हुई सामग्री का भोजन करने से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होता है।

माघ माह में रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करनी चाहिए। साथ ही इस मास में तिल, गुड़ और कंबल के दान का खास महत्त्व माना जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

संपादकीय

दैवीय भी है महाकुंभ

बहुत लंबे 144 सालों के बाद प्रयागराज में महाकुंभ का आरंभ हुआ है। पहले ही दिन, 13 जनवरी को लोहड़ी पर्व पर, करीब 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। यह विश्व कीर्तिमान है। पावन 'मकर संक्रान्ति' के दिन अमृत, शाही स्नान साधु-संतों और नागा संन्यासियों ने किया। यह आदि शंकराचार्य की देन है, जिन्होंने सनातन धर्म के लिए साधु-संतों को एकीकृत कर अखाड़े बनाए। आज हमारे यहां 13 अखाड़े सक्रिय हैं। उनका अपना आध्यात्मिक, वैचारिक दर्शन और कर्मकांड हैं, लेकिन उनकी आत्मा में सनातन बसा है। वे सभी सनातनी आस्था के पैरोकार और प्रवक्ता हैं। वे शैव, वैष्णव, उदासीन, महानिर्वाणी, निर्मल नामधारी अखाड़े हो सकते हैं, लेकिन उनकी जुबां से 'हर-हर गंगे', 'हर-हर महादेव', 'जय श्रीराम' के उद्घोष ही गूंजते हैं। नागा संन्यासियों के भस्म-श्रृंगार को देखकर तो महादेव के शिवगण याद आने लगते हैं। महाकुंभ मौजूदा ब्रह्मांड का सबसे बड़ा और व्यापक, व्यवस्थित आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, बहुराष्ट्रीय, बहुनस्लीय, बहुभाषीय, दैवीय जन-समागम है। अनुमान है कि 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु 'आस्था के स्नान' में शामिल हो सकते हैं। यह आंकड़ा अमरीका की कुल आबादी से भी बहुत ज्यादा है, लिहाजा श्रद्धालुओं के लिए चौतरफा व्यवस्थाएं की गई हैं। केंद्र और उप्र सरकार का 15,000 करोड़ रुपए का बजट खर्च हो सकता है, लेकिन कंपनियां अभी तक 3000 करोड़ रुपए अपने ब्रांड की उपस्थिति पर खर्च करने की घोषणाएं कर चुकी हैं। यह आयोजन हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में भी सहायक साबित होगा। यदि दुनिया को किसी समारोह के आयोजन का सफल प्रबंधन, करोड़ों की भीड़ का मानवीय प्रबंधन और चाक-चौबंद सुरक्षा-व्यवस्था का पाठ पढना हो, तो प्रयागराज महाकुंभ का अध्ययन करना चाहिए। कुछ श्रद्धालुओं को दिल का दौरा पड़ गया था। वे सभी स्वस्थ हैं और अस्पताल में उनका तुरंत इलाज किया गया है। इसी तरह कुछ श्रद्धालु अपने परिजनों से बिछुड़ गए थे, अंततः उन्हें मिला दिया गया। ये आयोजन की सफलताएं ही हैं। सरकार ने चप्पे-चप्पे पर 45,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए हैं। शीर्ष अधिकारी भी ड्यूटी पर हैं। सतत निगरानी और चौकसी के लिए करीब 3000 सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क, नियंत्रण-कक्ष तैयार किया गया है। कल्पना करें कि करोड़ों श्रद्धालु दुनिया भर से आ रहे हैं, लेकिन किसी भी भगदड़ की गुंजाइश नहीं है। हम 1954 की त्रासद घटना से सबक सीख कर बहुत आगे बढ़ चुके हैं। इस बार 450 किलोमीटर की लंबाई जैसी सडक़ें बनाई गई हैं। स्नान के अलग-अलग रूट तय किए गए हैं। शौचालयों की संख्या भी 1.5 लाख बताई गई है। तैरने वाले पुल भी बनाए गए हैं। दरअसल यह अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय जन-सैलाब का आध्यात्मिक, सांस्कृतिक आयोजन है, जिसका इतिहास और अतीत दैवीय भी है। महाकुंभ से देवराज इंद्र के पुत्र जयंत की अमृत-कलश सुरक्षित ले जाने और अमृत की कुछ बूंदें प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक में छलक जाने की कहानी सर्वविदित है। कुंभ के आयोजन इन्हीं चार स्थलों पर होते रहे हैं, लेकिन महादेव द्वारा पुणे के पास सह्याद्रि पर्वत पर 'भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग' की स्थापना का प्रकरण भी महाकुंभ से जुड़ा है। भीमा एक असुर था। माता पार्वती को मुक्त कराने के संदर्भ में महादेव को भीमासुर के साथ युद्ध करना पड़ा। युद्ध के कारण वह सुंदरवन आग की लपटों में घिर गया। पशु-पक्षी और जानवर जान बचाने के लिए बेतहाशा भागने लगे। तब एक वृद्धा देवी ने कुपित होकर वहां उपस्थित ब्रह्मा, विष्णु, इंद्र, गणेश, नंदी और शिवगणों को श्राप दिया था। उन सभी के शरीर पर फफोले उभर आए थे। तब महादेव ने प्रयागराज में महाकुंभ के संगम स्नान का सुझाव दिया था।

1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। यह विश्व कीर्तिमान है। पावन 'मकर संक्रान्ति' के दिन अमृत, शाही स्नान साधु-संतों और नागा संन्यासियों ने किया। यह आदि शंकराचार्य की देन है, जिन्होंने सनातन धर्म के लिए साधु-संतों को एकीकृत कर अखाड़े बनाए। आज हमारे यहां 13 अखाड़े सक्रिय हैं। उनका अपना आध्यात्मिक, वैचारिक दर्शन और कर्मकांड हैं, लेकिन उनकी आत्मा में सनातन बसा है। वे सभी सनातनी आस्था के पैरोकार और प्रवक्ता हैं। वे शैव, वैष्णव, उदासीन, महानिर्वाणी, निर्मल नामधारी अखाड़े हो सकते हैं, लेकिन उनकी जुबां से 'हर-हर गंगे', 'हर-हर महादेव', 'जय श्रीराम' के उद्घोष ही गूंजते हैं। नागा संन्यासियों के भस्म-श्रृंगार को देखकर तो महादेव के शिवगण याद आने लगते हैं। महाकुंभ मौजूदा ब्रह्मांड का सबसे बड़ा और व्यापक, व्यवस्थित आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, बहुराष्ट्रीय, बहुनस्लीय, बहुभाषीय, दैवीय जन-समागम है। अनुमान है कि 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु 'आस्था के स्नान' में शामिल हो सकते हैं।

मौसम विभाग के अनुसार यह तूफान बीते एक दशक का सबसे खतरनाक तूफान है

क्या हैं लॉस एंजेलिस की भयावह आग के संकेत ?

निर्मल रानी

विश्व का सर्व शक्तिशाली देश अमेरिका इन दिनों गोया प्राकृतिक प्रलय की चपेट में है। एक ओर तो मध्य अमेरिका में आये भीषण बर्फ़ीले तूफ़ान से क़रीब 6 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। कई प्रांतों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार यह तूफ़ान बीते एक दशक का सबसे ख़तरनाक तूफ़ान है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कंसास और मिसौरी से लेकर न्यू जर्सी तक बर्फ़ीले तूफ़ान की चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'इस क्षेत्र के उन स्थानों पर जहां सबसे अधिक बर्फ़बारी होती है, वहां कम से कम एक दशक की सबसे भारी बर्फ़बारी हो सकती है।' जहाँ इस बर्फ़ीले तूफ़ान ने मध्य अमेरिका में कई राज्यों में जन जीवन अस्त व्यस्त किया वहीँ पिछले कई दिनों से लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी आग अभी तक पूरी तरह बेक़ाबू बनी हुई है। आग की लपटों की भयावहता को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है और अनेक लोग लापता हैं। हज़ारों एकड़ के इलाक़े में फैली इस भयानक आग के कारण लाखों लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा है। इस आग से यहां के हज़ारों आलीशान मकान और लाखों बेशक़ीमती गाड़ियां जलकर राख हो चुकी है। जिन लोगों के घर इस आग में तबाह हुए हैं उनमें अनेक विशिष्ट लोग व सेलिब्रिटीज़ भी शामिल हैं। इस आग के चलते अब तक अरबों डॉलर की संपत्ति का नुक़सान हो चुका है। एक निजी कंपनी द्वारा आग की वजह से अब तक क़रीब 250 अरब अमेरिकी डॉलर के आर्थिक नुक़सान का अनुमान लगाया है। प्राकृतिक आपदाओं में पूरे विश्व को बढ़चढ़कर सहायता पहुँचाने वाला अमेरिका लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी आग को बुझा पाने में पूरी तरह असमर्थ साबित हुआ है। जिसका सबसे बड़ा कारण यह बताया जा रहा है कि जंगल की इस आग को विस्तार देने में उन प्रकृतिक तेज़ हवाओं की सबसे बड़ी भूमिका है जो 100 से लेकर 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से इन इलाक़ों में चल रही हैं। इस आग में हॉलीवुड फ़िल्म इंडस्ट्री का काफ़ी बड़ा इलाक़ा और इससे जुड़े कई ऐतिहासिक स्मारक भी जलकर राख हो चुके हैं। आग बुझाने के लिये कहीं पानी की कमी है तो कहीं पानी गिराने वाले विमानों की संख्या कम है। अमेरिकी फ़ायर फ़ाइटर्स

स्वयं को असहाय महसूस कर रहे हैं। यह आग मानवता पर कितना बड़ा प्रकृतिक संकट है इसका अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अमेरिका का सबसे बड़ा विरोधी देश ईरान भी ऐसे संकट में अमेरिका की मदद की पेशकश कर रहा है। ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी के प्रमुख पीर हुसैन कोलीवंद ने अमेरिकी रेड क्रॉस के सीईओ क्लिफ़ होल्ज़ को इस संबंध में संदेश भेजा है। जिसमें उन्होंने आग से हुए नुक़सान पर दुख जताते हुए इसे एक बड़ी त्रासदी बताया है। कोलीवंद ने कहा कि इस आपदा में हम अमेरिका की हर संभव मदद के लिए तैयार हैं। ग़ौरतलब है कि दोनों देशों के काफ़ी लंबे समय से तनावपूर्ण रिश्ते हैं। परन्तु ईरान ने आग की भयावहता को देखते हुए दुश्मनी को भूलकर मदद का हाथ बढ़ाया है। ज़ाहिर है कि विश्व के अब तक के सबसे भयानक व सबसे अधिक नुक़सान पहुँचाने वाले इस अग्निकांड ने फिर उन्हीं सवालों पर बहस छेड़ दी है जिसकी चर्चा गत तीन दशकों से विश्वव्यापी स्तर पर की जा रही है। सवाल उठने लगा है कि क्या यह सब ग्लोबल वार्मिंग का ही नतीजा है या कुछ और ? हालांकि लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी इस आग के बारे में एक ख़बर यह भी है कि यह किन्हीं शरारती तत्वों द्वारा लगाई गयी आग है। अमेरिकी पुलिस ने इस संदेह में कुछ गिरफ़्तारियां भी की हैं परन्तु यह बात पूरे दावे से इसलिए भी नहीं कही जा सकती क्योंकि इस इलाक़े में पहले भी अग्निकांड की घटनायें जंगलों में घर्षण के कारण होती रहती हैं। परन्तु जितनी अनियंत्रित आग इस बार की रही पहले कभी नहीं देखा गया। कल्पना कीजिये कि जब विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति इस आग को नियंत्रित कर पाने पूरी तरह असमर्थ है तो यदि ऐसी ही आग किसी विकासशील देश में लगी होती तो क्या आलम होता ? वैसे भी पिछले कुछ वर्षों के दौरान मौसम के निरंतर बिगड़ते जा रहे मिज़ाज के कारण दुनिया के अनेक देशों से जलवायु परिवर्तन व इसके परिणाम सम्बन्धी जो समाचार आ रहे हैं वह बेहद चौंकाने वाले हैं। जो ग्लेशियर पूरी दुनिया की ऋतु का संतुलन बनाये रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते थे वही ग्लेशियर अब तेज़ी से पिघल रहे हैं। इतनी तेज़ी से कि समुद्र में इन बड़े बड़े हिमखंडों को टूटते और इन्हें पानी में मिलते देखने के लिये भी पर्यटन शुरू हो चुका है। यानी दुनिया की तबाही का जश्न दुनिया अपनी आँखों से देखना भी चाह रही है। तमाम रेगिस्तानी इलाक़े जहाँ के लोग बारिश और बर्फ़बारी से वाक़िफ़ नहीं थे वहां से बाढ़ और बर्फ़बारी की ख़बरें आ रही हैं। गत वर्ष पूरे विश्व में गर्मियों के दौरान तापमान में जो ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गयी वह भी भारत सहित पूरे विश्व ने महसूस किया। इसी ग्लोबल वार्मिंग ने पहाड़ों की सुंदरता पर ग्रहण लगा दिया है। पर्वतीय क्षेत्रों में गर्मी बढ़ रही है। भूस्खलन की घटनायें बढ़ती जा रही हैं। पीने के पानी की कमी होने लगी है। ध्रुवीय भालू जैसे अनेक दुर्लभ पशु पक्षियों के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा है। परन्तु पूंजीवाद के चुंगल में जकड़ी यह विश्व व्यवस्था तबाही के मुंहाने पर पहुँचने के बावजूद अभी भी विकास के नाम पर विनाश के खेल खेलती जा रही है। जलवायु संकट से कथित रूप से व्यथित परन्तु जलवायु संकट को ख़ुद ही बढ़ावा देने वाले देश प्रायः दुनिया में जलवायु संकट के गहराते ख़तरों पर घड़ियाली आंसू बहाने के लिये इकठ्ठा तो होते हैं परन्तु वे अपने देशों के कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के बजाये प्रगतिशील व ग़रीब देशों को पैसे देकर उन्हें कार्बन उत्सर्जन कम करने का पाठ पढ़ाते हैं। यही पूंजीवादी देश दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध भड़का कर भूमंडलीय ऊष्मीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) को और बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में यदि भविष्य में पृथ्वी पर सामान्य जीवन की कल्पना करनी हो तो लॉस एंजेलिस की भयावह आग से मिलने वाले संकेतों को तत्काल समझने की सख़्त ज़रुरत है।

राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कंसास और मिसौरी से लेकर न्यू जर्सी तक बर्फ़ीले तूफ़ान की चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'इस क्षेत्र के उन स्थानों पर जहां सबसे अधिक बर्फ़बारी होती है, वहां कम से कम एक दशक की सबसे भारी बर्फ़बारी हो सकती है।' जहाँ इस बर्फ़ीले तूफ़ान ने मध्य अमेरिका में कई राज्यों में जन जीवन अस्त व्यस्त किया वहीँ पिछले कई दिनों से लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी आग अभी तक पूरी तरह बेक़ाबू बनी हुई है। आग की लपटों की भयावहता को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है और अनेक लोग लापता हैं। हज़ारों एकड़ के इलाक़े में फैली इस भयानक आग के कारण लाखों लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा है।

दृष्टि कोण

सियासत में सैन्य भागीदारी पर उदासीनता

पंद्रह जनवरी 1949 को ब्रिटिश सैन्य अधिकारी जनरल 'सर फ्रांसिस रॉय बुचर' से जनरल 'केएम करियप्पा' ने भारतीय सेना की कमान संभाली थी। अतः इस दिन को 'सेना दिवस' के तौर पर मनाया जाता है। जनरल करियप्पा 14 जनवरी 1953 को सेना से सेवानिवृत्त हुए थे। इसलिए 14 जनवरी का दिन 'आर्म्ड फोर्सेज वेटरन डे' के रूप में मनाया जाता है। विश्व की चौथी ताकतवर भारतीय सेना का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। विश्व के कई मुल्क अराजकता व आतंकवाद की जद में आ चुके हैं। यदि आतंक की हिमायत करने वाले मुल्कों से घिरे भारत की सरहदें सुरक्षित हैं, देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संविधान, न्यायिक व्यवस्था, लोकतंत्र के स्तम्भ व जम्हूरियत के नाम पर हुक्मरानी करने वाले सियासी रहनुमा महफूज हैं तो इसका श्रेय कड़े अनुशासन के लिए विख्यात भारतीय सेना को जाता है। चूंकि राष्ट्रीय सुरक्षा में हरदम मुस्तैद रहने वाली भारतीय सेना सियासत व संवैधानिक संस्थाओं में दखलअंदाजी नहीं करती। दहशतगर्दी की दारुल हुकूमत पाकिस्तान से सटे जम्मू कश्मीर में यदि पत्थरबाजी की घटनाएं शून्य हुई हैं तथा आतंक का खौफनाक माहौल काफी हद तक शांत होकर सूबे में जम्हूरी निजाम नाफिज हुआ है तो इस अमन-चैन को कायम करने में देश के हजारों शूरवीर सैनिक अपना सर्वस्व न्योछावर कर चुके हैं। पाकिस्तान प्रायोजित छद्म युद्ध सबसे ज्वलंत मुद्दा है। आतंकियों को फना करके हमारे सैनिक बलिदान हो रहे हैं। पाकिस्तान, नेपाल व भू-माफिया चीन जैसे मुल्कों के साथ भारत का सरहदी तनाजा चल रहा है। भारत के पूर्वोत्तर में बांग्लादेश एक चुनौती बनकर उभर चुका है। म्यांमार की सरहद से रोंहिग्या की घुसपैठ मुसीबत का सबब बन चुकी है। मुल्क के सियासी रहनुमा अपनी जाति, मजहब की पुरजोर हिमायत करते हैं। लेकिन सैन्य शहादतें व रक्षा क्षेत्र से जुड़े संवेदनशील मुद्दे संसद में चर्चा का मरकज नहीं बनते। इसका कारण जम्हूरियत के हुजरों में बैठकर जाति, मजहब व क्षेत्रवाद की सियासी तस्वीह घुमाने वाले मुल्क के रहबर सामरिक क्षेत्र की जमीनी हकीकत से नावाकिफ होते हैं। इसीलिए जम्हूरियत की पंचायतों में आतंकवाद व मुल्क की सरहदों से जुड़े मुद्दों की आवाज नहीं सुनाई देती। सैन्य शौर्य का श्रेय लेने के प्रयास जरूर होते हैं, मगर सैन्य शहादतों की अहमियत नहीं समझी जाती। नतीजतन मैदान-ए-हर्ब में दुश्मन को धूल चटाकर अदम्य साहस के शिलालेख लिखने वाली भारतीय सेना को सियासी मुजाकरात के टेबलों पर शिकस्त का सामना करना पड़ा है। 'ओआरओपी' के लिए पूर्व सैनिकों को चार दशकों तक जंतर-मंतर पर आंदोलन करना पड़ा। कला, साहित्य व समाज सेवा के क्षेत्र का व्यावहारिक अनुभव रखने वाले बारह सदस्य देश के राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाते हैं। मायानगरी के अदाकार, उद्योगपति व कई खिलाड़ी भी राष्ट्रपति द्वारा चुने जाते हैं। लेकिन मोहिब्बे वतन के जज्बात रखने वाले पूर्व सैनिकों को इस फेहरिस्त में शामिल नहीं किया जाता। राष्ट्र व लोकतंत्र की हिफाजत के लिए अपना पूरा यौवन समर्पित करने वाले पूर्व सैनिकों की सियासी निजाम में भी भागीदारी सुनिश्चित नहीं हुई। हालांकि मैदाने जंग में दुश्मन को फना करके फतह हासिल करने वाले कई पूर्व सैनिकों ने जम्हूरियत की जंग में भी हाथ आजमा कर इंतेखाब में जीत हासिल करके अपने सियासी नेतृत्व से लोगों को प्रभावित किया है। मेजर जनरल बीएस खंडूरी, कैप्टन अमरेंद्र सिंह, बेअंत सिंह, बीजू पटनायक व एन. बीरेन सिंह जैसे पूर्व सैनिकों ने मुख्यमंत्री के तौर पर खुद को लोकतांत्रिक व्यवस्था का काबिल हुक्मरान साबित किया है। कई पूर्व सैनिक प्रशासनिक सेवाओं व शिक्षा क्षेत्र तथा राज्यपाल के तौर पर अपनी अनुशासित कार्यशैली से ड्यूटी निभा रहे हैं। यदि वीरभूमि हिमाचल के सैन्य शौर्य का जिक्र न किया जाए तो भारतीय सैन्य इतिहास अधूरा रह जाएगा। हिमाचल प्रदेश के प्रथम उप राज्यपाल 'हिम्मत सिंह' तथा छठे उप राज्यपाल 'कंवर बहादुर सिंह' दोनों जरनैल भी पूर्व सैनिक थे। सशस्त्र बलों में हिमाचल की अहम भूमिका व मजबूत सैन्य परंपरा रही है। सूबे के सियासी रहनुमाओं को सत्ता के फलक तक पहुंचाने में भी पूर्व सैनिकों व सैन्य परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हिमाचल प्रदेश के सैन्य भर्ती कोटे में बढ़ोतरी का मुद्दा राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ा है। युवाओं को एक वर्ष में सैन्य भर्ती के ज्यादा अवसर मिलने चाहिए। राज्य में सैनिक स्कूलों की संख्या में इजाफा होना चाहिए। राज्य के कई पूर्व सैनिकों का सियासी सफर भी काबिले तारीफ रहा है।

कुछ अलग

एप केरा एपुरा

गया वो बचपन जब दादा दादी, नाना नानी को घोड़ा बनाकर उनकी पीठ पर सवारी किया करता था। गया वो जमाना जब पिता के कंधे पर सवारी का आनंद लेते दूर दूर तक देखा करता था, पिता से भी बहुत आगे तक। गया वो जमाना जब मां की गोद में मां की थपथपियों के बीच लोरियां आंख बंद कर सोने का नाटक करते सुनी जाती थीं। गया वो जमाना जब बहन भाई की पीठ का आनंद लिया करती थी। गया वो जमाना जितना मजा जब दादा, नाना को दादा, नाना होते हुए भी घोड़ा बनने पर आता था, उससे अधिक आनंद तब नाती, पोते को नाना, दादा की पीठ की सवारी करने में आता था। अपने नाती पोते को अपनी पीठ की सवारी करवा तब उन्हें लगता था ज्यों घोड़ा बनकर भी उन्हें स्वर्ग मिल गया हो। अपने नाना दादा की पीठ पर सवार हो तब नाती पोते को लगता था ज्यों वह नाना, दादा की पीठ पर सवार न होकर पुष्पक विमान की सवारी कर रहा हो। तब दादा दादी, नाना नानी खांसते हुए भी अपने पोते, नाती का घोड़ा बन उसे पीठ पर बिठा सारी दुनिया की सैर करवाते थे। जमाना बदला तो दादा दादी, नाना नानी, पिता, भाई की पीठ के बदले नाती, पोता, बेटा, बहन छोटे छोटे यार दोस्त दोस्तों की पीठ की सवारी करने के बदले लकड़ी के घोड़े की सवारी करने लगे। फिर जमाना बदला तो लकड़ी के घोड़े की सवारी के बदले अपनी उम्र के हिसाब से वॉकर का सवार हो गए और दादा दादी, नाना नानी, पिता, भाई बहन, दोस्त की उंगली पकड़ कर चलना सीखने के बदले वॉकर पर सवार हो चलना सीखने लगे। फिर जब मिडिल क्लास के बाप की जेब में कुछ एकस्ट्रा पैसे आए तो कुछ लोन शोन का जुगाड़ कर बाप साइकिल, मोटर साइकिल पर अपने बच्चे को सवार कर उसे जिंदगी की रेस में रेस लगाना सिखाने लगे। अब दिन एप की सवारी के हैं। एप पर सवार ख्वारी के हैं। बच्चा पैदा होते ही मां की गोद में नहीं, एप की गोद में जाकर लोरियां सुनता सोता है। अब बच्चा एप की उंगलियां पकड़ चलना सीखता है। अब बच्चा एप के कंधे पर सवार होकर दुनिया देखता है। अब बच्चा दादा, नाना, पिता, मां, भाई की पीठ की सवारी करना भूल गया है। अब बच्चा दादा, नाना, पिता, मां, भाई की उंगली पकड़ चलना सीखना भूल गया है। आज न किसी को अपनी पीठ की सवारी कराने का किसी के पास वक्त है और न किसी के पास किसी की पीठ की सवारी करने का। आज कदम कदम पर एप अपनी सवारी करवाने को सज धज कर खड़ा है। किसी को धन से लेकर मन तक उधार देना हो तो एप है साहब! किसी से मन से लेकर धन तक उधार लेना हो तो एप है न साहब! अब एप की सवारी कीजिए और जिंदगी के मजे लीजिए। प्रेम से लेकर प्यार, मनुहार सब एप पर। अब शादी ब्याह के लिए कोई बिचौलिया नहीं। एप पर गए और ढूंढ लिया मन चाहा वर। एप है तो क्या गम है। एप है तो गांव स्वर्ग सिधारे बाप को अपने बेटे के हाथों मुखाग्नि दिलवा स्वर्ग जाने की रत्ती भर भी नहीं टेंशन है। एप पर पंडितजी हाजिर। एप पर प्रभु के लाइव दर्शन! एप पर प्रभु का प्रसाद। एप पर समाज की शांति, एप पर समाज का प्रमाद, उन्माद। आज जीव के पास भले ही हर चीज की कमी हो, पर एप की कोई कमी नहीं है। फाइनेंस सेट करना है तो बस, अपने मोबाइल के एप को टच भर करने की जरूरत है। कैम स्कैनर एप से लेकर आम स्कैमर तक का एप हमारी मु_ी में है। एप जन्मघुट्टी है। एप नौकरी है, एप छुट्टी है। एपिया जिंदगी कुछ सच्ची है, बहुत कुछ झुट्टी है। एप केरा एपुरा, अस एपी की जात। एप पर ही जागत है, एप पर सो जात।

देश दुनिया से

क्या ठीक हैं यूजीसी के नए नियम?

भारत में शिक्षा को अधिक प्रभावी, समावेशी और व्यावहारिक बनाने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति 2020 (एनईपी-2020) के तहत विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में बड़े बदलाव किए गए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने हाल ही में एक ड्राफ्ट जारी किया है, जिसमें शिक्षक नियुक्ति और प्रमोशन के नए नियम पेश किए गए हैं। इस ड्राफ्ट का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की योग्यता और उनकी विशेषज्ञता को प्राथमिकता देना है, ताकि शिक्षा प्रणाली को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। अब तक शिक्षक बनने के लिए यह अनिवार्य था कि उम्मीदवार का ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और पीएचडी या नेट एक ही विषय में हो। लेकिन यूजीसी ने इस बाध्यता को समाप्त कर दिया है। नए नियमों के अनुसार यदि उम्मीदवार ने ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन किसी भी विषय में किया हो, तो भी वह शिक्षक बन सकता है, बशर्ते कि उसके पास पीएचडी या नेट किसी संबंधित विषय में हो। शिक्षक नियुक्ति अब ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के विषय पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि केवल उम्मीदवार की पीएचडी और नेट क्वालिफिकेशन पर आधारित होगी। इस बदलाव से न केवल शिक्षण में अधिक लचीलापन आएगा, बल्कि उम्मीदवारों को अपनी विशेषज्ञता के अनुरूप करियर बनाने का बेहतर अवसर मिलेगा। अब शिक्षक भर्ती केवल परंपरागत विषयों तक सीमित नहीं रहेगी। योग, संगीत, नाटक, मूर्तिकला और अन्य परफॉर्मिंग आर्ट्स में विशेषज्ञता रखने वाले लोग भी शिक्षक बन सकेंगे। शिक्षक भर्ती और प्रमोशन अब केवल शैक्षणिक डिग्रियों पर निर्भर नहीं रहेगा। इसके बजाय, उम्मीदवार के अनुभव, कौशल और शैक्षणिक प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जाएगा। नए नियमों के तहत भारतीय भाषाओं में एकेडमिक पब्लिकेशन और डिग्री प्रोग्राम्स को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे भारतीय भाषाओं का विकास होगा और छात्रों को अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करने के अधिक अवसर मिलेंगे। उम्मीदवार अब नेट या सेट में क्वालिफाई करने वाले किसी भी विषय में शिक्षण करियर बना सकते हैं, भले ही उनका ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन उस विषय से अलग हो। यूजीसी ने न केवल शिक्षक भर्ती, बल्कि प्रमोशन के नियमों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। शिक्षक प्रमोशन अब केवल डिग्री पर आधारित नहीं होगा। प्रमोशन के लिए शिक्षकों के अनुभव, कौशल और शिक्षण प्रदर्शन को प्राथमिकता दी जाएगी। कला, खेल और अन्य पारंपरिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले शिक्षकों को भी प्रमोशन में समान अवसर दिए जाएंगे। दिव्यांग खिलाडियों और अन्य विशेष प्रतिभाओं को भी शिक्षण क्षेत्र में समान अवसर मिलेगा। नए नियमों से परफॉर्मिंग आर्ट्स, योग, संगीत और पारंपरिक विषयों में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों के लिए शिक्षण क्षेत्र में प्रवेश आसान होगा। नई प्रक्रिया भारत की शिक्षा प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाएगी। ड्राफ्ट का फोकस भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने और उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने पर है। नए नियम दिव्यांग, खिलाडियों और अन्य विशेष क्षेत्रों से जुड़े लोगों को समान अवसर प्रदान करेंगे। देश के कुछ राज्यों द्वारा इन प्रस्तावित सुधारों का विरोध किया जा रहा है। तमिलनाडु विधानसभा ने यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) के संशोधित नियमों की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। प्रस्ताव में तर्क दिया गया है कि नए नियम राज्य की स्वायत्तता का उल्लंघन करते हैं और उसके हायर एजुकेशन सिस्टम को कमजोर करते हैं। बता दें कि विवाद के केंद्र में कुलपतियों की नियुक्ति में राज्यपालों को अधिक अधिकार देने का निर्णय है। यूजीसी का तर्क है कि विश्वविद्यालयों के लिए अधिक स्वायत्तता और शैक्षणिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए ये बदलाव आवश्यक हैं। हालांकि तमिलनाडु सरकार का तर्क है कि यह कदम राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करता है और अपनी शिक्षा प्रणाली को संचालित करने की उसकी क्षमता को कमजोर करता है। कुछ राज्यों द्वारा यह भी कहा जा रहा है कि यह संघीय सिद्धांतों का उल्लंघन है और इसका छात्रों के भविष्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ेगा। यह भी कहा गया है कि राज्य को अपनी शिक्षा प्रणाली को संचालित करने का अधिकार है और यूजीसी की कार्रवाई उसके अधिकार का अतिक्रमण है। यूजीसी ने नियम बनाए हैं कि कुलपति के चयन के लिए गठित की जाने वाली चयन समिति का निर्णय राज्यपाल करेंगे। कुलपतियों की नियुक्ति का अधिकार राज्यपाल को देना विश्वविद्यालयों को बर्बाद करने का ही तरीका है। राज्यपालों को मनमाने ढंग से कुलपति नियुक्त करने के लिए अधिक अधिकार देना उचित नहीं है। प्रस्तावित सुधारों की आलोचना में यह भी कहा जा रहा है कि इन नियमों को राज्य सरकारों द्वारा अपने संसाधनों और आर्थिक ताकत से बनाए गए विश्वविद्यालयों को हड़पने का अवैध प्रयास माना जाना चाहिए। यह नियम संघीय सिद्धांत के विरुद्ध है। शिक्षा पर केवल जनता द्वारा चुने गए लोगों का ही अधिकार होना चाहिए। तभी सभी लोगों को पूर्ण रूप से शिक्षा प्रदान की जा सकती है। यूजीसी के ड्राफ्ट नियमों को लेकर कहना न होगा कि इससे जमीनी और मौलिक टैलेंट अकादमिक क्षेत्र में लाने के रास्ते बन सकते हैं। कई छात्र काबिलीयत के बावजूद पात्रता परीक्षा पास करने में कामयाब नहीं हो पाते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि वे अच्छे प्राध्यापक नहीं बन पाएंगे। क्या आचार्य चाणक्य जी ने पात्रता परीक्षा पास की थी? क्या राज्यों द्वारा राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए इन नियमों का विरोध तुच्छ मानसिकता की अभिव्यक्ति है? यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) के ड्राफ्ट मानदंडों के मुताबिक इंडस्ट्री के एक्स्पर्ट्स के साथ-साथ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, पब्लिक पॉलिसी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सीनियर प्रोफेशनल भी कुलपति के रूप में नियुक्ति के लिए जल्द ही पात्र होंगे।

आप का नजरिया

हिमाचली कलाकारों का पारिश्रमिक

हिमाचल के यूं तो हर विभाग का ताल्लुक पर्यटन से है, फिर भी यह कहना होगा कि कला, भाषा एवं संस्कृति विभाग के सभी पहलू सैलानियों के दृष्टिगत कई आयाम पैदा कर सकते हैं। यह दीगर है कि कला एवं संस्कृति से इतर भाषा का पक्ष अपनी कहानी में साहित्यकारों के किरदार को ही उन्नत करता रहा। इन्हीं उद्देश्यों में अकादमी भी अपने समारोहों की खनक में रूबरू होती है। बहरहाल मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की समीक्षा बैठक ने कलाकारों के पारिश्रमिक को एक आधार, एक पतवार थमाई है। अधिसूचित 107 मेले और तमाम धार्मिक समारोह व आयोजन जोडक़र इनकी क्षमता का आकलन किया जाए, तो हिमाचल का कलात्मक पक्ष रोजगार की दरगाह बन सकता है। जाहिर तौर पर कवि सम्मेलनों के बंद दरवाजों से इतनी रचनाएं भी बाहर नहीं निकलतीं कि श्रोता के कान कुछ सुन पाएं। कम से कम राष्ट्रीय त्योहारों के अवसर पर सार्वजनिक रूप से साहित्यकारों के मार्फत कुछ तो अभिव्यक्ति ऐसी हो कि श्रोता वाह 'भाषा विभाग' कह पाएं। कम से कम कलाकारों ने अपनी साधना से सार्वजनिक मंचों पर इसलिए स्थान ग्रहण किया क्योंकि उनके प्रशंसक वहां मौजूद थे। वे हिमाचली गीत-संगीत की परंपराओं का संरक्षण करते हुए अपनी विधा के पैगंबर बने, वरना लगातार तौहीन के कारण आज यह अवसर न आता कि कुछ संध्याएं उन्हें मिल पातीं। संस्कृति की समीक्षा बैठक अगर समारोहों के कुल व्यय की तैंतीस प्रतिशत पूंजी को स्थानीय कलाकारों के नाम कर रही है, तो यह फार्मूला एक राह दिखाने लगा है। हम यह तो नहीं कह सकते कि यही अंतिम अधिकार या न्याय है, फिर भी कला पारिश्रमिक की एक शुरुआत तो जरूर होगी। इस संदर्भ में पूरी समारोह संस्कृति को एक सांचे की कसावट और बनावट में ढालना पड़ेगा ताकि मेले, सांस्कृतिक समारोह और धार्मिक आयोजन एक पैरामीटर और व्यवस्था के तहत पारदर्शिता के साथ जवाबदेह हों। अभी तक न तो इनमें निरंतरता आ रही है और न ही इनकी क्षमता का मूल्यांकन हो रहा है। जहां और जब कभी सियासत का पलड़ा भारी होता है, ये सांस्कृतिक समारोह भी एक दुर्ग के मानिंद अपना नाच दिखाते हैं और हास्यास्पद स्थिति यह कि पड़ोसी राज्यों के गायकों को बिना किसी परिपाटी या दिशा-निर्देशों के ही अधिकतम पारिश्रमिक से नवाजा जाता है। ऐसे में अब जरूरी हो गया है कि राज्य स्तरीय मेला एवं उत्सव विकास प्राधिकरण का गठन करके तमाम आयोजनों के आय-व्यय को स्थायी दिशा-निर्देशों व जवाबदेह व्यवस्था के तहत संचालित किया जाए। कला का प्रदर्शन केवल गायन या नृत्य ही नहीं, बल्कि कामेडी, हास्य-व्यंग्य रचनाएं, लोक कलाएं, खानपान, पुस्तक मेले तथा नाट्य शैलियां भी हो सकती हैं। आश्चर्य यह कि राजनेताओं की पर्चियों पर कलाकारों का चयन होने लगा है, जबकि मेला एवं उत्सव विकास प्राधिकरण के तहत कलाकारों के वर्गीकरण एवं चयन की एक पद्धति स्थापित करनी चाहिए और इसी के अनुरूप सभी कलाकारों के साथ वार्षिक कांट्रैक्ट होना चाहिए। किस कलाकार को साल में कितने अवसर किस पारिश्रमिक दर से मिलेंगे, यह तय करने की जरूरत है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा-बहुत तनाव भी पैदा होगा। पुरानी यादों को ज़ेहन में ज़िंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताज़ा करने का वक़्त है। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे- तो वह आपका पीछा हर निकृष्ट तरीक़े से करेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

असुरक्षा के चलते आप असमंजस में फँस सकते हैं। तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जीवन-साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे- ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निकालें। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे- लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। नए प्रस्ताव आकर्षक होंगे, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय लेना समझदारी का काम नहीं हैं , अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 16 जनवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 04:09 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रातः 11:17 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 01:05 तक
करण : वणिज दोपहर 03:42 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रातः 11:17 तक
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:02 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:13 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:04 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:55 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 03:40 से रात्रि 04:07 , गण्डमूल चालू है

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राइजिंग राजस्थान समिट के तहत ऊर्जा विभाग के एमओयू की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रतिमाह 11 व 26 तारीख को भेजें एमओयू की प्रगति रिपोर्ट

जयपुर,15 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2027 तक प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने तथा किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसी क्रम में राइजिंग राजस्थान के तहत ऊर्जा क्षेत्र में सर्वाधिक एमओयू किए गए हैं जिससे राज्य में ऊर्जा सुदृढ़ीकरण को गति मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति के लिए हुए इन विभिन्न एमओयू को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत ऊर्जा विभाग द्वारा हुए एमओयू के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को इन प्रोजेक्ट्स की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में आए प्रत्येक निवेशक को राज्य में निवेश करने के लिए किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। यदि ऐसे प्रकरण सामने आते हैं तो इसके लिए संबंधित अधिकारी की जबावदेहिता तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए प्रत्येक एमओयू की समीक्षा करते हुए प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रतिमाह राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक की जाए जिससे राज्य में विद्युत सुदृढीकरण के काम में तेजी आ सके। साथ ही, मुख्यमंत्री कार्यालय को हर माह 11 व 26 तारीख को इस संबंध में प्रगति रिपोर्ट भेजी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी इन निवेशों के माध्यम से राज्य की राजस्व आय में बढ़ोतरी के लिए प्रयास करें।शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर काम कर रही है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में भी ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) प्रोजेक्ट, ग्रीन हाइड्रोजन, आरई पार्क, हाइब्रिड प्रोजेक्ट ट्रांसमिशन, सीए-नजी, विंड प्रोजेक्ट, थर्मल प्रोजेक्ट सहित विभिन्न सेक्टर्स में एमओयू हुए हैं। उन्होंने इन सेक्टर्स में हुए प्रत्येक एमओयू के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए जिससे सभी निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरें तथा आमजन को इसका लाभ मिले।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए एमओयू की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी दी। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भजनलाल ने डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह से की मुलाकात

जयपुर,15 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को बीलवा स्थित राधास्वामी सत्संग ब्यास केन्द्र पहुंचे। उन्होंने राधास्वामी ब्यास के डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो से आत्मीय मुलाकात की तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो से आध्यात्म, सामाजिक मूल्यों, समाज में व्याप्त कुरीतियों आदि विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

हरियाणा निकाय चुनाव क्यों टले?

चंडीगढ़,15 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में नगर निगम चुनावों को लेकर एक बार फिर बदलाव हुआ है। पहले ये चुनाव फरवरी 2024 में प्रस्तावित थे, लेकिन अब संभावना है कि ये चुनाव मार्च में होंगे। प्रदेश के 34 नगर निकायों में होने वाले इन चुनावों की तारीखों को लेकर मतदाताओं और राजनीतिक दलों में उत्सुकता है।

क्या है चुनाव में देरी की वजह?

नगर निगम चुनावों में देरी की सबसे बड़ी वजह मतदाता सूचियों का अंतिम रूप से तैयार न होना बताया जा रहा है। खासकर नगर निगमों की मतदाता सूची का काम अभी अधूरा है।

26 निकायों की मतदाता सूची: अंतिम मसौदा 20 जनवरी को जारी किया जाएगा। रोहतक, हिसार और थानेसर नगर निगम: मतदाता सूची का काम 15 जनवरी तक पूरा हो जाएगा। करनाल नगर निगम: मतदाता सूची 28 जनवरी तक तैयार हो जाएगी। इसके अलावा दिल्ली विधानसभा चुनाव (5 फरवरी 2024) के कारण नगर निगम चुनाव स्थगित करने पर भी विचार किया जा रहा है।

कब होगा कार्यक्रम की घोषणा?

राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया है कि चुनाव की घोषणा 8 फरवरी के बाद की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदान से लेकर परिणाम तक चुनावी प्रक्रिया में करीब 25 दिन का समय लगेगा। ऐसे में नगर निगम चुनाव मार्च 2024 में होने की संभावना है।

एक चरण में होंगे चुनाव

हरियाणा सरकार पहले ही साफ कर चुकी है कि नगर निगम चुनाव एक ही चरण में होंगे। इस संबंध में सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट को आश्वासन दिया था कि चुनाव जनवरी के अंत या फरवरी के पहले सप्ताह में करा लिए जाएंगे। हालांकि अब शेड्यूल में बदलाव हो गया है।

कितने निकायों में होंगे चुनाव?

हरियाणा में इस बार कुल 34 नगर निकायों में चुनाव होंगे। इनमें 8 नगर निगम रोहतक, हिसार, थानेसर, करनाल।4 नगर परिषद।22 नगर पालिकाएं।

राजनीतिक दलों की रणनीति पर असर

दिल्ली विधानसभा चुनाव के कारण हरियाणा के राजनीतिक दलों की चुनाव तैयारियां प्रभावित हो रही हैं। कई दलों के कार्यकर्ता और नेता दिल्ली चुनाव में व्यस्त हैं, जिसका असर हरियाणा में चुनावी रणनीति पर पड़ रहा है। यही वजह है कि राज्य चुनाव आयोग ने 8 फरवरी के बाद नगर निगम चुनाव की घोषणा करने का फैसला लिया है।

चुनाव में पारदर्शिता और तैयारी

हरियाणा सरकार मतदाता सूची को पूरी तरह अपडेट करने पर जोर दे रही है, ताकि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सकें। इसके लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रारूप तैयार किया जा रहा है। एक चरण में चुनाव करवाने से समय और संसाधनों की बचत होगी। चुनावी प्रक्रिया में 25 दिन का समय तय किया गया है, ताकि सुचारू रूप से चुनाव संपन्न हो सके।

हरियाणा में नगर निगम चुनाव 2024 को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मतदाता नई तारीखों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शेड्यूल में बदलाव भले ही अस्थायी हो, लेकिन यह चुनावों में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। अब सभी की निगाहें 8 फरवरी के बाद जारी होने वाले नए शेड्यूल पर टिकी हैं। मार्च 2024 में होने वाले ये चुनाव हरियाणा की स्थानीय राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने जामडोली में किया समेकित क्षेत्रीय केंद्र के भवन का शिलान्यास

जयपुर,15 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि केन्द्र व राज्य की सरकार समाज के सभी वर्गों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के साथ देश को आत्मनिर्भर बनाने में सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। डॉ. कुमार जामडोली स्थित केन्द्र सरकार के समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) के भवन के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विधिवत पूजा अर्चना के साथ नये भवन का शिलान्यास किया और राज्य सरकार को जामडोली के सामाजिक न्याय संकुल में समेकित क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के लिए ढाई एकड़ भूमि आवंटित किये जाने के लिए धन्यवाद दिया।

डॉ. वीरेंद्र कुमार ने नये सीआरसी की स्थापना पर आमजन को बधाई देते हुए यह विश्वास व्यक्त किया कि इस केंद्र के माध्यम से राजस्थान के दिव्यांगजनों तथा अन्य जरूरतमंद लाभार्थियों की पुनर्वास आवश्यकताओं की पूर्ति तो होगी ही, साथ ही भविष्य में पुनर्वास क्षेत्र में शैक्षिक पाठ्यक्रम संचालित करके नये पुनर्वास पेशेवरों की फसल भी तैयार की जाएगी। उन्होंने राज्य सरकार से ढाई एकड़ भूमि और देने का अनुरोध भी किया। गौरतलब है कि समेकित क्षेत्रीय केंद्र जामडोली का प्रशासनिक नियंत्रण पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान के पास है और इसकी स्थापना से जयपुर तथा आस पास के क्षेत्रों में बसे दिव्यांगजनों को काफी लाभ होगा।

साइबर ठगों की गिरफ्तारी : लालसोट थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दौसा,15 जनवरी (एजेंसियां)। लालसोट थाना पुलिस ने साइबर ठगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। साइबर शील्ड अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई, जिसमें अभियुक्तों के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। थानाधिकारी रामनिवास के अनुसार, पुलिस की विशेष टीम ने साइबर शील्ड अभियान के तहत इन ठगों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की।

सूचना मिलने के बाद जिला साइबर सैल ने साइबर पुलिस पोर्टल पर एक रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें बताया गया था कि दो साइबर अपराधी लालसोट क्षेत्र में सक्रिय हैं और ठगी कर रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर लालसोट थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।अभियुक्तों ने इन्स्टाग्राम पर चैनल बना कर गेम में खोए हुए पैसों को 100 प्रतिशत रिकवर करने का झांसा दिया था और साइबर ठगी के पैसे अपने और अपने परिचितों के खातों में जमा कराए। गिरफ्तार मुल्जिम राकेश कुमार और धर्मराज दोनों शिवसिंहपुरा के रहने वाले हैं। यह कार्रवाई साइबर अपराधों को लेकर पुलिस की कड़ी निगरानी और प्रभावी कदम को दर्शाती है।

थानाधिकारी झंवर 50,000 रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जोधपुर,15 जनवरी (एजेंसियां)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी जोधपुर शहर द्वारा बुधवार को कार्यवाही करतें हुए श्री मूलाराम चौधरी निरीक्षक पुलिस थानाधिकारी पुलिस थाना झंवर पुलिस आयुक्तालय जोधपुर को 50,000 रूपयें रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के महानिदेशक पुलिस डा. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी की जोधपुर शहर ईकाई कों एक शिकायत इस आशय की मिली कि झंवर थानें में दर्ज प्रकरण में मामले को रफा दफा करनें एवं परिवादी के पक्ष में कार्यवाही करनें की एवज में 50000 रूपयें रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर हरेन्द्र महावर उप महानिरीक्षक पुलिस के सुपरविजन में चक्रवर्ती सिह राठौड अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर शहर के नेतृव में मनीष वैष्णव निरीक्षक पुलिस मय किशन सिंह चारण उप अधीक्षक पुलिस मय जाब्ता के ट्रेप कार्यवाही करतें हुए आरोपी मूलाराम चौधरी थानाधिकारी झंवर, पुलिस आयुक्तालय जोधपुर पश्चिम को 50,000 रूपयें रिश्वत राशि लेतें हुए गिरफ्तार किया गया है।

वन नेशन – वन एप्लीकेशन के तहत विधान सभा का सदन हो रहा है डिजिटल : देवनानी

जयपुर,15 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि इस सूचना एवं तकनीकी युग में डिजिटल पद्धति से कार्य किया जाना समय की आवश्यकता है। राजस्थान विधान सभा भी इस क्षेत्र में निरंतर आगे बढे, इसके लिये वन नेशन-वन एप्लीकेशन के तहत विधान सभा में यह प्रयास किया जा रहा है। राजस्थान विधान सभा का सदन सूचना तकनीक के साथ नये कलेवर में तैयार हो गया है। सदन में 200 विधायकों की सीटों पर आईपेड लगाये गये है। इन आईपेड के माध्यम से विधायकगण सदन में ऑनलाईन पद्धति से विधान कार्यों का सम्पादन कर सकेगें।

देवनानी की अध्यक्षता में विधान सभा के सदन में आयोजित समारोह में लगभग एक सौ दस विधायकगण ने बुधवार को आइपेड के माध्यम से सदन से संबंधित कार्यों को करने का एक दिवसीय प्रशिक्षण लिया। लोक सभा सचिवालय से आये नेता और एनआईसी के अधिकारियों ने तकनीकी प्रशिक्षण दिया। विधायकगण को विधान संबंधी कार्य सम्पादित करने के लिये आईपेड पर दिये गये भौतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि अब विधायकगण ऑफलाइन के साथ-साथ नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन पद्धति से भी कार्य सम्पादित कर सकेगे। देवनानी ने कहा कि वन नेशन-वन एप्लीकेशन नेवा के तहत राजस्थान विधान सभा के सदन में भी लोक सभा व राज्य सभा की तर्ज पर विधान संबंधी कार्य होगें।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधानसभा के सभागार में सदस्यों की सीटों पर कम्प्यूटर उपकरण स्थापित करने और विधानसभा सचिवालय को पेपरलैस किये जाने हेतु नेवा प्रोजेक्ट के तहत विधायकगण को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के तहत विधान सभा को डिजिटलाईज परियोजना के तहत केन्द्र व राज्य सरकार के वित्त का उपयोग 60 व 40 के अनुपात में किया गया है।देवनानी ने बताया कि सदन में विधायकगण की प्रत्येक सीट पर एक आई-पैड लगाया गया है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने दिया नायाब तोहफा

महाराजा सूरजमल की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया

सिरसा,15 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा हिंदू हृदय सम्राट महाराजा सूरजमल की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने पर भारतीय जाट विकास मंच सहित विभिन्न संगठनों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस पर अखिल भारतीय जाट महासभा के सदस्यों ने प्रेस वार्ता कर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया।भारतीय जाट विकास मंच के प्रधान डॉ. राजेंद्र कड़वासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा महाराजा सूरजमल की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करवा कर एक महत्वपूर्ण मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि यह मांग गत 24 दिसंबर को महाराजा सूरजमल के बलिदान दिवस के अवसर पर रखी गई थी।

डॉ. कड़वासरा ने कहा कि इस फैसले से न केवल हरियाणा बल्कि राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भी खुशी का माहौल है। उन्होंने बताया कि आगामी 13 फरवरी को हिंदू हृदय सम्राट महाराजा सूरजमल की जयंती पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें हरियाणा सरकार का आभार प्रकट किया जाएगा।

धन्ना भक्त जी ट्रस्ट के राष्ट्रीय सचिव महेंद्र घणघस ने कहा कि यह ऐतिहासिक निर्णय हरियाणा सरकार ने लिया है। उन्होंने बताया कि इस सफलता में भारतीय जाट विकास मंच के प्रधान डॉ. राजेंद्र कड़वासरा का अहम योगदान रहा है, जिसके लिए उन्हें फक्र ए कौम से सम्मानित किया जाएगा। इस पूरे फैसले से विभिन्न राज्यों में खुशी का माहौल है और हरियाणा सरकार के इस कदम की सराहना की जा रही है।

हरियाणा सरकार किसानो/धरने पर नजर रखे हुए है

जो आवश्यक होगा वह किया जाएगा : विज

चंडीगढ़,15 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर मनी लांड्रिंग मामले में संलिप्तता के लिए ईडी द्वारा केस चलाने की इजाजत देने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केजरीवाल पर केस चलेगा तो जो सच्चाई है वह लोगों के सामने भी आएगी।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान विज ने कहा कि केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी अब आखिरी सांसे ले रही है। उनके मुरझाए व लटके चेहरे इसका साफ इशारा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कुश्ती में पहलवान नीचे गिरा होने के बावजूद कहता है कि मैं ही जीतूंगा, मगर जो गिर चुका होता है वह गिरता ही है।

दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के नए भवन का नाम पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम पर रखने पर उपजे विवाद पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री रहते हुए भी कांग्रेस ने काम नहीं करने दिया। उनकी सारी शक्तियों, स्वतंत्रता व बुद्धिमता पर इन्होंने अंकुश लगाकर रखा। ऐसे में इनसे किसी प्रकार की उम्मीद नहीं की जा सकती।खनौरी बार्डर पर हरियाणा में किसानों के भूख हड़ताल पर बैठने के मामले में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि सरकार इस पर पूरी निगाह रखे हुए है और हमारे मुख्यमंत्री इस विषय पर ध्यान दे रहे है और जो भी आवश्यक होगा, वह किया जाएगा।

महाकुंभ में शुरू हुआ ब्रह्मचर्य दीक्षा समारोह

श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा में हुआ दीक्षा समारोह

महाकुंभ नगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ प्रयागराज में लगे मेला परिसर में स्थित ब्रह्मचारियों के अखाड़े श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा में बुधवार को दीक्षा समारोह शुरू हो गया। मकर संक्रांति के अगले दिन अखाड़े में ब्रह्मचारियों के दीक्षा की प्रक्रिया शुरू की गई है। आदि गुरु शंकराचार्य की परंपरा से चतुर्नाम के ब्रह्मचारी इस अखाड़े में रहते हैं। प्रकाश, स्वरूप, चैतन्य और आनंद, जो एक-एक शंकराचार्य का प्रतिनिधित्व इस अखाड़े में करते हैं। चारों वेदों का अखाड़े में अध्ययन किया जाता है, जिससे वे समाज में जाएं और धर्म का प्रचार प्रसार करें।

श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा के महामंडलेश्वर संपूर्णानंद महाराज ने बताया कि इस अखाड़े में लाखों ब्रह्मचारी हैं।

जो यहां ब्रह्मचारी की दीक्षा लेने के लिए आयेगा, वह पहले अखाड़े की और सनातन धर्म की परंपराओं को समझेगा। जब अखाड़े के पंचों को लगता है कि वह ब्रह्मचारी बनने के लिए परिपक्व है तो उसे ब्रह्मचारी के रूप में दीक्षित किया जाता है।

संपूर्णानंद महाराज के अनुसार ब्रह्मचारी वह है जो धर्म का पालन करता है। जो सनातन धर्म की व्याख्या और प्रचार करेगा, उसे ब्रह्मचारी बनाएंगे। जो गृहस्थ से दूर हैं, वे यहां आते हैं। यहां बहुत सारे ब्रह्मचारी दीक्षित हुए और उन्होंने सामाजिक उपाधियां प्राप्त की। ब्रह्मचारियों को सभापति, महामंत्री, सचिव, श्रीमहंत, महंत, थानापति, कोतवाल, पुजारी पदों पर योग्यता के अनुसार नियुक्त किया जाता है।

स्वस्थ महाकुंभ : श्रद्धालुओं को मिल रहा स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन

हर सेक्टर में तैनात किए गए फूड सेफ्टी ऑफिसर

महाकुंभ नगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में महाकुंभ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार ने विशेष इंतजाम किए हैं। पूरे मेला क्षेत्र को 5 जोन और 25 सेक्टरों में बांटकर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। प्रत्येक सेक्टर में फूड सेफ्टी ऑफिसर तैनात हैं, जो परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थों की नियमित जांच कर रहे हैं। सेक्टर 24 में संकट मोचन मार्ग पर स्थित ऑफिस से फूड सेफ्टी की सभी व्यवस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। वहीं से खाद्य पदार्थों की निगरानी और टीमों की मॉनिटरिंग की जा रही है।

सहायक खाद्य आयुक्त सुशील कुमार सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं को खराब या मिलावटी भोजन से बचाने के लिए फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स का उपयोग किया जा रहा है। ये मोबाइल लैब्स मेला क्षेत्र में भोजन और पेय पदार्थों की ऑन-द-स्पॉट जांच कर रही हैं। होटलों, ढाबों और छोटे खाद्य स्टॉल्स पर बन रहे भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच हो रही है। शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना

समीक्षा बैठक में सीएम योगी ने कहा, युद्धस्तर पर करें तैयारी

लखनऊ, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर 8-10 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान की संभावना के दृष्टिगत व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए जाने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बीते 03 दिनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि पौषपूर्णिमा और मकर संक्रांति के दो प्रमुख स्नान पर्वों पर 06 करोड़ से अधिक लोगों ने त्रिवेणी स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर 8-10 करोड़ लोगों के आगमन की संभावना है। ऐसे में व्यवस्थाओं को और बेहतर करने की आवश्यकता है।

सीएम ने निर्देश दिए कि रेलवे के साथ संवाद बनाकर महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों का समयबद्ध आवागमन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि नियमित और विशेष ट्रेनों का संचालन लगातार किया जाता रहे। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इनकी संख्या को बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क को और बेहतर करने की जरूरत भी बताई, साथ ही बसों, शटल बसों और इलेक्ट्रिक बसों का संचालन लगातार कराए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शौचालयों की नियमित सफाई की जाए, घाटों की बैरिकेडिंग हो और सभी सेक्टरों में 24 घंटे बिजली और पेयजल आपूर्ति की जानी चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक, प्रमुख सचिव गृह व सूचना, प्रमुख सचिव नगर विकास, चेयरमैन पावर कॉर्पोरेशन और निदेशक सूचना सहित अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

संस्कृति का महाकुंभ आज से शुरू

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजेगी महाकुंभ की शोभा

लखनऊ/महाकुंभ नगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ में 16 जनवरी से 24 फरवरी तक संस्कृति का महाकुंभ होगा। मुख्य मंच गंगा पंडाल का होगा, जिसमें देश के नामचीन कलाकार भारतीय संस्कृति का प्रवाह करेंगे। इसके अतिरिक्त यमुना पंडाल, सरस्वती पंडाल में भी 16 जनवरी से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। त्रिवेणी पंडाल में 21 जनवरी से अनवरत सांस्कृतिक सुरों का संगम होगा। 16 जनवरी को गंगा पंडाल में बॉलीवुड सिंगर शंकर महादेवन के सुरों की गंगा में श्रोता आनंद की डुबकी लगाएंगे तो यमुना पंडाल में काशी के संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थी मंगलाचरण से ईश्वर के चरणों में श्रद्धा निवेदित करेंगे। पहले दिन सरस्वती पंडाल पर नौटंकी विधा से भी श्रद्धालु परिचित होंगे। पद्मश्री रामदयाल शर्मा 30 सदस्यीय टीम के साथ कृष्ण सुदामा की मित्रता को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेंगे।

भक्ति एवं विरासत के इस उत्सव में गंगा पंडाल का मंच मुख्य होगा। 10, 000 दर्शकों की क्षमता के लिए सेक्टर-1 के परेड ग्राउंड में गंगा पंडाल बनाया गया है। यह भारत के प्रसिद्ध कलाकारों की भव्य प्रस्तुतियों का केंद्र है। इसके अलावा दो हजार दर्शकों की क्षमता वाला त्रिवेणी, यमुना व सरस्वती पंडाल बनाया गया है। यहां भी मेजबान उत्तर प्रदेश समेत देश के नामचीन कलाकार अनेक विधाओं में अपनी प्रस्तुति देंगे।

16 जनवरी को होने वाले मुख्य कार्यक्रम

गंगा पंडालः प्रो. ऋत्विक सान्याल (वाराणसी) - शास्त्रीय/उप शास्त्रीय गायन, विचत्रानंदा स्वेन (भुवनेश्वर), ओडिशी नृत्य, कुशल दास (कोलकाता) सितार, शंकर महादेवन (मुंबई) एवं रविशंकर (उत्तर प्रदेश), भजन/सुगम संगीत। यमुना पंडालः संस्कृत विद्यालय वाराणसी के बच्चों द्वारा मंगलाचरण, सान्या पाटनकर (राजस्थान) शास्त्रीय गायन, सहीराम पांडेय (गोंडा) आल्हा गायन, सरिता मिश्रा (लखनऊ) लोकगायन, रामप्रसाद (प्रयागराज) बिरहा गायन, पीयूषा कैलाश अनुज (दिल्ली) भजन, आरुषी मुद्गल (दिल्ली) ओडिशी नृत्य, अमरजीत (सोनभद्र) जनजाति लोकनृत्य। सरस्वती पंडालः सौरभ बनौधा (सोनभद्र) बंसी वाद्यवृंद, श्वेता दुबे (वाराणसी) भजन गायन, श्रुति मालवीय (लखनऊ) भजन/लोकगायन, पद्मश्री रामदयाल शर्मा (दिल्ली) कृष्ण सुदामा नौटंकी।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए अखाड़ा वॉक-टूर

प्रशिक्षित विशेषज्ञ और गाइड कराएंगे अखाड़ा वॉक-टूर

महाकुंभ नगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

तीर्थराज प्रयागराज में संगम तट पर लगने वाले दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 का आरंभ हो चुका है। पवित्र नदी गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर होने वाले आस्था के इस महा आयोजन में 26 फरवरी तक करोड़ों लोग डुबकी लगाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए यूपीएसटीडीसी ने विभिन्न पैकेज तैयार किए गए हैं। इन्हीं में से एक है अखाड़ा वॉक-टूर पैकज, जिसकी फीस 2000 रुपए निर्धारित की गई है। उत्तर प्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (यूपीएसटीडीसी) परेड ग्राउंड के टेंट कॉलोनी से सुबह सात बजे से वॉक-टूर शुरू करेगा और 09:30 बजे तक ढाई घंटे में विभिन्न अखाड़ों का भ्रमण कराएगा। इन अखाड़ों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। भ्रमण के लिए कम से कम पांच लोगों का ग्रुप होना चाहिए।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं, पर्यटकों की सुविधा के लिए तथा प्रयागराज मेले की विहंगम दृश्य अवलोकन के लिए इसकी शुरूआत की गई है। अखाड़ा वॉक-टूर देसी विदेशी श्रद्धालुओं को प्रयागराज की प्राचीनता और बदलते स्वरूप तथा कुंभ क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक स्थलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

इसके लिए विशेषज्ञ तथा गाइड की व्यवस्था की गई है। आखाड़ा वाक करने वाले कम से कम 05 लोग यूपीएसटीडीसी पर बुकिंग कराकर अखाड़ा वॉक टूर में शामिल हो सकते हैं।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (यूपीएसटीडीसी) ने श्रद्धालुओं/पर्यटकों की सुविधा के लिए कांबो पैकेज भी लांच किया है। 3500 रुपए में अखाड़ों के साथ-साथ नागा साधुओं, अघोरी संप्रदाय और कल्पवासियों को करीब से देखने-समझने का अवसर प्राप्त होगा। कांबो टूर पैकेज के तहत प्रतिदिन सुबह 07:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक भ्रमण कराया जा रहा है। इसकी समय अवधि करीब 5 घंटे की है। इसकी शुरुआत परेड ग्राउंड के टेंट कॉलोनी से होगी। टूर के दौरान प्रतिभागियों को वॉक एक्सपर्ट, मेले का नक्शा, एक प्रिंटेड हैंडआउट, इको-फ्रेंडली कैरी बैग तथा 01 बोतल मिनरल वाटर उपलब्ध कराया जाएगा।

जयवीर सिंह ने बताया कि इन अखाड़ों के बारे में संक्षिप्त जानकारी भी प्रसारित कराई जा रही है। इन अखाड़ों में श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा भारत के सबसे प्रमुख और प्राचीन अखाड़ों में से एक है, जिसका हिंदू संन्यासी परंपरा में महत्वपूर्ण स्थान है। श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी सबसे प्रभावशाली अखाड़ों में से एक, जो हिंदू धर्म के शैव संप्रदाय से संबंधित है। श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी का इतिहास एक सहस्त्राब्दी से भी अधिक पुराना है। श्री पंच अटल अखाड़ा इस अखाड़े का इतिहास लगभग 1,400 वर्षों से अधिक पुराना है। दशनामी संन्यास परंपरा के सात अखाड़ों में से एक, अटल अखाड़ा भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत में विशेष स्थान रखता है। श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा देश के 13 प्रमुख अखाड़ों में से एक, जो दशनामी सन्यास परंपरा का हिस्सा है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि श्री तपोनिधि आनंद अखाड़ा पंचायती शैव संप्रदाय के सात प्रमुख अखाड़ों में से एक, अपनी अद्वितीय संरचना और महत्वपूर्ण परंपराओं के लिए विख्यात है। श्री पंचदशनाम आवाहन अखाड़ा इसे 6वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित किया गया था। यह ऐतिहासिक अखाड़ा काशी के दशाश्वमेध घाट पर स्थित है। श्री पंचदशनाम अग्नि अखाड़ा इसे श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा भी कहा जाता है। शैव संप्रदाय में अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता है। अग्नि अखाड़ा अपनी विशिष्ट प्रथाओं और रीति-रिवाजों का पालन करता है। श्री दिगंबर अनी अखाड़ा-बैरागी वैष्णव संप्रदाय के तीन प्रमुख अखाड़ों में से एक है। यह अपनी समृद्ध परंपराओं और विशिष्ट प्रथाओं के लिए प्रसिद्ध है। श्री निर्वाणी अनी अखाड़ा-संत अभयराम दास जी द्वारा स्थापित यह अयोध्या के सबसे प्रभावशाली अखाड़ों में से एक है।

जयवीर सिंह ने बताया कि इसी प्रकार श्री पंच निर्मोही अनी अखाड़ा संत रामानंद द्वारा स्थापित हिंदू संप्रदाय का प्रमुख अखाड़ा है। यह सादगी, ब्रह्मचर्य और प्रभु श्रीराम की भक्ति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन-सन 1825 में हरिद्वार में स्थापित, उदासीन संप्रदाय का एक प्रमुख संस्थान है। इसकी स्थापना निर्वाण बाबा प्रीतम दास महाराज ने की थी। श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन इसे उदासीन पंचायती नया अखाड़ा भी कहा जाता है। 1913 से अखाड़ा अपने संप्रदाय का प्रतिनिधित्व कर रहा है। श्री निर्मल पंचायती अखाड़ा की स्थापना 1862 में हुई थी। अखाड़े का इतिहास सिख मठवासी परंपराओं के विकास और समेकन को दर्शाता है।

10 देशों का दल महाकुंभ का भ्रमण करेगा

21 अंतर्राष्ट्रीय मेहमान गुरुवार को संगम में लगाएंगे डुबकी

महाकुंभनगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

योगी सरकार द्वारा भव्य और दिव्य महाकुंभ का आयोजन अब पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को 10 देशों का 21 सदस्यीय दल संगम में पवित्र डुबकी लगाएगा।

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के एक्सटर्नल पब्लिसिटी एंड पब्लिक डिप्लोमेसी डिवीजन द्वारा आमंत्रित 10 देशों का 21 सदस्यीय दल बुधवार को पहुंच रहा है। इस दल के आवास की व्यवस्था अरैल क्षेत्र स्थित टेंट सिटी में की गई है, जिसे उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा निर्मित किया गया है।

बुधवार को दल के महाकुंभ मेला क्षेत्र में भ्रमण का कार्यक्रम है।

शाम 5:00 बजे से 6:30 बजे तक हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया है, जिसमें दल के सदस्य प्रयागराज की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अनुभव करेंगे। रात में टेंट सिटी में रात्रि भोजन और विश्राम की व्यवस्था की गई है। अंतरराष्ट्रीय दल गुरुवार, 16 जनवरी को सुबह 8:00 बजे त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाएगा। इसके बाद नाश्ते के पश्चात 9:30 बजे दल के सदस्यों को हेलीकॉप्टर से महाकुंभ क्षेत्र का हवाई अनुभव कराया जाएगा। भ्रमण कार्यक्रम दोपहर 1:30 बजे समाप्त होगा और दल एयरपोर्ट के लिए रवाना होगा। इस अंतरराष्ट्रीय दल में फिजी, फिनलैंड, गयाना, मलेशिया, मॉरीशस, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधि शामिल हैं।

भूरागढ़ में शहीदों की याद में 3330 दीप प्रज्जवलित

बांदा, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

सैनिक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के ऐतिहासिक भूरागढ़ दुर्गा प्रांगण में स्थित अमर जवान शहीद स्मारकों में बुधवार की शाम प्रत्येक शहीद की याद में 3330 दीप प्रज्जवलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में राजनीतिज्ञों, विद्वानों , कलाकारों ,साहित्यकारों ,अधिवक्ताओं और पत्रकारों सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों व गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। जन समुदाय ने देश की आजादी में और आजाद देश के विभिन्न युद्धों व आपरेशन में राष्ट्र के लिए शहीद हुए राष्ट्र भक्तों की स्मारकों में पुष्प,माला,रीथ आदि अर्पित कर उन्हें सलामी दी।

शंकराचार्य ने किया गो प्रतिष्ठा यज्ञ का उद्घाटन

महाकुंभनगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने बुधवार को यहां सुबह सेक्टर 19 में मोरी मार्ग पर स्थित शंकराचार्य शिविर में पहुंच कर गो प्रतिष्ठा महायज्ञ का उद्घाटन किया। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्र कृष्ट मात्रा में याज जहां होते हैं, ऐसे प्रयागराज की पावन भूमि पर गो को राष्ट्रमाता के पद पर प्रतिष्ठा करने के लिये गाय की रक्षा के लिये एवं गायों को पुष्ट करने के लिये एक महीने तक एक बहुत बड़ा यज्ञ प्रयागराज कुम्भ में शुरू हुआ। इस महायज्ञ में 324 कुंडीय यज्ञ, जिसमें सवा तीन करोड़ आहुतियां दी जायेंगी।

बहराइच में तेंदुये ने बनाया मासूम को शिकार

बहराइच, 15 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के ग्राम पंचायत उर्रा के तमोलिनपुरवा गांव में बुधवार को एक तेंदुए ने कक्षा दो की छात्रा पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गयी। सूत्रों के अनुसार, बैजनाथ अपने परिवार के साथ खेत में काम करने गए थे। इस दौरान तेंदुआ गन्ने के खेत में छिपा हुआ था। जैसे ही आठ वर्षीय छात्रा शालिनी ने खेत में कदम रखा, तेंदुआ अचानक हमला कर दिया और उसे अपने जबड़े में दबोचकर गन्ने के खेत में ले गया। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य दौड़े और तेंदुए को भगाने की कोशिश की। घटना के बाद छात्रा अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ चुकी थी। यह सुनकर परिवार में मातम छा गया और गांव के सैकड़ों लोग वहां इकट्ठा हो गए। वन विभाग के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और डीएफओ को सूचित किया।

दूरदराज के इलाकों में रेलवे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में चुनौतियाँ

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेलवे देश की जीवन रेखा है और वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े और सबसे जटिल रेल नेटवर्क में से एक है। यह यात्रियों और माल के परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हालाँकि, इसके बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा, विशेष रूप से दूरदराज के इलाकों में, चुनौतियों का एक अनूठा समूह प्रस्तुत करती है। परिचालन दक्षता बनाए रखने, तोड़फोड़ को रोकने और व्यवधानों के जोखिम को कम करने के लिए यात्रियों और माल दोनों के लिए रेलवे परिसंपत्तियों की सुरक्षा आवश्यक है। इस लेख में, हम दूरदराज के इलाकों में रेलवे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में रेलवे सुरक्षा बल (ठझत्र) के सामने आने वाली प्राथमिक चुनौतियों का पता लगाते हैं।

दूरदराज के इलाकों में अक्सर महत्वपूर्ण भौगोलिक बाधाएँ होती हैं, जैसे कि कठिन इलाके, जंगल, पहाड़ और रेगिस्तान। इन स्थानों तक पहुँचना आम तौर पर कठिन होता है, जिससे रेलवे लाइनों पर प्रभावी ढंग से गश्त करना मुश्किल हो जाता है। इलाके की ऊबड़-खाबड़ता किसी भी तोड़फोड़ या सुरक्षा उल्लंघन के मामले में सुरक्षा कर्मियों या आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों की तैनाती में भी देरी कर सकती है। यह विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों, जम्मू और कश्मीर और मध्य भारत के कुछ हिस्सों जैसे क्षेत्रों में समस्याग्रस्त है, जहाँ पटरियाँ घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरती हैं। इसके अलावा, रेलवे के कुछ बुनियादी ढाँचे, जैसे पुल, सुरंग और स्टेशन, दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित हैं जो भूस्खलन, बाढ़ या भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के लिए अतिसंवेद-नशील हैं। इससे न केवल मानवीय खतरों से सुरक्षा करना बल्कि ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बुनियादी ढाँचे की स्थायित्व और अखंडता सुनिश्चित करना भी एक चुनौती बन जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से निकटता : बनिहाल, निश्चिन्तपुर (त्रिपुरा), दीमापुर और जुब्ज़ा जैसे कई दूरदराज के रेलवे स्थान अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के करीब स्थित हैं। सीमा पार तस्करी, उग्रवाद का फैलाव और पड़ोसी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध सीधे रेलवे संचालन और सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं।

दूरदराज के क्षेत्रों में रेलवे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा एक बहुआयामी चुनौती है जिसके लिए रणनीतिक योजना, मजबूत तकनीक और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों, स्थानीय समुदायों और रेलवे अधिकारियों के बीच व्यापक सहयोग की आवश्यकता होती है। जबकि रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों और रेलवे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इन चुनौतियों पर काबू पाने के लिए तकनीकी नवाचार, संसाधन अनुकूलन और सामुदायिक समर्थन के संयोजन की आवश्यकता होती है। इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए, अधिक एकीकृत निगरानी प्रणालियों, स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय और उन्नत बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है जो दूरदराज के क्षेत्रों द्वारा उत्पन्न पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर सकें। प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और संसाधन परिनियोजन में निवेश जारी रखने से, भारतीय रेलवे अपने बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और लचीलापन बढ़ा सकता है, जिससे देश भर में यात्रियों और माल के लिए सुरक्षित और सुचारू संचालन सुनिश्चित हो सके।

न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल बने तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल को तेलंगाना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश सुजॉय पॉल को अधिकारिक रूप से मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की है ।

यह नियुक्ति वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आलोक अराधे के बॉम्बे उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरण के बाद हुई है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में यह घोषणा की गई कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 223 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तेलंगाना उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल को तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। यह निर्णय तेलंगाना उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आलोक अराधे के बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्थानांतरण के बाद लिया गया है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 223 राष्ट्रपति को किसी भी अवर न्यायाधीश को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने का अधिकार देता है, जब किसी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद रिक्त हो या जब वर्तमान मुख्य न्यायाधीश किसी कारणवश अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में असमर्थ हों। इससे पहले दिन में केंद्र ने जस्टिस आलोक अराधे को बॉम्बे हाई कोर्ट का नया चीफ जस्टिस नियुक्त करने की भी घोषणा की। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इस तबादले की सिफारिश की थी, जिसे राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया।केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है, भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद, तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आलोक अराधे को बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित करते हैं।

13 अप्रैल 1964 को जन्मे न्यायमूर्ति आलोक अराधे को दिसंबर 2009 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। वे फरवरी 2011 में स्थायी न्यायाधीश बने और बाद में 23 जुलाई 2023 को तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभाला।

21 जून, 1964 को जन्मे न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल के पास बी.ए., एम.ए. और एल.एल.बी. की डिग्री है। वे 1990 में मध्य प्रदेश बार काउंसिल में शामिल हुए और उन्होंने बैंकों, मानवाधिकार आयोग और अन्य बोर्डों सहित विभिन्न संगठनों में अपनी सेवाएं दी हैं।

न्यायमूर्ति पॉल ने 27 मई, 2011 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में अपना न्यायिक करियर शुरू किया और 14 अप्रैल, 2014 को उन्हें स्थायी न्यायाधीश बनाया गया। 21 मार्च, 2024 को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के आधार पर उन्हें तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित किया गया।

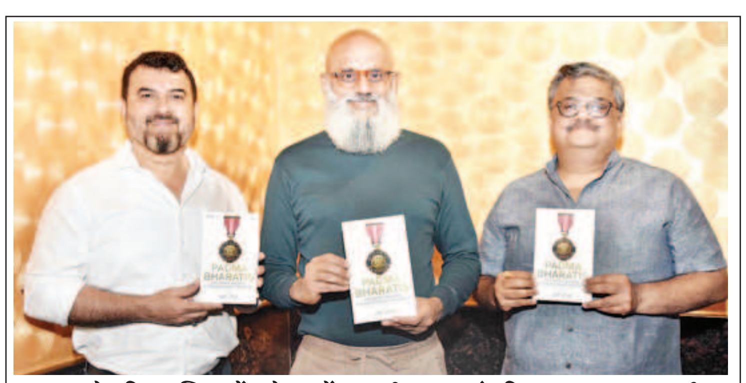

बुधवार को एबिड्स स्थित ग्रैंड होटल में जय जीना द्वारा संकलित पुस्तक पद्मा भारती – निबंधों का संग्रह के लोकार्पण के अवसर पर इंडिका पब्लिशर्स के संस्थापक हरि किरण वडलमणि और ग्रैंड होटल के प्रबंध निदेशक जलील अफरोज एवं अन्य।

राधे राधे ग्रुप द्वारा प्रयागराज महाकुंभ में जरूरतमंदों में 300 कम्बल वितरित किये गये। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य एवं ब्रिज मंडली के सदस्य उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को राधे राधे ग्रुप व हरचंद्रा कौशल्यादेवी अग्रवाल परिवार (पटवारी फार्मा) की ओर से नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

केबीआर पार्क स्थित इच्छापूर्ति गणेश में भगवान गणेश जी की पूजा-अर्चना करते हुए राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, प्रताप रेड्डी, संतोष अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, विजया रानी, गोपाल बल्देवा, प्रवीण अग्रवाल, अशोक कुमार लखोटिया, शंकर लाल अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, पी.सी. जैन, विजय अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार सरायवाला, दीपक सरायवाला, विनोद तिकमनी, डॉ. गुप्ता, अशोक रुंगटा आदि उपस्थित थे।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का रक्तदान शिविर 19 को

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का रक्तदान शिविर आगामी रविवार दि.19 जनवरी को वैदिक वाचनालय, घाँसीबाज़ार में आयोजित किया जाएगा।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंदलाल अग्रवाल ने बताया कि यह कैम्प नीलोफर अस्पताल, रेड हिल्स के सहयोग से किया जा रहा है । कैम्प प्रातः 9.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक चलेगा। जिसमें अल्पाहार, भोजन, जूस, चाय, पानी आदि की व्यवस्था रहेगी। उक्त शिविर के मुख्य संयोजक एडवोकेट हेमा मालिनी तायल (9246364212), मनीष अग्रवाल (9246571921), मुकुंद लाल अग्रवाल (9396222880) से संपर्क किया जा सकता है । पिछले कई वर्षों से नीलोफर हॉस्पिटल में ट्रस्ट द्वारा भेजे गए कई मरीजों को उपचार निशुल्क एवं विशेष ध्यान रखकर किया गया। उक्त कैम्प के संदर्भ में ट्रस्ट की एक बैठक सम्पन्न हुई।

जिसमे ई.एन.टी. हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट डॉक्टर आनंद, डॉक्टर मनीषा के अतिरिक्त माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट के मुकुंद लाल अग्रवाल, गोवर्धन लाल अग्रवाल, विनय किशोर तायल, अशोक कुमार तायल, गोविंद लाल अग्रवाल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, संतोष गोयल, मधु गोयल, सीमा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, उमा तायल, निर्मला अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, सपना तुलसियान, रेखा तुलसियान, प्रीति अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल एवं एडवोकेट हेमा मालिनी तायल ने ट्रस्ट के सभी सदस्यों को उपस्थित रहकर कैम्प को सफल बनाने का आग्रह किया तथा अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु निवेदन किया।

मकर संक्रांति के अवसर पर महादेव हनुमान मंदिर, चुड़ी बाजार में संक्रांति त्यौहार मनाया गया। कार्यक्रम में पी. गोपाल राव (चेयरमैन), सुनील साहू, पवन, पी. मेट्टू वेंकटेश, बजरंग गोप, अनिल कुमार, कमल महाराज एवं अन्य उपस्थित थे।

मकर संक्रांति पर जानलेवा हुआ पतंग का तांता

प्रतिबंधित मांझे से एक की मौत, तीन लोग घायल

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में मकर संक्रांति के उत्सव के दौरान पतंग के मांझे, जिसे मांजा कहते हैं, से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में एक पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोग घायल हो गए। मंगलवार और बुधवार को हुई ये घटनाएं पतंगबाजी के त्यौहारों के दौरान अवैध पतंग के मांझे, खास तौर पर चीनी मांझे के इस्तेमाल से होने वाले खतरों को उजागर करती हैं । पीड़ितों में से एक, लंगर हाउस ट्रैफिक पुलिस स्टेशन से जुड़ा एक पुलिस कांस्टेबल , नारायणगुडा फ्लाईओवर पर दोपहिया वाहन चलाते समय पतंग से निकले मांझे के धागे से गले में गंभीर चोट लग गई। स्थानीय राहगीरों ने कांस्टेबल को इलाज करवाने में मदद की और अस्पताल में इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। उसकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

रंगारेड्डी में पतंग उड़ाते समय गिरकर व्यक्ति की मौत

पुलिस ने कहा कि रंगारेड्डी जिले के मीरपेट पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत संक्रांति त्योहार मनाने के लिए पतंग उड़ाते समय 39 वर्षीय एक व्यक्ति की जान चली गई।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 14 जनवरी को शाम करीब 5:45 बजे हुई, जब मृतक महेश नामक एक निजी कर्मचारी अपने घर के सामने वाली इमारत में दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ पतंग उड़ाते समय अपना संतुलन खो बैठा। वह तीसरी मंजिल से गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

महेश को तुरंत अपोलो डीआरडीओ अस्पताल ले जाया गया , जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी पत्नी की शिकायत के आधार पर मीरपेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। मामले में और जानकारी का इंतजार है। निजामाबाद जिले के नवीपेट में एक अन्य घटना में, मंगलवार शाम को दोपहिया वाहन चलाते समय पतंग की डोर से गला कटने के बाद 30 वर्षीय एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुधवार को, यादगिरिगुट्टा में एक अधेड़ व्यक्ति की गर्दन पर भी हल्की चोट लगी, जब पतंग की डोर उसके गले में उलझ गई और वह अपने वाहन से गिर गया।ये घटनाएं जनवरी 2024 में हुई एक दुखद मौत के बाद हुई हैं, जब दोपहिया वाहन चलाते समय पतंग की डोर से कथित तौर पर एक व्यक्ति का गला कट गया था।

व्हाइट कोट समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु नानक होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ने अपने मेडिकल छात्रों के आने वाले बैच के लिए एक महत्वपूर्ण व्हाइट कोट समारोह की मेजबानी की, जो होम्योपैथिक चिकित्सा के क्षेत्र में उनकी यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है। समारोह कालेज परिसर में हुआ। उक्त कार्यक्रम, जो मेडिकल छात्रों के शैक्षणिक जीवन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, इसमें सम्मानित संकाय, कर्मचारी और नव प्रवेशित छात्रों के साथ-साथ उनके परिवार भी शामिल हुए। व्हाइट कोट समारोह छात्रों के कक्षा से दैनिक वातावरण में संक्रमण के साथ-साथ चिकित्सा नैतिकता और व्यावसायिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

मुख्य अतिथि और गुरु नानक होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के उपाध्यक्ष और गुरु नानक विश्वविद्यालय के चांसलर जी.एस. कोहली ने व्हाइट कोट समारोह में अपने संबोधन में महत्वाकांक्षी चिकित्सा पेशेवरों के जीवन में इस मील के पत्थर के गहन महत्व पर जोर दिया।

भाषण के दौरान, गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस के प्रबंध निदेशक और गुरु नानक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचएस सैनी ने एक मजबूत शैक्षिक ढांचा प्रदान करने के लिए संस्थान के समर्पण पर प्रकाश डाला, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करें, बल्कि दयालु और सक्षम बनने के लिए आवश्यक गुण भी विकसित करें जिससे स्वास्थ्य रक्षक सुविधाएं प्रदान करने वाले तैयार हो सके। इस आयोजन ने आने वाले छात्रों को अपने साथियों, संकाय सदस्यों और सलाहकारों के साथ जुड़ने और स्वास्थ्य सेवा में कैरियर बनाने की चुनौतियों और पुरस्कारों पर विचार करने का अवसर भी प्रदान किया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No. 6945665K NK VIKASH KUMAR of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my father Name is changed from **PARASH SINGH** to **PARAS NATH SINGH** and my mother name is changed from **VIDY DEVI** to **SMT VIDYA DEVI**.

CHANGE OF NAME
I, No. 6942915 P ACP NB SUB LINEESH T of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my father Name is changed from **SH M BALAN** to **MANIYATH BALAN** and my mother name is changed from **T RAGITHA** to **RAJITHA PERUMBADA VENGILATT**.

CHANGE OF NAME
I, No. 15815092H Hav PARMOD KUMAR of 1 TRG bn, Aoc Centre, Secunderabad TS that my father Name is changed from **RAGHUBIR SINGH** to **RAGHBIR SINGH MOR** and my mother name is changed from **KAMALA DEVI** to **KAMLA**.

CHANGE OF NAME
I, No. 15813182L SEP VISHAL DINKER PAWAR of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Daughter Name is changed from **RITISHA** to **RITISHA VISHAL PAWAR**.

CHANGE OF NAME
I, POONAM SHARMA Service No JC 734497F Nb Sub Anoop Sharma, R/o.758, Ranjit Enclave, Near Ram baghmandir, Deep Nagar, Jalandhar Cantt, Jalandhar, Punjab-144005 have changed my name from **POONAM SHARMA** to **POONAM** vide affidavit dt:15-01-2025 before RAMESH, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6945743W Nk Santosh Kumar of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my son name is to be changed from **SUBHRANSHU KUMAR** to **SUBHARANSHU KUMAR**.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6941677F Hav Dayanand of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my son name is changed from **AVINASH** to **AVINASH SINGH**.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6945906Y Nk Sombabu Devara of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my mother is changed from **DEVARA APPALA KONDA** to **DEVARA APPALA KONDAMM**.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 15675814K Hav Vinod Kumar V, Resident of Nandanam, KakkatMaidkai Village, Po:Nileshwar, Teh:Hosdurg, Dist:Kasaragod, Kerala-671314 hereby declare that my father name and DOB is changed from **V KUNHAMAN**, DOB: **01-07-1947** to **KUNHAMAN V**, DOB:**07-08-1945** and also changed my mother name and DOB from **V JANAKI**, DOB:**01-07-1957** to **JANAKI V**, DOB:**15-08-1960** vide affidavit dt:13-1-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

आईटीसी ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए डीपीआईआईटी के साथ साझेदारी की

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

नई दिल्ली,15 जनवरी (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत के अग्रणी व्यापार समूहों में से एक आईटीसी लिमिटेड के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की है। डीपीआईआईटी ने उद्यमिता और नवाचार को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए यह अहम कदम उठाया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह समझौता ज्ञापन (एमओयू) विशेष रूप से गतिशील साझेदारी का माहौल तैयार करेगा, जिसमें आईटीसी के व्यापक बाजार नेटवर्क के विशाल अनुभव और विशेषज्ञता देशभर में स्टार्टअप्स को सहयोग देने में डीपीआईआईटी की पहल का पूरक बनेगी। यह सहयोग देशभर में स्टार्टअप्स के लिए सुगठित बाजार सृजित करने और स्टार्टअप विकास तथा तकनीकी प्रगति में तेजी लाने के साझा दृष्टिकोण के अनुरूप है।

मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि इस साझेदारी के तहत आईटीसी, विनिर्माण निष्पादन प्रणालियों (एमईएस) के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, विनिर्माण स्थलों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा अवसरों का संयोजन, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में स्टार्टअप समाधान उपलब्ध कराएगा। इस सहयोग का उद्देश्य देशभर में स्टार्टअप के लिए उद्यमिता, तकनीकी उन्नति और बाजार के अवसरों को बढ़ावा देना है। इस प्रो-स्टार्टअप पहल के बारे में डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के साथ संरेखित है। इसके अलावा यह नवाचार-आधारित उद्यमिता द्वारा समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देकर विजन 2047 की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में खुदरा महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। इसके पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क होकर कारोबार करते नजर आए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,842.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,578.23 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,201.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,423.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 138.48 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,271.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अब पीएफ कर्मचारी खुद सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए कर सकेंगे केवाईसी

नई दिल्ली। एंप्लॉयी प्रॉविडेंट फंड (ईपीएफ) के सब्सक्राइबर्स के लिए अहम बदलाव होने वाले हैं। अब कर्मचारियों को पीएफ केवाईसी कराने के लिए एचआर डिपार्टमेंट से अप्रूवल की जरूरत नहीं होगी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने घोषणा की है कि जून 2025 से वह कर्मचारी खुद से सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए केवाईसी कर सकेंगे, जिससे कंपनी के चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे। इस बदलाव से पीएफ से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाया जाएगा, खासकर तब जब कंपनियां बंद हो जाती हैं और केवाईसी की वजह से पीएफ क्लेम अटक जाते हैं। यह कदम ईपीएफओ 3.0 का हिस्सा होगा, जो इस साल लॉन्च किया जाएगा। इस नई योजना में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा और रोजगार आधारित योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा, जिससे ईपीएफओ का कामकाज और भी आसान होगा। ईपीएफओ 3.0 के लॉन्च से अनुमान लगाया है कि पीएफ सब्सक्राइबर्स की संख्या में बढ़ोतरी होगी, जो वर्तमान में करीब आठ करोड़ है और यह 10 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसके अलावा फंड निकालने की प्रक्रिया भी सरल हो जाएगी। ईपीएफओ के नए नियमों के तहत बैंकों के साथ मिलकर सब्सक्राइबर्स को एक तय सीमा तक बिना किसी आवेदन के सीधे अपने खाते से फंड निकालने की सुविधा दी जा सकती है, जिससे पीएफ के सब्सक्राइबर्स को अपनी मेहनत की कमाई निकालने में आसानी होगी।

अमेरिकी एसईसी ने ट्विटर के स्वामित्व हिस्सेदारी के विलंबित प्रकटीकरण को लेकर एलन मस्क पर केस दर्ज किया

नई दिल्ली। दुनिया के दिग्गज अरबपति एलन मस्क डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण से कुछ ही दिन पहले अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा कानूनी जांच के घेरे में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने साल 2022 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) का अधिग्रहण किया था। हालांकि, अब उस डील को लेकर एलन मस्क मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। अमेरिका के बाजार के नियामक आयोग सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने एलन मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर कराया है। एसईसी का आरोप है कि एलन मस्क ने एक्स खरीदने से पहले ही उसके शेयर खरीद लिये थे, लेकिन मस्क ने एसईसी को इस बात की जानकारी नहीं दी थी। नियमों के उल्लंघन के चलते एसईसी ने एलन मस्क के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। एलन मस्क ने साल 2022 की शुरुआत से ही ट्विटर के शेयर खरीदने शुरू कर दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2022 तक एलन मस्क के पास ट्विटर के 5 फीसदी से ज्यादा शेयर थे। शिकायत में कहा गया है कि एलन मस्क ने 4 अप्रैल तक इसका खुलासा नहीं किया था, जो नियमों का उल्लंघन है। मस्क ने अक्टूबर 2022 में ट्विटर का अधिग्रहण किया और बाद में उसका नाम बदलकर 'एक्स' कर दिया था।

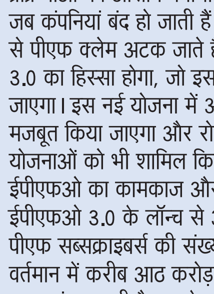

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विस्तारवाद नहीं ...

भारत ने हमेशा खुले, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिन्द प्रशांत क्षेत्र का समर्थन किया है। भारत पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र में पहले मदद का हाथ बढ़ाने वाले देश के रूप में उभरा है। जल हो, थल हो, नभ हो या गहरा समुद्र या असीम अंतरिक्ष हर जगह भारत अपने हितों को सुरक्षित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन भारत की समुद्री विरासत, नौसेना के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए एक बड़ा दिन है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने भारत में नौसेना को एक नई ताकत और दृष्टि दी। उन्होंने कहा कि आज सरकार ने शिवाजी महाराज की भूमि पर 21वीं सदी की भारतीय नौसेना को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

श्री मोदी ने कहा, आज का कार्यक्रम हमारी गौरवशाली विरासत को हमारी भविष्य की आकांक्षाओं से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत का लंबी समुद्री यात्राओं, वाणिज्य, नौसेना रक्षा और जहाज उद्योग से जुड़ा एक समृद्ध इतिहास है। इस समृद्ध इतिहास से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने कहा कि आज का भारत दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आज लॉन्च किए गए प्लेटफॉर्म उसी की एक झलक दिखाते हैं। प्रधानमंत्री ने चोल वंश की समुद्री शक्ति को समर्पित आईएनएस नीलगिरि और सूरत युद्धपोत सहित नए प्लेटफार्मों के लॉन्च का उल्लेख किया, जो उस युग की याद दिलाता है जब गुजरात के बंदरगाह भारत को पश्चिम एशिया से जोड़ते थे। उन्होंने कुछ साल पहले पहली पनडुब्बी कलवरी के कमीशन के बाद पी 75 श्रेणी की छठी वाग्शीर पनडुब्बी के कमीशन का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये नए प्लेटफॉर्म भारत की सुरक्षा और प्रगति दोनों को बढ़ाएंगे।

वैश्विक सुरक्षा, अर्थशास्त्र और भू-राजनीतिक गतिशीलता को आकार देने में भारत जैसे समुद्री राष्ट्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए, प्रधान मंत्री ने आर्थिक प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय समुद्री सीमा की रक्षा, नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और व्यापार आपूर्ति लाइनों और समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्र को आतंकवाद, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी से बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री मोदी ने समुद्र को सुरक्षित, समृद्ध बनाने, रसद दक्षता बढ़ाने और शिपिंग उद्योग का समर्थन करने में वैश्विक भागीदार बनने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने दुर्लभ खनिजों और मछली स्टॉक जैसे समुद्री संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने और उन्हें प्रबंधित करने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। नए शिपिंग मार्गों और संचार के समुद्री मार्गों में निवेश के महत्व को ध्यान में रखते हुए और इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि भारत इस दिशा में लगातार कदम उठा रहा है।

उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में, भारतीय नौसेना ने सैकड़ों लोगों की जान बचाई है और हजारों करोड़ रुपये के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्गो को सुरक्षित किया है, जिससे भारत, भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल में वैश्विक विश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने आसियान, ऑस्ट्रेलिया, खाड़ी देशों और अफ्रीकी देशों के साथ भारत के आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर प्रकाश डाला, इसका श्रेय हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की उपस्थिति और क्षमताओं को दिया। उन्होंने सैन्य और आर्थिक दोनों दृष्टिकोणों से आज के आयोजन के दोहरे महत्व पर जोर दिया। इक्कसवीं सदी में भारत की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने और आधुनिक बनाने के महत्व पर जोर देते हुए श्री मोदी ने कहा, चाहे वह जमीन हो, पानी हो, हवा हो, गहरा समुद्र हो या अनंत अंतरिक्ष हो, भारत हर जगह अपने हितों की रक्षा कर रहा है।

अग्रिम मोर्चे के...

से होकर गुजरता है । भू-रणनीतिक कारणों से यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय शक्ति प्रतिद्वंद्विता का भी हिस्सा बन रहा है। यहां मादक पदार्थों की तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने, मानव तस्करी और आतंकवाद जैसी अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाता है। आईओआर में भारत के भू-रणनीतिक और आर्थिक हित बहुत लंबे समय से रहे हैं।

उन्होंने कहा, आज भी भारत का 95 प्रतिशत व्यापार इसी क्षेत्र से जुड़ा है। ऐसे में हिंद महासागर क्षेत्र में एक मजबूत भारतीय नौसेना की मौजूदगी हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाती है। आज तीन आधुनिक प्लेटफॉर्मों का चालू होना हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने

इस बात पर जोर दिया कि देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना हमेशा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की प्राथमिकता रही है । उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय रक्षा क्षेत्र में प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भरता' मंत्र को लागू करके आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, आईएनएस सूरत और आईएनएस नीलगिरि की 75 प्रतिशत से अधिक सामग्री भारत में ही विकसित की गई है। देश में निर्मित किए जा रहे अन्य प्लेटफॉर्मों में भी स्वदेशी सामग्री लगातार बढ़ रही है।

रक्षा आधुनिकीकरण पर, जो सरकार का एक और फोकस क्षेत्र है, रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि तीनों नौसेना के लड़ाकू जहाज अत्याधुनिक प्रणालियों/प्रौद्योगिकियों से पूरी तरह सुसज्जित हैं, जो इन प्लेटफार्मों को किसी भी स्थिति से निपटने में पूरी तरह सक्षम बनाता है। उन्होंने कहा, एक तरफ हम देश में ही बड़े प्लेटफॉर्म बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हमारा ध्यान कम लागत और उच्च प्रभाव वाली प्रणालियों पर है, जो कम समय में हमारे सशस्त्र बलों को अधिक शक्तिशाली बना सकती हैं। इस प्रकार, हमारे बलों के तेजी से आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में, हम एक संतुलित मिश्रण ला रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय में 2025 को सुधारों का वर्ष घोषित किए जाने पर, सिंह ने मंत्रालय और तीनों सेनाओं के लिए आवश्यक सुधारों पर काम करने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने वर्ष के अंत तक कई सुधारों को लागू करने का विश्वास व्यक्त किया, जो भारत के रक्षा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

भारत की...

पीएम मोदी ने कहा कि मैं अभी देख रहा था कि श्री श्री राधा मदनमोहन जी मंदिर परिषद की जो रूपरेखा है, इस मंदिर के पीछे जो विचार है, इसका जो स्वरूप है, उसमें अध्यात्म और ज्ञान की सम्पूर्ण परंपरा के दर्शन होते हैं। मंदिर में ईश्वर के विविध स्वरूपों के दर्शन होते हैं। मुझे विश्वास है कि यह मंदिर परिसर आस्था के साथ-साथ भारत की चेतना को भी समृद्ध करने का एक पुण्य केंद्र बनेगा। मैं इस पुनीत कार्य के लिए इस्कॉन के सभी संतो, सदस्यों और महाराष्ट्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज को याद करते हुए पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज इस मौके पर मुझे परम श्रद्धेय गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज का भावुक स्मरण भी हो रहा है। इस प्रोजेक्ट में उनका विजन जुड़ा हुआ है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अगाध भक्ति का आशीर्वाद जुड़ा हुआ है। आज वह भौतिक शरीर से भले ही यहां न हों, लेकिन उनकी आध्यात्मिक उपस्थिति हम सब महसूस कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि दुनियाभर में इस्कॉन के अनुयायी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की डोर से बंधे हैं। उन सबको एक-दूसरे से कनेक्ट रखने वाला एक और सूत्र है, जो चौबीसों घंटे हर भक्त को दिशा दिखाता रहता है। यह श्रील प्रभुपाद स्वामी के विचारों का सूत्र है। उन्होंने उस समय वेद-वेदांत और गीता के महत्व को आगे बढ़ाया जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा था। उन्होंने भक्ति वेदांत को जनसामान्य की चेतना से जोड़ने का अनुष्ठान किया। उन्होंने आगे कहा कि आज दुनिया के हर कोने में करोड़ों लोगों को उनकी तपस्या का प्रसाद मिल रहा है। श्रील प्रभुपाद स्वामी की सक्रियता और उनके प्रयास आज भी हमें प्रेरित करते हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं में बंधा भूमि का एक टुकड़ा मात्र नहीं है। भारत एक जीवंत धरती है, एक जीवंत संस्कृति है और इस संस्कृति की चेतना है- यहां का आध्यात्म! इसलिए, यदि भारत को समझना है, तो हमें पहले आध्यात्म को आत्मसात करना होता है। उन्होंने कहा कि जो लोग दुनिया को केवल भौतिक दृष्टि से देखते हैं, उन्हें भारत भी अलग-अलग भाषा और प्रांतों का समूह नजर आता है। लेकिन, जब आप इस सांस्कृतिक चेतना से अपनी आत्मा को जोड़ते हैं, तब आपको भारत के विराट रूप के दर्शन होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे संतोष है कि हमारी सरकार भी सेवा भावना के साथ पूरे समर्पण से लगातार देशवासियों के हित में काम कर रही है। हर घर में शौचालय बनवाना, हर गरीब महिला को उज्ज्वला का गैस कनेक्शन देना, हर घर तक नल से जल की सुविधा पहुंचाना, हर गरीब को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा देना, 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को इस सुविधा के दायरे में लाना, हर बेघर को पक्के घर देना, इसी सेवा भावना और समर्पण भाव के साथ किए गए कार्य हैं। जो मेरे लिए हमारी महान सांस्कृतिक परंपरा का प्रसाद हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा, सेवा की यही भावना सच्चा सामाजिक न्याय लाती है। सच्चे सेक्युलरिज्म का प्रतीक है। हमारी सरकार कृष्णा सर्किट के माध्यम से देश के अलग-अलग तीर्थों और धार्मिक स्थलों को जोड़ रही है। इस सर्किट का विस्तार गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और ओडिशा तक है।

चुनाव आयोग ...

याचिका में साल 1961 के चुनाव नियमों में संशोधन को चुनौती दी गई है। सीजेआई संजीव खन्ना और संजय कुमार की पीठ ने मामले की सुनवाई की है। बता दें कि 24 दिसंबर को अदालत के समक्ष दायर अपनी याचिका में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने तर्क दिया था कि चुनाव आयोग को 1961 के चुनाव संचालन नियम में इस तरह के बेशर्मी से और सार्वजनिक परामर्श के बिना एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि चुनाव नियम, 1961 में हाल ही में किए गए संशोधनों को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक रिट दायर की गई है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार संवैधानिक निकाय चुनाव आयोग को एकतरफा और बिना सार्वजनिक परामर्श के इस तरह के महत्वपूर्ण कानून में इस तरह से संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

राज्यसभा सांसद रमेश ने कहा कि ईसीआई की सिफारिशों के बाद 21 दिसंबर को पेश किया गया संशोधन चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने वाली आवश्यक जानकारी तक जनता की पहुंच को खत्म कर देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनावी प्रक्रिया की अखंडता तेजी से खत्म हो रही है।

कुंभमेला जा रहे ...

दूसरी ओर, बस को आग लगने की जानकारी मिलते ही केंद्रीय मंत्री बंडी संजय और मुथोल विधायक रामा राव पटेल तुरंत यूपी अधिकारियों से संपर्क किया। उन्होंने श्रद्धालु को उनके गृहनगर वापस भेजने के लिए अधिकारियों से बात की। विधायक रामाराव पटेल ने स्थानीय जिलाधीश और पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात की। उन्होंने अनुरोध किया कि श्रद्धालु को सुरक्षित रूप से तेलंगाना पहुंचाया जाए। उत्तर प्रदेश के वृंदावनम के अधिकारियों ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।। सभी श्रद्धाल-ओं को गृहनगर तक भेजने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं।

हालांकि, आग में बस और श्रद्धालुओं का सारा सामान जल गया। फिलहाल सभी श्रद्धालु उत्तर प्रदेश पुलिस और आरएसएस की सुरक्षा में हैं। सभी को भोजन और पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। आग में सब कुछ खो चुके श्रद्धालु को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। उत्तर प्रदेश के वृंदावन से श्रद्धालुओं को उनके गृहनगर भेजने की प्रक्रिया जारी हैं।

2000 करोड़ के शराब...

इसके बाद दोनों को कोर्ट में पेश करने से पहले मेडिकल चेकअप के लिए रायपुर के मेकाहारा अस्पताल ले जाया गया।

ईडी ने कवासी लखमा से उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट के साथ उपस्थित होने को कहा था, क्योंकि छापे में मिले सबूतों के आधार पर लेन-देन से संबंधित जानकारी मांगी जा रही थी। हालांकि, सीए की गैरमौजूदगी ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

बता दें कि ईडी ने 28 दिसंबर को कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश के ठिकानों पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान बड़े पैमाने पर नगद लेन-देन के सबूत मिले थे। 3 जनवरी को दोनों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया था। लेकिन बुधवार को पूछताछ के बाद ईडी ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही कवासी लखमा और हरीश लखमा को कोर्ट में पेश करेगा। इस मामले में ईडी की ओर से लगातार जांच और पूछताछ जारी है।

निया पुलिस निया...

आत्मसमर्पित नक्सलियों में एक दंपत्ति भी है। आत्मसमर्पित नक्सलियों ने पुलिस को बताया कि खोखली और अमानवीय माओवादी विचारधारा और वरिष्ठ कैडरों द्वारा निर्दोष आदिवासियों के शोषण से निराश होकर आत्मसमर्पण किया है। वे जिला पुलिस द्वारा शुरू किए गए 'निया पुलिस निया नार' (हमारा गांव, हमारी पुलिस) आत्मसमर्पण और पुनर्वास अभियान से भी प्रभावित हुए हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों में गांधी ताती उर्फ अरब उर्फ कमलेश (35वर्ष) और मैनू उर्फ हेमलाल कोर्राम (35वर्ष) नक्सलियों की डिविजनल कमेटी के सदस्य थे।आत्मसमर्पित दो अन्य नक्सलियों में रंजीत उर्फ लेकामी उर्फ अर्जुन (30 वर्ष) तथा उसकी पत्नी काजल(28 वर्ष)भी शामिल है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पड़ोसी बीजापुर जिले के निवासी कमलेश ने माओवादियों के माड़ डिवीजन और नेलनार क्षेत्र समिति में विभिन्न पदों पर काम किया था। आठ साल तक नारायणपुर के नेलनार इलाके में 50 से अधिक गांवों में आतंक का राज कायम रहा है। वह 2010 में तत्कालीन दंतेवाड़ा जिले (अब सुकमा में स्थित) में ताड़मेटला नरसंहार में कथित रूप से शामिल था, जिसमें 76 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई थी।

बीजेपी उम्मीदवार...

दरअसल, नई दिल्ली सीट से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे इगझ उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने बुधवार को नामांकन किया। पर्चा दाखिल करने से पहले प्रवेश वर्मा ने पूरे लाव-लश्कर के साथ यात्रा निकाली और समर्थकों के साथ पहुंचकर पर्चा दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने और पदयात्रा निकालने से पहले प्रवेश वर्मा ने मंदिर पहुंचकर त्रिशूल-गदा उठाया और भगवान के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने अपने हाथों से महिलाओं को जूते पहनाए। इसको लेकर आम आदमी पार्टी ने भी उन पर वोटर्स को लालच देने का आरोप लगाया था।अब थाना प्रभारी को लिखे पत्र में रिटर्निंग ऑफिसर ने कहा था, मैं यह बताना चाहता हूं कि डॉ। रजनीश भास्कर, एडवोकेट ने व्हाट्सएप पर शिकायत की है कि प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, भावी भाजपा उम्मीदवार, मंदिर मार्ग, पुलिस स्टेशन के पास वाल्मीकि मंदिर के धार्मिक परिसर में नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को जूते वितरित कर रहे हैं। शिकायतकर्ता ने दो वीडियो भेजे हैं, जिसमें प्रवेश साहिब सिंह वर्मा महिलाओं को जूते वितरित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो और शिकायत पहले ही सुबह 10:36 बजे आपके आधिकारिक व्हाट्सएप पर नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा भेजी जा चुकी है।

उन्होंने आगे कहा, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 (1) (ए) के अनुसार, किसी उम्मीदवार या उसके एजेंट या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उम्मीदवार या उसके चुनाव एजेंट की सहमति से किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का उपहार, प्रस्ताव या वादा करना भ्रष्ट आचरण के अंतर्गत आता है। इसलिए, यह निर्देश दिया जाता है कि मामले की तत्काल जांच की जाए और आचार सहिंता के उल्लंघन के लिए उचित कार्रवाई की जाए।प्रवेश वर्मा के महिलाओं को जूते पहनाने पर दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा,'बीजेपी दिल्ली के लोगों को खरीदना चाहती है। दिल्ली के लोगों का अपमान कर रही है। बीजेपी को क्या लगता है कि जूते बांटने से वो दिल्ली के लोगों को खरीद लेगी?'वहीं आम आदमी पार्टी ने भी वर्मा के महिलाओं को जूते पहाने वाला वीडियो एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, क्या चुनाव आयोग को लोकतंत्र की हत्या होती हुई नहीं दिख रही? एक तरफ नई दिल्ली विधानसभा से बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा खुलेआम सड़कों पर जूते बांट रहे। उसका फोटो और वीडियो बनवा रहे। वहीं दूसरी तरफ़ जिला निर्वाचन अधिकारी कह रहे हैं कि ऐसा कुछ हो ही नहीं रहा है। खुलेआम आचार संहिता के उल्लंघन के इस वीडियो के बाद भी अगर चुनाव आयोग इसपर कार्रवाई नहीं करता है तो फिर चुनाव और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का क्या मतलब रह जाता है।

तटरक्षक बल ने ...

यूटीएल प्रशासन, लक्षद्वीप से एक संकट कॉल का जवाब देते हुए, नाव मोहम्मद कासिम-2 के लापता होने के बारे में बताया गया, जिसमें 54 लोग (03 चालक दल, 09 पुरुष, 22 महिलाएं और 23 बच्चे) सवार थे, जो कवारत्ती से सुहेलीपार द्वीप के रास्ते पर थी। भारतीय तटरक्षक ने तेजी से एसएआर ऑपरेशन शुरू किया। आईएफबी को तटीय निगरानी प्रणाली के माध्यम से स्थित किया गया और 4.00 बजे आईसीजी जहाज ने 54 यात्रियों को सुरक्षित रूप से कवारत्ती वापस ला दिया।

आपराधिक समूहों के...

सिफारिश की है, जिसके पहले के आपराधिक संबंध और पृष्ठभूमि भी जांच के दौरान सामने आई थी। जांच समिति ने सिफारिश की है कि कानूनी कार्रवाई शीघ्रता से पूरी की जानी चाहिए।

बयान में आगे कहा गया है कि समिति ने प्रणालियों और प्रक्रियाओं में कार्यात्मक सुधार के साथ-साथ ऐसे कदम उठाने की सिफारिश की है जो भारत की प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत कर सकते हैं, और इस तरह के मामलों से निपटने में व्यवस्थित नियंत्रण और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित कर सकते हैं।

आईएसआई की...

अफगानिस्तान के हवाई इलाकों में पाकिस्तानी जासूस मंडरा रहे हैं।

जिन्ना के देश तथा अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के पीछे वजह यह भी मानी जा रही है कि तालिबान भारत के साथ संबंध बनाने की कोशिश कर रहा है। इस्लामाबाद ऐसा किसी कीमत पर नहीं चाहता। काबुल नई दिल्ली के निकट जाए, यह बात उसे हजम नहीं हो सकती।

पाकिस्तान की थानेदारी जैसी हरकतों को देखते हुए काबुल की सत्ता ने उसे धमकाया है उसकी संप्रभुता का सम्मान किया जाए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र में पिछले दिनों जिस प्रकार के हमले बोले थे उसे देखते हुए तालिबान की ओर से उसे यह चेतावनी दी गई है।

काबुल में पाकिस्तानी जासूसों के मंडराने के सुराग अफगानिस्तान के पूर्व उप राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह के निकट के लोगों ने दिए हैं। उनका दावा है कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी आईएसआई के लगभग 150 जासूस अफगानिस्तान के भीतर जासूसी कर रहे हैं, हवाई इलाकों पर खासतौर से नजर रखी जा रही है।इसके बरअक्स ऐसी रिपोर्ट भी सामने आई हैं जो बताती है कि पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई की काट के लिए अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत जिहादी गुट इस्लामिक स्टेट यानी आईएस को मजबूत बना रही है। आईएस जिन्ना के देश के फौजियों को ठिकाने लगा रही है।पूर्व उपराष्ट्रपति के निकट सूत्रों के अनुसार, आईएसआई के जासूसों के मुखबिर अफगानिस्तान एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और हवाई अड्डों पर मौजूद हैं। ये जासूस हवाई मार्गों तथा बाकी की चीजों की खुफिया जानकारी जमा करते हैं। एक जासूस का तो नाम, नंबर तक जारी किया गया है। यह जासूस मुख्य रूप से काबुल और आसपास के हवाई अड्डों, मंत्रालयों में मौजूद मुखबिरों से संपर्क में रहता है।रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2024 में मोहम्मद नाम के उक्त जासूस ने खोस्त के हवाई अड्डे के संचालन प्रबंध को लेकर तालिबान से संपर्क साधा था। हालांकि तालिबान इसके लिए राजी न हुए थे। फिर इसी मोहम्मद ने खोस्त हवाई अड्डे पर प्रोफेशनल कामगारों को तैनात करने को लेकर गुपचुप एक समझौता किया था। इस तरह मोहम्मद को हवाई अड्डों के साथ ही अन्य संवेदनशील ठिकानों की जानकारी मिलती रही है।जिन्ना के देश के ये जासूस काबुल स्थित पाकिस्तानी दूतावास से जुड़े हुए हैं। पिछले साल काबुल में भारतीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल के दौरे के वक्त से पाकिस्तान ने अपने जासूसों को और चुस्त करते हुए उनकी तादाद बढ़ाई है। शक है कि कई आईएसआई एजेंट तालिबान हुकूमत के बड़े नेताओं और अफसरों के साथ साठगांठ बनाए हुए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 16 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री बालाजी मंदिर में वैकुंठ एकादशी महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चारमीनार, चौक मैदान खाँ स्थित श्री बालाजी मंदिर में वैकुंठ एकादशी महोत्सव उत्साहपूर्वक एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ।यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्रृंगारम आत्रेय स्वामी एवं श्रृंगारम रमना महाराज ने बताया गया कि वैकंठ एकादशी महोत्सव के अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी का भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर में परमपद महोत्सव का आयोजन एवं गोदांमा कल्याण उत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।इस अवसर पर आत्रेय स्वामी द्वारा वैकुंठ एकादशी महोत्सव में सहयोग प्रदान करने वाले सभी कार्यकर्ताओं, दर्शन हेतु पधारे भक्तगणों तथा प्रशासन, पुलिस, जल विभाग, प्रेस मीडिया, प्रिंट मीडिया, बिजली विभाग, जीएचएमसी आदि के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया गया।

अग्र महिला समिति दोमलगुड़ा शाखा ने किया राष्ट्रपति निलयम का भ्रमण

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रपति निलयम में जारी पुष्प एवं बागवानी उत्सव के तहत अग्र महिला समिति दोमलगुड़ा शाखा द्वारा प्रकृति के वैभव व अन्य महत्वपूर्ण दर्शनार्थ स्थलों के बीच आनंद उठाया गया ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में मुख्य संयोजिका रश्मि अग्रवाल ने बताया कि 40 महिला सदस्यों ने आकर्षक स्थलों का अवलोकन किया एवं जीवंत पुष्प प्रदर्शनी, लोक एवं जनजातीय नृत्य प्रदर्शन आदि का आनंद लिया। इस अवसर पर शाखा द्वारा स्वादिष्ट अल्पाहार व कुल्हड़ वाली चाय का भी प्रबंध किया गया। कार्यक्रम की संयोजिकाएं- सरला अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, नेहा अग्रवाल ने कहा कि भविष्य में भी महिला समिति द्वारा अन्य महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों के दर्शनार्थ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे कि सभी लाभान्वित हो सके।

शाखा अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, मानद मंत्री योगेश अग्रवाल ने महिला समिति के संयोजिकाओं को इस कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की ।

सिरोही जैन महातीर्थ पावापुरी के ट्रस्टी व संरक्षक महावीरजी रामलालजी चौधरी व उनके बड़े भाई ने श्रीमती गुणवंतीदेवी पुखराजजी झालमचंदजी तातेड परिवार – करनराज, सुरेशचंद्र, दिनेशचंद्र, जैनरत्न व हींकार तीर्थ गुंटूर के ट्रस्टी रमेशचंद्र, डॉ. श्रवण मोदी, सुशील शाह, कैलाशचंद्र और महेशचंद्र का तिलक व पुष्पमाला से नवकारसी पर बहुमान व स्वागत किया।

सखी सहेली महिला शाखा गोशामहल का वार्षिक एवं संक्रांति उत्सव आज

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सखी सहेली महिला शाखा का वार्षिक एवं संक्रांति महोत्सव गुरुवार दि. 16 जनवरी को बशीरबाग स्थित विचपार्क में आयोजित की जा रही है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में फन म्यूजिक, मनोरंजन प्रतियोगिताएं एवं संक्रांति स्पेशल तम्बोला का आयोजन किया जाएगा। अवसर पर मध्याह्न भोजन की व्यवस्था भी रहेगी। सभी सदस्यों से आग्रह किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद लें। नॉन मेंबर्स भी उक्त कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा ने किया माल्यार्पण

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दोमलगुड़ा शाखा पदाधिकारीयों द्वारा अग्रसेन चौक बंजारा हिल्स स्थित समाजवाद के प्रणेता अग्रकुल शिरोमणि महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा की गई। श्री अग्रसेन महाराज जी की जय हो जयकारे के साथ सभी को प्रसाद दिया गया। शाखा द्वारा सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में मानद मंत्री योगेश अग्रवाल ने बताया कि महाराजा श्री अग्रसेन जी के आदर्शों को जीवन, समाज में लेकर चलना होग।

इस अवसर पर मंत्री योगेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, अक्षय अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, महिला समिति की संयोजिकाएं सरला अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, एवम् सदस्या दीपा गर्ग की

उपस्थिति रही व बच्चों में हुनर अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल ने भी आकर सहयोग दिया ।

जामबाग डिविजन के मुरलीधर बाग में बच्चों में पतंग वितरण करते हुए एवं पतंगबाजी में भाग लेते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल। अवसर पर मयूर, रघु कांबले, राज कुमार, रामकृष्ण, जगपति, अज्जू, अरविंद, महेश, नरसिंह, रवि, संदीप, सुधीर, मयूर, रघु, रामकृष्ण, संदीप, हरिनाथ, शिव, सर्री, साईराम एवं अन्य उपस्थित थे।

बाबा पूरणमल का जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भक्त पूरणमल बाबा चौरंगीनाथ का जागरण घांसीबाजार के रानी सती दादी मंदिर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भक्त पूरणमल सेवा समिति ने बाबा पूरणमल का सुंदर दरबार सजाया गया एवं भजन गायक विक्रम चंदन ने बाबा की स्तुति कर भजन सुना कर सभी श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर पंचमुखी हनुमान मंदिर, शारदा नगर, वनस्थलीपुर में जरूरतमंदों में कम्बल वितरित करते हुए कांग्रेस नेता एनके सिंह, केवल सिंह, सुर्यांश सिंह।

सिद्धिअंबर बाजार में मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित पतंगबाजी कार्यक्रम में पतंगबाजी का आनंद लेते हुए अशोक फेडरेशन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल। साथ में हैं अंजलि अग्रवाल, अनिरुद्ध अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, मोहक अग्रवाल, माहि, रिश्वत एवं अन्य।

दाम्माईगुड़ा स्थित रामपल्ली में शर्मा परिवार द्वारा आयोजित पतंग उत्सव में भाग लेते विकास शर्मा, आनंद शर्मा, ओमप्रकाश जाट, गुमानसिंह कानाराम जांगीड़, रामसिंह जाट, राम कुमार जांगिड़, कपिल शर्मा, रेखा देवी, कांता देवी, मधु शर्मा, शुभम शर्मा, कमलेश ग़ौटीया, गौतम शर्मा, आदित्य शर्मा, महावीर सिंह आलोक शर्मा एवं अन्य।

अत्तापुर में मकर संक्रांति के अवसर पर पतंगबाजी की धूम रही। लोगों ने अपने-अपने निवास पर जमकर पतंगबाजी की।

बुधवार को लड्डा परिवार द्वारा शमशाबाद स्थित बालाजी कन्वेंशन में सलासार श्याम महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें परिवारगण, इष्टमित्रों सहित सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने भाग लिया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

विजय नेहा टॉवर्स, बेगम बाजार में मकर संक्रांति के अवसर पतंगबाजी का आनंद लेते हुए श्री पहाड़ी श्याम मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, अमित गुप्ता, राकेश अग्रवाल, मुकेश लोया एवं अन्य।

सैदाबाद स्थित क्वालिटी लाइफ़ स्टाइल अपार्टमेंट के तत्वावधान में संक्रांति के अवसर पर अन्ना प्रसाद का आयोजन किया गया। जिसमें क़रीब छह सौ लोगों ने अन्ना प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर हरिश्चंद्र बजाज, सुरेश गोयल, संदीप अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, शंकर अग्रवाल, मनोज शर्मा , प्रदीप, अरुण अग्रवाल आदि ने अपनी सेवा दी।

शापुर नगर स्थित गाजुला रामाराम में मुलेवा परिवार द्वारा आयोजित पतंग उत्सव में भाग लेते हुए दुर्गाराम मुलेवा, रमेश, नरेश, सुरेश , रितेश,चेतन, हर्षित, जिगिसा, दिव्यांशी महीमा मुलेवा एवं अन्य।

गोकुलधाम बरकतपुरा में मकर संक्रांति पर्व पर पतंगबाज़ी करते हुए दिलीप डागा, इन्द्रपाल सैनी, गौरव सैनी, अमित शाह, सुमन डागा, नेहा डागा, सुलोचना सैनी, प्रियंका सैनी, आहान डागा, दीप्ति शाह, ूजा शाह आदि।

बजरंग सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने मकर संक्रांति का त्यौहार पारंपरिक तरीके से मनाया। उन्होंने सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और उनसे इस त्यौहार को उत्साह के साथ मनाने और इसके महत्व को याद रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर प्रभु जी, साईनाथ, किरण, नीलेश, विशनवी, धनुष, दीक्षु, शेरस्टा और अन्य उपस्थित थे।

हिलेस का स्वर्ण जयंती समारोह और कविता-संग्रह लोकार्पण सम्पन्न

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के लेखकों की लोकप्रिय और सक्रिय संस्था हिंदी लेखक संघ हैदराबाद का स्वर्ण जयंती समारोह नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में संपन्न हुआ। इस अवसर पर गीत चाँदनी के संरक्षक व ट्रस्ट के सदस्य व सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री अमृत कुमार जैन मुख्य अतिथि थे। गीत चाँदनी ट्रस्ट के सदस्य श्री राजेश सिंह वर्मा, उर्दू के पत्रकार और टी. वी. चैनल के संपादक जनाब सादुल्लाह ख़ान सबील, मिलिंद प्रकाशन के संचालक और प्रकाशक श्री श्रुतिकांत भारती, अंजनी कुमार गोयल बतौर विशेष अतिथि मंच पर विराजमान थे। गीत चाँदनी की संयोजिका डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने लोकार्पण सत्र की अध्यक्षता की और गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने कवि सम्मेलन की अध्यक्षता की।

पूर्व सैनिक व कवि राजेश पिव्हाल की नयी काव्य पुस्तक भारत माँ की गोद में (कविता-संग्रह) का लोकर्पण देश के जाने-माने सुप्रसिद्ध कवि दिल्ली निवासी श्री शैल भदावरी के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी और गोलकोण्डा दर्पण के यशस्वी संपादक गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए कहा कि कवि श्री राजेश पिव्हाल का जन्म हैदराबाद में 28 अगस्त, 1968 को हुआ है। आप पूर्व सैनिक हैं और नायक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। कवि श्री राजेश पिव्हाल ने देश-भक्तिपूर्ण कविताओं की अनेक पुस्तकें लिखी हैं जिनमें हिंदी और उर्दू में छाती फट जाए चट्टान की, जूनून उनका, बूँद-बूँद ख़ून दे गये आदि लोकप्रिय और प्रसिद्ध हुई हैं।

मुख्य वक्ता और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरप-ोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) हैदराबाद के प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पीएसयू) के सदस्य सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने कवि राजेश पिव्हाल को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि कवि ने भारत माँ की गोद में (कविता-संग्रह) में देशभक्त स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर महत्वपूर्ण पुस्तक लिखी है। एक सैनिक का जीवन क्या होता है? अपनी कविताओं में वर्णन किया है। हिंदी और संस्कृत की विद्वान साहित्यकार डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने अपनी अध्यक्षीय टिप्पणी में कहा कि कविता लिखना बड़े मुश्किल का कार्य है। कविताएँ लिखने के लिए अनेक मुश्किलों से गुज़रना पड़ता है।

मुख्य अतिथि व सुप्रसिद्ध समाज सेवी अमृत कुमार जैन, राजेश सिंह वर्मा, श्रुतिकांत भारती, विभा भारती, श्री इंद्रनाथ पिव्हाल, जनाब सादुल्लाह ख़ान सबील आदि ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये और श्री राजेश पिव्हाल को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए उनकी कविताओं की प्रशंसा की।

पुस्तक का लोकार्पण करने के पश्चात कवि शैल भदावरी ने कहा कि मैं भी आधा फौज़ी हूँ। मेरे दामाद और मेरे पिताजी सेना में थे। मैं भी फौज़ियों के गाँव से हूँ। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के महत्व-पूर्ण बलिदानों का उल्लेख मिलता है भारत माँ की गोद में (कविता-संग्रह) की कविताओं में।

कवि राजेश पिव्हाल ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि मैं सेना से सेवानिवृत्त हुआ हूँ। स्वतंत्रता के लिए जिन शहीदों ने हँसकर कुर्बानी दी, मैंने उन पर यह किताब लिखी है। देशभक्तों पर जितना लिखा जाए कम ही लगता है। यह किताब मेरे देशभक्तों को समर्पित है।

गीत चाँदनी की कोषाध्यक्षा व कवयित्री रत्नकला मिश्र कार्यक्रम व्यवस्थापिका थी। आरंभ में माँ सरस्वती के पूजन का कार्य संपन्न हुआ। श्रीमती निमा रवि ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। गीतकार श्री चंपालल बैद की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें नगरद्वय के हिंदी और उर्दू के कविगण देश के हालातल, राष्ट्रीय एकता, विश्व शांति, आतंकवाद, पर्यावरण और जीवन की विभिन्न सच्चाइयों पर अपने गीत, ग़ज़ल, नयी कविताएँ और हास्य व व्यंग्य की कविताएँ प्रस्तुत कर समाँ बाँधा।

कार्यक्रम में अनेक हिंदी प्रेमी श्रोताओं, लेखकों और कवियों से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को गौरवान्वित किया और कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। गीत चाँदनी की कोषाध्यक्षा व कवयित्री रत्नकला मिश्र ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

तेलंगाना के मेडचल-मलकाजगिरी जिले में विनिर्माण इकाई में लगी आग

मेडचल-मलकाजगिरी हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मेडचल-मलकाजगिरी जिले में बुधवार को एक विनिर्माण इकाई में आग लग गई, एक अग्निशमन अधिकारी ने कहा। आग पर काबू पा लिया गया है और घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग पर काबू पाने के लिए दो दमकल गाड़ियाँ मौके पर भेजी गई हैं। पुलिस के अनुसार, नाचारम में वायर निर्माण इकाई में मामूली आग लग गई। दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया । आग की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है ।

प्रयागराज स्थित गंगाघाट त्रिवेणी संगम महाकुंभ में भाग लेते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार। साथ में हैं निर्मला अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, रोहित इन्नानी, तोरल, दिव्या, पायल एवं अन्य।

रेवंत रेड्डी ने कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण-2 में मजबूत प्रतिनिधित्व की वकालत की

नयी दिल्ली/हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अंतर-राज्य नदी जल विवाद अधिनियम (आईएसआर डब्ल्यू डीए), 1956 की धारा 3 के अंतर्गत तेलंगाना को कृष्णा नदी जल के आवंटन के संबंध में कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण-2 (केडब्ल्यूडीटी-द्वितीय) के समक्ष मजबूत तर्क की आवश्यकता पर बल दिया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जल आवंटन आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम (एपीआरए), 2014 की धारा 89 के अनुरूप परियोजना-वार निर्धारित होना चाहिए। उन्होंने बताया कि एपीआरए के तहत स्थापित शीर्ष परिषद ने भी सिफारिश की है कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच जल वितरण में आईएसआरडब्ल्यूडीए की धारा 3 के प्रावधानों का पालन किया जाना चाहिए। कानूनी घटनाक्रम को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश ने केडब्ल्यूडीटी-खख के आगे के संदर्भ की शर्तों पर हस्तक्षेप की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, शीर्ष अदालत ने मामले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। बुधवार शाम दिल्ली में अपने आधिकारिक आवास पर आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, मंत्री श्रीधर बाबू और पोंगुलती श्रीनिवास रेड्डी, प्रमुख सचिव शांति कुमारी, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव वी. शेषाद्रि, सिंचाई के लिए राज्य सरकार के सलाहकार आदित्यनाथ दास और सिंचाई सचिव राहुल बोज्जा सहित प्रमुख अधिकारियों और मंत्रियों के साथ सिंचाई से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के अधिकारियों को बिना आवश्यक अनुमति के गोदावरी-बनकारा इंटरलिंकिंग परियोजना को आगे बढ़ाने के आंध्र प्रदेश के एकतरफा फैसले से उत्पन्न चिंताओं का समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सी.आर. पाटिल, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और गोदावरी और कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी और केआरएमबी) को इस कदम का विरोध करते हुए औपचारिक पत्र जारी करने का निर्देश दिया।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया-ए की कप्तानी करेंगे जैक एडवर्ड्स

मेलबर्न, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को सिडनी में आगामी चार दिवसीय मैच में इंग्लैंड लायंस का सामना करने के लिए ऑस्ट्रेलिया ए की 12 सदस्यीय युवा टीम का कप्तान बनाया गया है, जिसमें दो अन्य तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर आरोन हार्डी और विल सदरलैंड भी शामिल हैं।

31 वर्षीय कर्टिस पैटरसन को भी 2020 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया ए टीम में वापस बुलाया गया है और वह टीम में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने युवाओं पर जोर दिया है और अक्टूबर और नवंबर में दो चार दिवसीय मैचों में भारत ए का सामना करने वाली टीम से केवल पांच खिलाड़ियों को ही बरकरार रखा है, जिसमें जॉर्डन बकिंघम, फर्गस ओ%नील, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, ब्रेंडन डॉगेट शामिल हैं, हालांकि डॉगेट को केवल उस श्रृंखला में देर से चोट लगने पर प्रतिस्थापन के रूप में शामिल किया गया था।

मार्कस हैरिस, जिमी पीरसन या नाथन मैकएंड्रू के लिए कोई जगह नहीं थी, जिन्होंने मेलबर्न में दूसरे ऑस्ट्रेलिया ए गेम में ठोस प्रदर्शन किया था। पूर्व टेस्ट बल्लेबाज मैट रेनशॉ या पीटर हैंड्सकॉम्ब को भी नहीं चुना गया।

कैमरून बैनक्रॉफ्ट बीबीएल में कंधे की हड्डी टूटने के कारण चोटिल हो गए हैं। अनुभवी दो टेस्ट मैच खेलने वाले तेज गेंदबाज माइकल नेसर, जिन्हें एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, को भी नहीं चुना गया है।

चयनकर्ताओं ने दिखाया कि वे भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया ए के मैचों में उनके प्रदर्शन को कितना महत्व देते हैं, जिसमें नाथन मैकस्वीनी, सैम कोंस्टास और ब्यू वेबस्टर को भारत ए के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट डेब्यू के लिए चुना गया।

मैके में भारत ए के खिलाफ 15 रन देकर 6 विकेट लेने वाले डोगेट को दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए तेज गेंदबाजी कवर के रूप में भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया। सीए के अनुबंधित तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को मौका मिला है, जो साइड इंजरी के कारण ऑस्ट्रेलिया ए के दो मैच नहीं खेल पाए थे। उन्होंने बीबीएल ब्रेक से पहले क्वींसलैंड के लिए अपने आखिरी प्रथम श्रेणी मैच में 32 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

न्यूज ब्रीफ

सट्टेबाजी मामले में हिरासत में लिए गए सेविला के डिफेंडर सालास

मैड्रिड। सेविला के डिफेंडर किके सालास को मंगलवार को पुलिस ने हिरासत में लिया और धोखाधड़ी के संदेह में मोरोन डे ला फ्रोंटेरा शहर की अदालत में पेश किया। 22 वर्षीय किके सालास पर अवैध सट्टेबाजी के लिए जानबूझकर पीले कार्ड हासिल करने का संदेह है, साथ ही कई अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, जो उनके परिवार और परिचितों के करीबी माने जाते हैं। स्पेन के एल कॉन्फिडेंशियल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार जांचकर्ताओं का मानना है कि सालास के परिवार और दोस्तों ने 10,000 यूरो प्रति माह जीतने के लिए लगभग 30 अलग-अलग दांव लगाए होंगे। जांच 2023-2024 सत्र के अंत में खेले गए कई मैचों पर केंद्रित है, जहां सालास को पिछले नौ मैचों में सात पीले कार्ड दिखाए गए थे, जिनमें से अधिकांश पीले कार्ड खेल के अंतिम मिनटों में आए थे। सालास ने अभियान में 23 लीग प्रदर्शनों में कुल 10 पीले कार्ड देखे, जबकि इस सीजन में उन्हें 14 प्रदर्शनों में तीन बार बुक किया गया है। खिलाड़ी ने हाल ही में सेविला के साथ 2029 तक क्लब में अपने प्रवास को बढ़ाने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, और अदालत में पेश होने के बाद, उन्होंने बाकी पहली टीम के दल के साथ प्रशिक्षण लिया।

पहलवान अमन सेहरावत ओलंपिक पदक का रंग फीका पड़ने की शिकायत करेंगे

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान अमन सेहरावत ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में उनको मिले कांस्य पदक की चमक कम हो गयी है जिसकी अब वह आधिकारिक तौर पर शिकायत करेंगे। अमन ने ओलंपिक में पुरुषों की 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीता था। अमन के अलावा कई और खिलाड़ियों के पदक के रंग फीके होने के मामले सामने आये हैं। कुछ ने इसकी शिकायत की है, वहीं कुछ ने नहीं। वहीं 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक के लिए पदक बनाने वाली कंपनी मोनाई डे पेरिस ने कहा कि पदकों के खराब होने की कई शिकायतों को देखते हुए वह ऐसे पदकों को बदलने के लिए तैयार है। अमन ने पदक बदलने के लिए आधिकारिक तौर पर अपनी शिकायत दर्ज नहीं कराई है। भारतीय पहलवान के एक करीबी ने कहा, अमन ने पेरिस में जो कांस्य पदक जीता था, वह दोषपूर्ण लगता है। इसका रंग फीका पड़ने लगा है पर हमने अभी तक आईओसी के साथ आधिकारिक शिकायत साझा नहीं की है। वहीं केवल चार महीनों में पेरिस 2024 ओलंपिक और पैरालंपिक खेल आयोजन समिति (कोजोप) को एथलीटों द्वारा 100 से अधिक ऐसे पदक पदक लौटाए गये हैं जिनका रंग फीका पड़ा है। ये पदक, एक लक्जरी फ्रांसीसी जौहरी चौमेट द्वारा डिजाइन किया गया था जिसे फ्रांस के सबसे प्रतिष्ठित प्रतीक एफिल टॉवर से लोहे के एक टुकड़े से सजाया गया था। प्रत्येक पदक के केंद्र में 0.6 औंस का पुडल आयरन का टुकड़ा है। पिछले साल खेलों के समापन के तत्काल बाद ही विभिन्न एथलीटों ने सोशल मीडिया के जरिये पदक खराब होने की शिकायतें की थीं।

प्रीमियर लीग: लिवरपूल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ ड्रा खेलकर छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी

लंदन। लिवरपूल ने मंगलवार रात नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर प्रीमियर लीग में अपनी छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी। फॉरेस्ट के स्ट्राइकर क्रिस वुड ने अपने शानदार सत्र को जारी रखते हुए, आठवें मिनट में एक तेज जवाबी हमले के बाद बाएं पैर से गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। लिवरपूल ने 66वें मिनट में बराबरी हासिल की, जब कोच आर्ने स्लॉट के प्रतिस्थापन ने काम किया, उन्होंने कोस्टास सिमिकास की जगह डिओगो जोटा को मैदान में उतारा, जिन्होंने मैदान में आने के एक मिनट बाद ही गोल कर लिवरपूल को 1-1 से बराबरी दिला दी। लिवरपूल ने अंतिम मिनटों में दबदबा बनाए रखा और मैच ड्रा करा लिया, इस परिणाम के साथ फॉरेस्ट ने आर्सेनल से आगे निकलकर दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया, हालांकि आर्सेनल अगर बुधवार को जीतता है तो लिवरपूल की बढ़त को चार अंकों तक सीमित कर सकता है। चेल्सी और बोर्नमाउथ ने 2-2 से रोमांचक ड्रा खेला, जिसमें मेहमान टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 की बढ़त हासिल की, इससे पहले रीस जेम्स ने 95वें मिनट में बराबरी कर ली। 14वें मिनट में चेल्सी ने वापसी की, लेकिन एंटोनी सेमेनियो पर पुश के बाद जस्टिन क्लुइवर्ट द्वारा दिए गए पेनल्टी ने 50वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया।

भारतीय महिला टीम ने रचा इतिहास, एकदिवसीय क्रिकेट में बनाया अपना सबसे बड़ा स्कोर

राजकोट, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आयरलैंड के खिलाफ राजकोट में खेले जा रहे तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में इतिहास रच दिया है। भारतीय महिला टीम ने पहली बार एकदिवसीय क्रिकेट में 400 रनों का आंकड़ा पार किया है। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 435 रनों का विशाल स्कोर बनाया। यह भारतीय महिला टीम का एकदिवसीय में सर्वोच्च स्कोर है। ओवरऑल महिला एकदिवसीय में यह चौथा सर्वोच्च स्कोर है। महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रकॉर्ड न्यूजीलैंड महिला टीम के नाम है। यह रकॉर्ड उसने आयरलैंड के खलिाफ ही साल 2018 में बनाया था। न्यूजीलैंड महिला टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 491 रन बनाए थे।

12 जनवरी को आयरलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम ने 370 रन बनाए थे जो कि टीम का एकदिवसीय में सबसे बड़ा स्कोर था लेकिन तीसरे मैच में टीम ने ये रिकॉर्ड तोड़ डाला। भारतीय महिला टीम को इस एतिहासिक स्कोर तक पहुंचाने में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल का अहम योगदान रहा। प्रतिका ने जहां 129 गेंदों में 154 रनों की पारी खेली, वहीं मंधाना ने महज 80 गेंदों में 135 रन बनाए।

आयरलैंड के खिलाफ इस सीरीज में हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी कर रहीं मंधाना ने मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। भारतीय महिला टीम को सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल और कप्तान स्मृति मंधाना ने दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में ही टीम का स्कोर 150 के पार पहुंचा दिया। इसके बाद मंधाना ने एकदिवसीय में अपना 10वां शतक जड़ दिया। मंधाना ने महज 70 गेंदों में शतक लगाया जो भारत के लिए महिला क्रिकेट में किसी बल्लेबाज द्वारा लगाया सबसे तेज शतक है। मंधाना ने इस मामले में हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ा। उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ 87 गेंदों पर शतक जमाया था। मंधाना 80 गेंदों में 12 चौके और सात छक्कों की मदद से 135 रन बनाकर आउट हुईं। मंधाना और प्रतिका के बीच पहले विकेट के लिए 233 रनों की साझेदारी हुई।

मंधाना के बाद प्रतिका ने एकदिवसीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा। उनका साथ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने दिया। ऋचा ने 42 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से ताबड़तोड़ 59 रन बनाए। ऋचा के बाद भारतीय टीम का तीसरा विकेट प्रतिका के रूप में गिरा। उन्होंने 129 गेंदों पर 20 चौके और एक छक्के की मदद से 154 रन की यादगार पारी खेली। इनके अलावा तेजल हसबनिस ने 28 रन और हरलीन देओल ने 15 रन बनाए। दीप्ति शर्मा 11 रन और जेमिमा रोड्रिग्ज चार बनाकर नाबाद रहीं। इस तरह भारतीय टीम ने पांच विकेट पर 435 रन बनाए।

आयरलैंड की ओर से ओरला प्रेंडरगास्ट ने दो विकेट, जबकि आरलेने केली, फ्रेया सरगेंट और जॉर्जिना डेंपसे को एक-एक विकेट मिला। उल्लेखनीय है कि तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम 2-0 से आगे है।

भारत की नंबर 1 महिला शतरंज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी की नॉर्वे शतरंज महिला 2025 में वापसी

स्टवांगर (नॉर्वे), 15 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत की शीर्ष महिला शतरंज खिलाड़ी और विश्व में क्लासिकल शतरंज में छठे स्थान पर काबिज कोनेरू हम्पी प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज महिला 2025 टूर्नामेंट में वापसी कर रही हैं। टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी ने प्रशंसकों और विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है।

हम्पी का शतरंज करियर उनकी असाधारण उपलब्धियों से भरा है। वह 2002 में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उनकी अन्य बड़ी उपलब्धियों में 2019 और 2024 में विश्व रैपिड चैम्पियनशिप खिताब जीतना शामिल है। 2020 में, उन्हें बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया था। उन्होंने ओलंपियाड, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में भी भारत का नाम रोशन किया है।

नॉर्वे शतरंज महिला 2025 हम्पी के लिए अपने कौशल और क्षमता का प्रदर्शन करने का एक और बड़ा मंच होगा। 2600 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाली दुनिया की दो महिला खिलाड़ियों में से एक के रूप में, उन्होंने शतरंज में असाधारण मानक स्थापित किए हैं।

हम्पी ने टूर्नामेंट के प्रति अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा, प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में खेलना मेरे लिए गर्व की बात है।

टूर्नामेंट के निदेशक केजेल मैडलैंड ने हम्पी की वापसी पर कहा, हम्पी की उपलब्धियां शतरंज जगत में एक प्रेरणा हैं। हम नॉर्वे शतरंज महिला 2025 में उनका स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं।

उनकी भागीदारी न केवल भारत बल्कि दुनिया भर के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या इस बार भी हम्पी अपने शानदार प्रदर्शन से खिताब हासिल कर पाती हैं।

एफए कप फुटबॉल

नौटिंघम में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए नौटिंघम फोरेस्ट और लीवरपूल की टीमें।

वीजा देरी के कारण अबू धाबी में इंग्लिश टीम के प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा नहीं ले पाएंगे साकिब महमूद

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के भारत दौरे से पहले, इंग्लिश तेज गेंदबाज साकिब महमूद वीजा देरी के कारण अबू धाबी में अपनी टीम के प्रशिक्षण शिविर से चूक जाएंगे। साकिब को इंग्लैंड की वनडे और टी20 दोनों टीमों में शामिल किया गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को उम्मीद है कि 22 जनवरी को सीरीज के अपने पहले टी20 मैच के लिए पूरी टीम के कोलकाता जाने से पहले वीजा की समस्या का समाधान हो जाएगा। पाकिस्तानी मूल के अंग्रेजी खिलाड़ियों के लिए वीजा में देरी एक परिचित समस्या है।

इससे पहले 2024 में, इंग्लैंड के स्पिनर शोएब बशीर को वीजा मिलने में देरी के कारण हैदराबाद में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के पहले टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया था।

ईसीबी ने दिसंबर 2024 को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए टीमों की घोषणा की, जिसमें तीन वनडे, पांच टी20 और आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शामिल है। पांच मैचों की टी-20 सीरीज 22 जनवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। दूसरा मैच 25 जनवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। तीसरा मैच 28 जनवरी को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला जाएगा। चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 31 जनवरी और 2 फरवरी को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

वनडे सीरीज 6 फरवरी को नागपुर के वीसीए स्टेडियम में शुरू होगी। दूसरा वनडे 9 फरवरी को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि अंतिम मैच 12 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है-

वनडे टीम: जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

टी20 टीम : जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

चेन्नइयन एफसी पर लीग डबल पूरा करना मोहम्मडन स्पोर्टिंग का लक्ष्य

कोलकाता, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

मोहम्मडन एससी की टीम बुधवार शाम अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में चेन्नइयन एफसी की मेजबान करेगी, तो उसका लक्ष्य अपना पहला लीग डबल हासिल करना होगा जबकि मरीना माचान्स किसी नई-नवेली टीम के हाथों ऐसी शर्मनाक स्थिति से बचना चाहेंगे।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने अपने पिछले तीन मैचों (1 जीत, 2 ड्रा) में अपराजित रहकर रक्षात्मक मजबूती दिखाई है, जिसमें उनकी पिछले अवे मैच में बेंगलुरू एफसी पर 1-0 की जीत भी शामिल है। वहीं, चेन्नइयन एफसी घर से बाहर अपने पिछले तीन मैच बिना गोल किए हारी है।

मोहम्मडन एससी 15 मैचों में दो जीत, चार ड्रा और नौ हार से 10 अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। वहीं, चेन्नइयन एफसी 15 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और सात हार से 16 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में हैडर के जरिये छह गोल खाए हैं, जो संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। चार हैडर से गोल करने वाली चेन्नइयन एफसी

मेजबान टीम की इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी।

मोहम्मडन (26) ने चेन्नइयन एफसी (22) की तुलना में ज्यादा बड़े मौके बनाए हैं, लेकिन उसकी 19.2त्न की रूपांतरण दर लीग में सबसे कम है।

चेन्नइयन एफसी अपने पिछले तीन अवे मैचों में गोल करने में विफल रही है। लाडिनपुइया प्रति मैच 6.2 बार कब्जा फिर हासिल करते हैं, अब तक 21 टैकल किए हैं और 77त्न सटीकता के साथ प्रति मैच 32 पास किए हैं।

रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव ने ब्लैक पैंथर्स को अपनी क्षमताओं पर भरोसा बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा, मैं इन खिलाड़ियों के साथ काम करके काफी खुश हूं। जीत ने हमारे अंदर सकारात्मकता पैदा की है। मैं अपने खिलाड़ियों से खुद पर यकीन करने के लिए कहता रहता हूं।

मरीना माचान्स के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल ने अपनी टीम से रक्षात्मक रूप से अधिक अनुशासित रहने को कहा।

उन्होंने कहा, हम अभी भी सामान्य खेल रहे हैं। हमें अपना स्तर वापस पाने की कोशिश करनी होगी। हमें डिफेंस में कड़ी मेहनत करनी होगी और अगर हम ऐसा करते हैं, तो हम मैच जीतना शुरू कर देंगे।

बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला हुआ है, जिसमें मोहम्मडन स्पोर्टिंग पहली जीत का स्वाद चखा था। मोहम्मडन एससी ने चेन्नइयन एफसी को 1-0 से हराया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.